सेना ने हटाया टीएमसी का प्रदर्शन मंच, ममता ने लगाया केंद्र पर सेना के दुरुपयोग का आरोप-12

यूपीआई लेन-देन की संख्या अगस्त माह में बीस अरब के पार-12

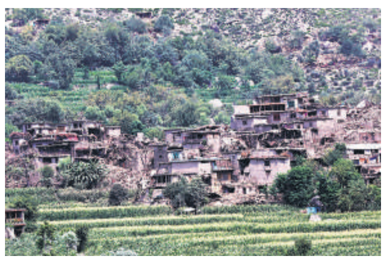

भारत ने अफगानिस्तान को भेजे एक हजार तंबू और 15 टन खाद्य सामग्री-13

महिला विश्व कप चैंपियन की पुरस्कार राशि में बंपर बढ़ोतरी-14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.51 | सूर्यास्त 06.34

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी 03:53 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 283, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

वाणिज्यिक एलपीजी 51.50 रुपये सस्ता

नई दिल्ली। विमान ईंधन के दाम में सोमवार को 1.4 प्रतिशत की कटौती की गई, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 51.50 रुपये सस्ते हो गए। तेल कंपनियों ने 19 किग्रा के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 51.50 रुपये कम किए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1,580 रुपये है। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में यह छठी कटौती है। अप्रैल से अब तक की गई कटौती में दाम प्रति सिलेंडर 223 रुपये घटे हैं।

संभल मस्जिद मामले में यथास्थिति बढ़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बनाए रखने के अपने आदेश की अवधि दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि इस मामले में जामा मस्जिद संभल की प्रबंध कमेटी ने दो अपील दायर की थीं। इसका नेतृत्व क्रमश: जामा मस्जिद के सचिव और उपाध्यक्ष ने किया। शीर्ष अदालत ने रजिस्ट्री को मामले की पड़ताल करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

स्पाइसजेट की उड़ान की इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई। पुणे से दिल्ली आ रहे स्पाइसजेट के एक विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आ गई जिस वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। वितान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। स्पाइसजेट के बोइंग 737 विमान को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से पुणे हवाई अड्डे लौटना पड़ा। दिल्ली के लिए उड़ान भरने के एक घंटे बाद विमान को आपातकालीन स्थिति में वापस उतारा गया। उड़ान एसजी937 सुबह छह बजे पुणे से रवाना हुई थी।

चारधाम एवं हेमकुंड साहिब यात्रा 5 तक रद्द

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार बारिश को देखते हुए सरकार ने चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पांच सितंबर तक स्थगित कर दी है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने सोमवार को बताया कि भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन या मलबा आने से मार्ग बाधित हो रहे हैं, यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए चारधाम एवं हेमकुंड साहिब यात्रा को 5 सितम्बर तक स्थगित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

सोने ने बनाया रिकॉर्ड, 1.05 लाख के पार, चांदी भी एक हजार बढ़कर शिखर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत सोमवार को 1,000 रुपये बढ़कर 1,05,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद और विदेशी बाजारों में मजबूत मांग के चलते सोने की कीमतों में तेजी आई। इसके साथ ही चांदी की कीमत भी 1,000 रुपये चढ़कर 1,26,000 रुपये प्रति किग्रा. के नए शिखर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शनिवार को 1,000 रुपये बढ़कर 1,04,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। स्थानीय बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 800 रुपये बढ़कर 1,04,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही, 800 की मौत

- रिक्टर स्केल पर 6 मापी गई तीव्रता 2500 लोग घायल
- कुनार प्रांत में हताहतों की संख्या ज्यादा, कई गांव बर्बाद

काबुल, एजेंसी

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई तथा 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से 8 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है और 2,500 लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं। कुनार के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक नर्गल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव खत्म हो गया है। बच्चे, बुजुर्ग और युवा मलबे के नीचे दबे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत ज़मान ने बताया कि बचाव कार्य जारी है और कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल क्षेत्र में पहुंच गए हैं। मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ सकती है।

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से तबाह हुआ एक घर। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया मदद का आश्वासन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफगानिस्तान में रविवार रात आए विनाशकारी भूकंप में हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए भारत की तरफ से हरसंभव मानवीय सहायता प्रदान करने की पेशकश की है। मोदी ने एक्स पर सोमवार को कहा कि अफ़ग़ानिस्तान में आए भूकंप में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

2023 में भी आया था 6.3 तीव्रता का भूकंप

सात अक्टूबर 2023 को अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद तेज़ झटके भी महसूस किए गए थे। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में कम से कम 4,000 लोगों के मारे जाने का अनुमान जताया था। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने मृतकों की संख्या लगभग 1,500 बताई थी। यह हाल के दिनों में अफ़ग़ानिस्तान में आई सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा थी।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड अस्वीकार्य

एससीओ शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी, आतंकवाद सभी के लिए साझा चुनौती

तियानजिन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि पहलगाम में हुआ भयावह आतंकवादी हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर आघात है, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले प्रत्येक राष्ट्र के लिए एक खुली चुनौती भी है। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड त्यागने की जोरदार वकालत की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और वैश्विक नेताओं की उपस्थिति में मोदी ने वार्षिक शंघाई सहयोग संगठन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।

पाकिस्तान और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को स्पष्ट संदेश देते हुए मोदी ने कहा कि यह पूछना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद को खुला समर्थन हमें कभी स्वीकार्य हो सकता है? उन्होंने कहा कि हमें स्पष्ट रूप से और एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। हमें मिलकर, हर रूप और अभिव्यक्ति में आतंकवाद का विरोध करना चाहिए। यह मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पिछले कई दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल में हमने पहलगाम में आतंकवाद का एक बेहद घृणित रूप देखा। यह हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर एक आघात था, बल्कि यह हर उस देश, हर उस व्यक्ति के लिए एक खुली चुनौती था जो मानवता में विश्वास रखता है। मोदी ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ खड़े होने वाले मित्र देशों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। इस हमले के बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं।

एससीओ की बैठक से पहले आपस में बातचीत करते रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग। ● एजेंसी

- मोदी ने सभी राष्ट्रों से आतंकवाद के हर रूप का मिलकर विरोध करने का किया आह्वान
- बोले-पहलगाम में आतंकवाद का बेहद घृणित रूप देखा। यह हमला भारत की अंतरात्मा पर आघात था

सुरक्षा, शांति और स्थिरता विकास की नींव

प्रधानमंत्री ने समूह के प्रति भारत के दृष्टिकोण और नीति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए शंघाई सहयोग संगठन के संक्षित नाम एससीओ का नया अर्थ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एससीओ के 'एस' का अर्थ है 'सिक्योरिटी' यानी सुरक्षा, 'सी' का अर्थ है 'कनेक्टिविटी' यानी संपर्क और 'ओ' का अर्थ है 'ऑपचुनिटी' यानी अवसर। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव हैं। हालांकि, आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियां बने हुए हैं। मोदी ने कहा कि आतंकवाद न केवल व्यक्तिगत राष्ट्रों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है।

एससीओ ने की पहलगाम हमले की निंदा

तियानजिन। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत के इस रुख से सोमवार को सहमति जताई कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मानदंड अस्वीकार्य हैं। इस प्रभावशाली समूह ने चीनी बंदरगाह शहर तियानजिन में आयोजित अपने दो दिवसीय वार्षिक शिखर सम्मेलन के अंत में जारी एक घोषणापत्र में आतंकवाद से लड़ने के अपने दृढ़ संकल्प को सूचीबद्ध किया। एससीओ सदस्य देशों ने गाजा में इजराइल द्वारा किए गए सैन्य हमलों में बड़ी संख्या में आम लोगों के हताहत होने और गाजा पट्टी में भयावह मानवीय स्थिति पैदा होने के कारण इन हमलों की निंदा की। घोषणापत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने के उपायों का उल्लेख किया गया और आतंकवाद से निपटने को एक बड़ी चुनौती बताया गया।

प्रदेश में नया सोसाइटी पंजीकरण एक्ट शीघ्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के स्थान पर नए कानून की आवश्यकता पर बल दिया है। कहा कि सोसाइटी के रूप में पंजीकृत संस्थाओं के पंजीकरण, नवीनीकरण व उनकी संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए व्यावहारिक प्रावधान किए जाने चाहिए। कहा कि विवाद की स्थिति में प्रशासक की तैनाती ठीक नहीं है, प्रबंधन को अपना विधान तय करने की छूट होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने आवास पर हुई बैठक में प्रस्तावित अधिनियम का प्रस्तुतिकरण देखा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और शीर्ष अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के निरस्तीकरण, विघटन, संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन, सदस्यता और चुनाव संबंधी विवादों के समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट प्रावधानों का अभाव है। ऑडिट, निधियों के दुरुपयोग पर नियंत्रण और संपत्ति प्रबंधन से संबंधित नियम भी पर्याप्त नहीं हैं। निर्देश दिए कि पंजीकरण व नवीनीकरण की प्रक्रिया ऑनलाइन, केवाईसी आधारित और समयबद्ध होनी चाहिए। वित्तीय लेन-देन की जवाबदेही व लेखा-परीक्षा की प्रक्रिया अधिक सुदृढ़ हो। नए कानून को यथाशीघ्र तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी आवश्यक प्रावधान ऐसे तैयार करें, जिससे प्रदेश की पंजीकृत संस्थाएं समाजोपयोगी कार्यों को और प्रभावी ढंग से संपादित कर सकें। बैठक में प्रभारी मुख्य सचिव दीपक कुमार, प्रमुख सचिव नियुक्ति एम देवराज, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव राजस्व एवं आवास पी गुरुप्रसाद समेत तमाम शीर्ष अधिकारी शामिल रहे।

- समीक्षा बैठक में संस्थाओं के पंजीकरण और संपत्ति प्रबंधन में पारदर्शिता पर फोकस

प्रदेश में भारी बरसात और बिजली गिरने से पांच की मौत, आठ घायल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वज्रपात से कई मवेशी भी मरे, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट
- प्रशासन ने आमजन को सतर्क रहने की दी सलाह

अमृत विचार : प्रदेश में रविवार रात से शुरू मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक कई जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी है, वहीं नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी बाढ़ का खतरा भी बढ़ा रही हैं। इस बीच गोंडा में जहां बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई वहीं, रायबरेली में दादी-पोता घायल हो गए। जबकि मवेशी मर गए। ऊंचाहार में एक कच्ची कोठरी गिर गई जिसके मलबे में 6 लोग दब गए। वहीं मुरादाबाद में बारिश के चलते उफनाए तालाब और नाले में गिरकर चार लोगों की मौत हो गई।

बेलसर (गोंडा) में अनन्ते (60) गांव से थोड़ी दूर पर धान का खेत देखने गए थे। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अमावां, रायबरेली के एक गांव में रविवार की रात राजकुमारी 65 वर्ष वह उनका पोता आदित्य (12) चारपाई पर सो रहे थे। तभी आकाशीय बिजली गिरने से दोनों झुलस गए। जबकि भैंस की मौत हो गई। इसी तरह सतांव, रायबरेली में भी रविवार रात हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से भैंस और पड़िया की मौत हो गई।

रविवार रात से ही हो रही बारिश के चलते पीलीभीत, बरेली, रायबरेली जिले में स्कूलों में छुट्टी की घोषणा करनी पड़ी। वहीं, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, बस्ती, बाराबंकी, सीतापुर, बहराइच, गोंडा, सिद्धार्थ नगर और बलरामपुर में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि वाराणसी, जौनपुर, गाज़ीपुर, मिर्ज़ापुर, सोनभद्र और चंदौली सहित बुंदेलखंड के प्रयागराज, कौशाम्बी, चित्रकूट, बांदा और फ़तेहपुर जिलों में भी मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

मुरादाबाद मंडल में बिजनौर के नगीना थाना के गांव पुरेनी निवासी हेड कांस्टेबल रजनीश बहजोई से ड्यूटी पर जा रहा था। रास्ते में उफनाए नाले में गिरने से उसकी मौत हो गई। संभल में रायसत्ती देवी थान पर चार साल की बच्ची अर्चना की नाले में गिरने और मझोला में दो किशोरों की तालाब में डूबकर मौत हो गई।

बारिश से खुद को बचाती युवती।

15 जिलों में जारी किया गया ऑरेंज अलर्ट

इस बीच लखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जतायी है। खासकर लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश और वज्रपात की आशंका है।

नदियों में उफान, कई जिलों में बाढ़ का खतरा

यमुना नदी उफान पर है ऐसे में कई जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ा है। बाढ़ क्षेत्र के इलाकों को खाली कराने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इधर, पीलीभीत में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते देवहा और शारदा नदियां उफान पर हैं। बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। इसका असर आसपास के करीब 20 गांवों की आबादी पर पड़ा है।

नया आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम हुआ प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशियों और आव्रजन से संबंधित मामलों को विनियमित करने वाला एक नया अधिनियम सोमवार को प्रभाव में आ गया, जिसमें जाली पासपोर्ट या वीजा रखने पर कड़ी सजा का प्रावधान है।

आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 बजट सत्र के दौरान संसद से पारित हुआ था। इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार अप्रैल, 2025 को स्वीकृति दी थी। गृह मंत्रालय के अवर सचिव नितेश कुमार व्यास द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने एक सितंबर, 2025 को आव्रजन और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी कर दिया है। इस कानून के मुताबिक जो भी जाली पासपोर्ट या वीजा का इस्तेमाल करता हुआ पाया जाएगा उसे सात वर्ष तक की कैद तथा 10 लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

- जाली पासपोर्ट, वीजा रखने पर होगी कड़ी सजा

टीईटी पास करें, अन्यथा छोड़ें नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- नए शिक्षकों और प्रमोशन चाहने वालों के लिए अनिवार्य
- पांच साल से कम सेवा वालों को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना सभी नए शिक्षकों और पहले से नौकरी कर रहे उन शिक्षकों के लिए अनिवार्य होगा, जो प्रमोशन चाहते हैं। अगर कोई शिक्षक नई नौकरी या फिर प्रमोशन चाहता है तो टीईटी पास करना होगा।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की बेंच ने कहा कि जिन शिक्षकों की नौकरी पांच साल से कम बची है, उन्हें टीईटी पास करने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, प्रमोशन लेने के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। यह भी निर्देश दिया कि जो शिक्षक शिक्षा का अधिकार कानून (2009) लागू होने से पहले नियुक्त हुए हैं और जिनके पास पांच साल से ज्यादा सेवा शेष है, उन्हें दो साल के अंदर टीईटी पास करना ही होगा। यदि वे ऐसा नहीं कर पाए, तो उन्हें नौकरी से इस्तीफा देना पड़ेगा।

अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं

अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त शिक्षा संस्थानों को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी के लिए ये आदेश उन पर लागू नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि आरटीई एक्ट अल्पसंख्यक स्कूलों पर लागू होता है या नहीं? फिलहाल यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच के पास लंबित है। जब तक फैसला नहीं आता है, तब तक इनके शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता नहीं होगी।

खगोल विज्ञान | सूर्य की सतह पर हुए विस्फोट से भूचुंबकीय तूफान धरती की ओर आ रहा, ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा

धरती के साथ अंतरिक्ष में भी बिगड़ा मौसम का मिजाज

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : इन दिनों धरती पर देश भर में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है तो अंतरिक्ष का मौसम भी खराब दौर से गुजर रहा है। सूर्य की सतह पर हुए विस्फोट से भू चुंबकीय तूफान धरती की ओर रहा है, जो ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा, इसका असर मंगलवार तक ध्रुवों पर नजर आएगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक एवं सौर वैज्ञानिक डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि सूर्य की सतह पर बीती रात हुए विस्फोट से एक बड़ा भू चुंबकीय तूफान उत्पन्न हुआ है।

यह अर्थ डायरेक्ट तूफान 406.4 किमी प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। इस भू चुंबकीय तूफान की तीव्रता जी 3 आंकी गई है। यह तूफान पृथ्वी के चुंबकीय ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा। जिसका असर रंग-बिरंगी रोशनी (ऑरोरा) के रूप में देखने को मिलेगा। हालांकि फिलहाल इस तूफान से हमारे सेटेलाइट को नुकसान पहुंचने और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल उपकरणों को किसी तरह की हानि होने की संभावना नहीं है।

डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि सूर्य की सतह पर दस सौर कलंक (सन स्पॉट) समूह बने हुए हैं जिनमें भयानक विस्फोट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इनमे कई सौर कलंक पृथ्वी के सामने की तरफ बने हुए हैं। यदि इनमें विस्फोट हुए तो भू चुंबकीय तूफान उत्पन्न होंगे, जो पृथ्वी की ओर बढ़ सकते हैं। बहरहाल दुनियाभर की सोलर टेलीस्कोप की नजर इन पर बनी हुई हैं।

नासा द्वारा जारी सूर्य की सतह पर विस्फोट की फोटो।

अक्टूबर तक जारी रहेगी सूर्य पर विस्फोटों की संभावना

नैनीताल। डॉ. वहाबउद्दीन बताते हैं कि सूर्य की सतह पर विस्फोटों के अक्टूबर तक जारी रहने की संभावना है। इस सौर चक्र में सूर्य की सक्रियता यानी विस्फोटों की शुरुआत पिछले वर्ष शुरू हुई थी, जो अभी तक जारी है। अक्टूबर में सक्रियता में कमी आ जाने के बाद सूर्य शांत होने लगेगा। इधर, इसरो के भारतीय सौर मिशन आदित्य एल-1 ने सूर्य की निगरानी शुरू कर दी है और डेटा भेजना भी शुरू कर दिया है। फिलहाल आदित्य एल-1 के उपकरणों की टेस्टिंग जारी है, जो अगले कुछ माह तक जारी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

खेत में खड़े 400 पेड़ उखाड़े, विरोध पर महिला से अश्लीलता

बंडा, अमृत विचार : जमीनी विवाद में दबंगों ने खेत में लगे करीब 400 आम-अमरूद के पेड़ उखाड़ लिए और विरोध करने पर पीड़ित की पत्नी के साथ मारपीट व अश्लील हरकतें कीं। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि सोमवार सुबह कंधरपुर अल्हादादपुर गांव में एक दर्जन से अधिक कार सवार लोग पहुंचे और पेड़ उखाड़ने लगे। विरोध करने पर महिला से कपड़े फाड़ने और गला दबाने की कोशिश की गई। शोर मचने पर आरोपी पेड़ लेकर फरार हो गए। घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार राय ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व ब्लाक प्रमुख के जेठ पर जानलेवा हमला, रिपोर्ट दर्ज

रौसरकोठी, अमृत विचार : दबंगों को समझाने पहुंचे पूर्व ब्लाक प्रमुख भावलखेड़ा मनोरमा सिंह के जेठ शरद कुमार सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र कनेंग गांव की है। रविवार रात 10 :15 बजे हिस्ट्रीशीटर संतोष सिंह, मोहन अवस्थी और चार अन्य लोग कार से पहुंचे और मारपीट शुरू कर दी। शरद कुमार ने विरोध किया तो उन पर फायर कर दिया गया। गनीमत रही कि गोली नहीं लगी। आरोपियों ने फोन पर भी धमकी दी। पुलिस ने संतोष सिंह, मोहन अवस्थी और चार अन्य पर मुकदमा दर्ज किया है, लेकिन अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अवैध बालू खनन के विवाद में मारपीट

तिलहर, अमृत विचार : अवैध बालू खनन को लेकर दो पक्षों ने एक-दूसरे पर जानलेवा हमले के आरोप लगाए हैं। गांव डभौरा निवासी कुर्बान ने आरोप लगाया कि खनन रोकने पर राम लखन कुशवाहा और साथियों ने उससे मारपीट की और पुलिस ने उसकी तहरीर नहीं ली। वहीं राम लखन कुशवाहा ने बताया कि कुर्बान ने उस पर बोलेरो चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चीनी मिल बोर्ड बैठक 4 सितंबर को

तिलहर, अमृत विचार : चीनी मिल की बोर्ड बैठक 4 सितंबर को रस्तोगी धर्मशाला में दोपहर 12 बजे होगी। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह करेंगे। जीएम शैलेंद्र अस्थाना ने सभी डेलीगेट्स से उपस्थित होने की अपील की है।

नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान का पालन तो कहीं हो रही अनदेखी

सदर बाजार थाने के सामने समेत कई स्थानों पर लोगों ने बगैर हेलमेट भरवाया तेल

कचहरी तिराहे के पास 11 :38 बजे बिना हेलमेट पेट्रोल न मिलने से खड़ा बाइक सवार।

सदर बाजार थाना के सामने पेट्रोल पंप पर 10 :35 बजे बिना हेलमेट बाइक सवारों को पेट्रोल भरते पंप कर्मी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- एआरटीओ बोले-नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त चालान कार्रवाई

अमृत विचार : शासन के निर्देश पर जनपद में 1 से 30 सितंबर तक चलने वाले नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान की अमृत विचार पड़ताल की टीम ने पड़ताल की। पड़ताल में पहले ही दिन सोमवार को जागरुकता और अनदेखी, दोनों तस्वीरें सामने आईं।

सदर बाजार थाना के सामने एक पंप पर सुबह 10:35 बजे बिना हेलमेट बाइक सवार को पेट्रोल भरते कैमरे में कैद किया गया, जबकि कचहरी तिराहे पर 11:38 बजे एक बाइक सवार को हेलमेट न होने पर पेट्रोल देने से इंकार कर दिया गया। कुछ पेट्रोल पंपों ने मशीनों पर "नो हेलमेट, नो फ्यूल" के बड़े पोस्टर चस्पा कर रखे थे और नियम का कड़ाई से पालन किया। कई स्थानों पर पंप संचालकों ने तो एक अतिरिक्त हेलमेट खरीदकर पंप पर रख लिया, ताकि हेलमेट न लाने वाले वाहन चालक उसे पहनकर फ्यूल भरवा सकें और बाद में लौटा दें। हालांकि, कुछ पंप संचालकों ने आदेश को हवा-हवाई कर दिया और बिना हेलमेट ही पेट्रोल बेचा। प्रशासन की सख्ती के बावजूद इन जगहों पर नियमों की खुली धज्जियां उड़ाई गईं।

परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक जागरूकता अभियान चलाया। इसका असर भी दिखा और कैंट क्षेत्र में हेलमेट दुकानों व बाइक एजेंसियों पर खरीददारों की भीड़ बढ़ गई। साफ संकेत है कि प्रशासन की अपील के साथ-साथ अब लोग सड़क सुरक्षा को लेकर भी जागरूक हो रहे हैं। एआरटीओ प्रवर्तन एसके सिंह ने कहा कि नो हेलमेट-नो फ्यूल केवल अभियान नहीं, बल्कि स्वयं की सुरक्षा का संकल्प है। नियम न मानने वालों पर चालान की कार्रवाई होगी। एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा ने कहा कि जिन पंपों ने बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया, उनका सहयोग सराहनीय है। जहां नियम तोड़ा जा रहा है, वहां ट्रैफिक पुलिस को एक्टिव किया गया है। अगर दोबारा लापरवाही मिली तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई होगी।

मासिक पंचायत में उठा यूरिया की किल्लत का मुद्दा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन की मासिक पंचायत सिंचाई विभाग के डाक बंगला परिसर में हुई, जिसमें किसानों ने विभिन्न मुद्दे उठाए।

जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि खरीफ सीजन में यूरिया की पूर्ति करने में सरकार असफल रही, जिससे किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आने वाले रबी फसल में गेहूं की बुवाई के समय डीएपी की आवश्यकता किसान को पड़ेगी, जिसके लिए सरकार पहले से ही तैयारी रखें अन्यथा यूनियन को विवश होकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ेगा।

वेदपाल सिंह आर्य ने कहा विकास खंड निगोही में ईंट गांव रजवाहा की सिल्ट सफाई न होने के कारण किसानों को पानी नहीं मिल रहा है। नहर की सिल्ट सफाई करवाकर किसानों के खेतों तक पानी की समुचित व्यवस्था की जाए। पंचायत के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। पंचायत में जीशान खान, रामस्वरूप सिंह, लल्ला सिंह, चंद्रपाल सिंह, वेदपाल सिंह, विश्राम, प्रेम शंकर बाजपेई, अतुल उपस्थित रहे।

तीरंदाजों ने साधा निशाना, झटके मेडल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मेजर ध्यानचंद जयंती पर तीसरे दिन हुई रोमांचक तीरंदाजी प्रतियोगिता
- 40 खिलाड़ियों ने दिखाई तीरंदाजी में अपनी प्रतिभा
- बालक व बालिका वर्ग में अमनेंद्र वंशिका और श्रेया रहे अव्वल

अमृत विचार : मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती पर जिला खेल विभाग और खेल विकास प्रोत्साहन समिति की ओर से आयोजित खेल महोत्सव का सिलसिला तीसरे दिन जारी रहा। डॉ. सुदामा प्रसाद विद्यास्थली में आयोजित जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में करीब 40 खिलाड़ियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मेडल अपने नाम किए।

प्रतियोगिता में इंडियन राउंड 30 मीटर बालक वर्ग में अमनेंद्र ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि अमित चौहान ने रजत और शोभित ने कांस्य पदक जीता। ओलंपिक राउंड बालक वर्ग में भी अमनेंद्र ने पहला स्थान पाया, कौशल दूसरे और शोभित तीसरे स्थान पर रहे। टीम इवेंट में कौशल, अजितेश और मानव की टीम ने बाजी मारी, जबकि अमित कुमार, प्रियांशु सिंह और अंश मिश्रा की टीम दूसरे तथा अखिलेश्वर, शोभित और दक्ष की टीम तीसरे पायदान पर रही।

बालिका वर्ग में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 20 मीटर मुकाबले में श्रेया मिश्रा प्रथम, वैष्णवी पांडेय द्वितीय और वंशिका तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं 30 मीटर ओलंपिक राउंड में वंशिका ने स्वर्ण जीता, वैष्णवी ने रजत और श्रेया मिश्रा ने कांस्य पदक हासिल किया। टीम प्रतियोगिता में कृष्निका मिश्रा, नैंसी सिंह और कायनात की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। वैष्णवी शर्मा, अविका उत्तम और श्रेया वर्मा की टीम तीसरे स्थान पर रही। रैकिंग राउंड और ओलंपिक राउंड में अजय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। डॉ. सुदामा प्रसाद विद्यास्थली में आयोजित जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में करीब 40 खिलाड़ियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मेडल अपने नाम किए। प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अंत में जिला खेल अधिकारी एसपी बमनिया ने प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और बेहतर खेल भावना बनाए रखने की प्रेरणा दी।

ग्राम रोजगार सेवकों ने जताया विरोध

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कलेक्ट्रेट में विरोध जताने पहुंचे रोजगार सेवक दिखे आक्रोशित। ● अमृत विचार

अमृत विचार : खरीफ मौसम में डिजिटल क्राप सर्वे कार्य से ग्राम रोजगार सेवकों को हटाए जाने को लेकर कलेक्ट्रेट में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में विभिन्न ब्लाकों से ग्राम रोजगार सेवक एकत्रित हुए और अपनी समस्याओं को लेकर आक्रोशित दिखे। ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले एक ज्ञापन डीएम संबोधित नायब तहसीलदार को सौंपा गया। इस दौरान डीएम से मिलने को लेकर जब रोजगार सेवक डीएम दफ्तर की ओर बढ़े तो सुरक्षाकर्मियों ने उनको रोक लिया। जिस कारण उनकी वहां नोकझोंक भी हुई और बाद में पांच लोगों को अंदर वार्ता के लिए डीएम के पास भेजा गया। जिलाध्यक्ष पिंटू यादव ने मांगों के सम्बंध में बताया कि 18 माह का मानदेय दिया जाए। आवास सर्वे, बीएलओ सर्वे, जीरो प्रॉपर्टी सर्वे, चुनाव फोटो ग्राम आदि का भुगतान नहीं दिया गया हैं। ई खसरा पड़ताल के अंतर्गत खरीफ मौसम से डिजिटल क्राप सर्वे के कार्य से ग्राम रोजगार सेवक को हटाया जाए। ग्राम रोजगार सेवकों के पास अच्छी गुणवत्ता का मोबाइल नहीं हैं, क्राप सर्वे में अच्छी गुणवत्ता का मोबाइल होना अति आवश्यक है, अतः मोबाइल की व्यवस्था कराई जाए। कई जनपदों में जंगली जानवरों का आतंक रहता हैं, अतः सामूहिक इंश्योरेंस व सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। ज्ञापन देने वालों में राजीव कुमार वर्मा, रमेश कुमार, अंकित कुमार, अतुल गंगवार विपिन मिश्रा, राकेश कुमार, हरिपाल, सुनील कुमार, वीरेंद्र कुमार, राजपाल सिंह, ऊषा, अंशू आदि मौजूद रहे।

योग प्रशिक्षण का आयोजन चार से

शाहजहांपुर, अमृत विचार : योग विज्ञान संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ओर से कुरुक्षेत्र, हरियाणा के गीता ज्ञान आश्रम में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश और राजस्थान प्रांत के लिए तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन चार से छह सितंबर तक किया जाएगा। शिविर में योग के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक स्वरूप और साधना की बारीकियों से अवगत कराया जायेगा। सभी शिविरार्थियों को तीन सितंबर शाम छह बजे से पहले आश्रम पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व जिला प्रधान डा.अवधेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि शाहजहांपुर से 21 योग शिक्षक व साधक भाग लेंगे। दो सितंबर की रात्रि को शाहजहांपुर के साधकों का दल कुरुक्षेत्र रवाना होगा।

हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान में ली शपथ

प्राथमिक विद्यालय नंबर एक में शपथ लेते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : कस्बे के प्राथमिक विद्यालय नंबर एक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य आरडी तिवारी ने स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं को शपथ ग्रहण कराते हुए बताया कि हम विद्यालय को स्वच्छ हरित एवं अनुशासित रखेंगे। विद्यालय में संसाधनों की देखभाल रखेंगे। विद्यालय में शिक्षा एकाग्र होकर ग्रहण करेंगे और शिक्षा को ज्ञान का माध्यम ही नहीं चरित्र का निर्माण आत्मविश्वास समाज सेवा को जोड़कर चलेंगे। समाज को जोड़कर चलेंगे हम सभी बगैर भेदभाव के रहेंगे।

पीएम श्री जूनियर हाईस्कूल में जलभराव

अल्हागंज, अमृत विचार : मूसलाधार बारिश से पीएम श्री जूनियर हाईस्कूल (इंग्लिश मीडियम) के परिसर में जलभराव हो गया है। इससे बच्चों और शिक्षकों को आने-जाने में काफी परेशानियां हो रही है और शिक्षण कार्य प्रभावित हुआ है। बताते चलें कि एसडीएम ने इस विद्यालय को गोद भी लिया है, फिर भी यह अव्यवस्थाओं का शिकार है। विद्यालय के सामने की सड़क ऊंची होने की वजह से इसके परिसर में थोड़ा सी बारिश में जल भराव हो जाता है। पूर्व में इसकी जमीन पर कब्जा करके आम रास्ता बनवा दिया गया था। प्रशासन ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया था। इस विद्यालय के परिसर में सड़क के लेवल में मिट्टी भराव कराने से इस समस्या को दूर किया जा सकता है।

ताइक्वांडो में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

विजयी ताइक्वांडो खिलाड़ियों के साथ शिक्षकगण। ● अमृत विचार

- 50 खिलाड़ियों में से कई का मंडलीय प्रतियोगिता के लिए चयन

अमृत विचार : जनता इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय बालक / बालिका ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसवा, इस्लामिया इंटर कॉलेज शाहजहांपुर, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज शाहजहांपुर और जनता इंटर कॉलेज शाहजहांपुर के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता का आरंभ प्रधानाचार्य कैप्टन अनिलेश कुमार सिंह और वरिष्ठ प्रवक्ता सुनील कुमार पांडेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता के संचालन में शिक्षक डॉ. अमर सिंह, दीपांकर सिंह, हृदय गंगवार और अनुज कुमार शुक्ला का विशेष योगदान रहा। निर्णायक मंडल में शारीरिक शिक्षा शिक्षक सत्यपाल सिंह, राहुल सिंह, रोहिताश्व, राहुल नागपाल, सत्यम सिंह, संग्राम सिंह, आशीष त्रिपाठी और अजय वर्मा शामिल रहे। प्रतियोगिता में कुल 50 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से कई खिलाड़ियों का चयन मंडलीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। सब जूनियर बालक वर्ग से अरशद अली, शान मोहम्मद, जावेद, उमेश, अनुराग और रौनक चुने गए। जूनियर बालक वर्ग में आलोकितेश अंश नागपाल, संचित कुशवाहा, शिवा सक्सेना, निगम मिश्रा और पुष्कर सागर का चयन हुआ। सीनियर बालक वर्ग में विश्वास सिंह ने स्थान बनाया। सब जूनियर बालिका वर्ग से नैनशी, शिवांगी, प्रियांशी और सुरभि चुनी गईं। वहीं जूनियर बालिका वर्ग से मोहिनी और निदा तथा खुशबू ने चयन पाकर जिले का मान बढ़ाया।

वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों का किया जाएगा सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत पेंशन प्राप्त कर रहे बुजुर्गों का सत्यापन कराने के आदेश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र के पेंशन लाभार्थियों का सत्यापन संबंधित ब्लॉकों के अधिकारी करेंगे, जबकि नगर क्षेत्र के लाभार्थियों का सत्यापन संबंधित नगर निकायों के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। शासन ने 10 सितंबर 2025 तक सत्यापन कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद ही लाभार्थियों को पेंशन की दूसरी किस्त भेजी जाएगी।

जिले में वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत कुल 1,08,672 लाभार्थियों को प्रथम तिमाही (अप्रैल, मई, जून) किस्त जुलाई में भेजी जा चुकी है। लिहाजा अब दूसरी किस्त अगले माह अक्टूबर में भेजी जाएगी। इससे पहले सभी पेंशन लाभार्थियों का सत्यापन कराया जाना है। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया दूसरी किस्त भेजने से पहले पेंशन लाभार्थियों का सत्यापन कराया जाएगा, जिसके लिए 10 सितंबर 2025 अंतिम तिथि निर्धारित है। लाभार्थियों का सत्यापन करने के लिए सभी ब्लॉक और नगर निकायों को शासन से प्राप्त दिशा निर्देश भेजे गए हैं। सत्यापन में अपात्र और मृतकों के नामों को चिन्हित करके लाभार्थियों की सूची से हटाया जाएगा। इनके स्थान पर प्रतीक्षारत पात्र नए आवेदकों को शामिल किया जाएगा।

सिटी डायरी

आरा मिल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक, पदाधिकारी चुने गए

रौसर कोठी, अमृत विचार : आरा मिल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक रविवार को एक रेस्टोरेंट में हुई। अध्यक्ष गौस खान की अध्यक्षता में शाहजहांपुर समेत कई क्षेत्रों के आरा मिल स्वामी शामिल हुए। बैठक में क्षेत्रवार अध्यक्ष, सचिव और उपाध्यक्ष मनोनीत किए गए। महासचिव आरिश जमाल ने सभी का आभार जताया। नव-नियुक्त पदाधिकारियों में हरदेव सिंह, शाहिद हुसैन, बॉबी सिंह, नाज़िम बेग, आशुतोष मिश्रा, इलियास खान, अवनीश गुप्ता, विक्की गुप्ता, किरण शर्मा, अजीत कुमार, मोहम्मद हसनैन और अभिनव मिश्रा शामिल हैं।

भारी बारिश से गरीब का कच्चा मकान ढहा, परिवार बाल-बाल बचा

बंडा, अमृत विचार : रविवार रात भारी बारिश के चलते अल्हादादपुर निवासी विनोद कुमार का कच्चा मकान ढह गया। गनीमत रही कि विनोद, उसकी पत्नी और बच्चे बाल-बाल बच गए। विनोद ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार पालता है और पात्र होने के बावजूद उसे सरकारी आवास का लाभ नहीं मिला। मकान गिरने के बाद उसने जिलाधिकारी से जांच कर आवास और मुआवजे की मांग की है।

बिजली गुल, अंधेरे में रहने को लोग मजबूर

मिर्जापुर/परौर, अमृत विचार : रविवार को लगभग दो बजे बारिश होते ही बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी, जो 29 घंटे गुजर जाने के बाद भी चालू नहीं हो सकी है। परौर, कुण्डरी आश्रम, जरौली, ककोड़ा, गहवरा, सोहड़ सहित दर्जनों गांवों को बिजली नहीं मिल पा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। घरों में लगी पानी टंकिया खाली हो जाने से लोग बूंद बूंद पानी को तरस गये। बिजली नहीं मिलने से घरों में लगे इनवर्टर भी जवाब दे गए, जिससे लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। तो वहीं कोई भी बिजली कर्मचारी या अधिकारी उपभोक्ताओं के फोन तक रिसीव नहीं करते हैं। कर्मचारी ग्रुप में बड़ी लाइन खराब की सूचना डाल कर इति श्री कर लेते है।

दो दिन से विद्युत आपूर्ति ठप जलापूर्ति व बैंकिंग सेवाएं प्रभावित

अल्हागंज, अमृत विचार : रविवार को तेज हवा के साथ हुई बरसात के बाद से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। दो दिन से विद्युत आपूर्ति बिल्कुल ठप है। विद्युत उप केंद्र पर तैनात कर्मचारी उपभोक्ताओं का फोन भी नहीं उठाते हैं, जिससे आम जनता आक्रोशित है। इस स्थिति के चलते उपभोक्ताओं के जलापूर्ति, पंखे, कूलर, एसी बंद हो गए। इसके अलावा बैंको की सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। बैंकों में कई घंटे खातेदार परेशान रहे। वैकल्पिक व्यवस्था करने के बाद बैंक में सेवाएं शुरू हो सकीं। नगर पंचायत प्रशासन ने सोमवार को सुबह कुछ देर जलापूर्ति कर दी थी, लेकिन दोपहर को यह व्यवस्था बंद हो गई। इसके चलते आम लोग पेयजल के लिए परेशान हो गए। शाम तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। वहीं विभागीय कर्मचारी 36 घंटे बाद भी विद्युत लाइन मे आए फाल्ट को ढूंढ नहीं पाए।

किसानों को मुफ्त मिलेगी दलहनी बीज की मिनीकिट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रबी फसल 2025-26 में राज्य सरकार की ओर से किसानों को मुफ्त दलहनी बीज मिनीकिट दी जाएगी। मिनीकिट प्राप्त करने के लिए किसानों को कृषि दर्शन - 2 पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। लक्ष्य से अधिक किसानों की संख्या होने पर डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा लाटरी निकालकर मिनीकिट के लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को 25 सितंबर 2025 तक आनलाइन आवेदन करना होगा। जिला कृषि अधिकारी ने बताया दलहनी फसलें चना (16 किग्रा), मटर (20 किग्रा) और मसूर (आठ किग्रा) के बीज मिनीकिट किसानों को मुफ्त दिए जाएंगे। लाभार्थियों का चयन लाटरी सिस्टम के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान एक सितंबर से 25 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एक किसान को केवल एक ही दलहनी फसल का मिनीकिट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग में पंजीकृत किसान ही योजना में पात्र होंगे।

बाढ़ — जिला प्रशासन व बाढ़ कंट्रोल रूम से की जा रही पल पल रिपोर्टिंग

नदियों में जलस्तर बढ़ने का अलर्ट, तटीय क्षेत्रों में एहतियात जरूरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

खन्नौत नदी लोदीपुर जलस्तर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पहाड़ी प्रदेशों में भारी बारिश से तबाही मची हुई और पहाड़ी इलाके जलमग्न होने की खबरों के साथ साथ मैदानी क्षेत्रों में नदियां के जलस्तर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। जिसको लेकर जिला प्रशासन व आपदा प्रबंधन, बाढ़ कन्ट्रोल रूम द्वारा भी पल पल की जलस्तर बढ़ने की रिपोर्ट की जा रही है। साथ ही नदियों के किनारे बसे गांवों के लोगों को एहतियात बरतने को कहा जा रहा है। महानगर से निकलने वाली गर्रा व खन्नौत नदी का जलस्तर एक एक मीटर बढ़ने को लेकर प्रशासनिक अधिकारी अलर्ट हो गये है। जिससे कि बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर लोगों को कोई परेशानी न आए। सोमवार को शारदा नहर खंड की जलस्तर रिपोर्ट के मुताबिक कन्ट्रोल रुम प्रभारी एवं एई नेहा वर्मा ने बताया कि गंगा कछला घाट जलस्तर 0.020 बढ़ा है, गंगा नदी भैंसार ढ़ाईघाट जलस्तर स्थिर बना हुआ है। रामगंगा नदी चौबारी घाट जलस्तर 0.090 व रामगंगा नदी डबरी घाट जलस्तर 0.220 बढ़ा है। गर्रा नदी अजीजगंज जलस्तर 0.550 व खन्नौत नदी लोदीपुर जलस्तर 0.350 मीटर बढ़ा हुआ दर्ज किया गया है। नरौरा बैराज से गंगा नदी में सोमवार को 145470 क्यूसेक पानी छोड़ा गया और दियूनी से गर्रा नदी में पास 30307 क्यूसेक पानी पास किया गया है। जलस्तर बढ़ने की खबरों से बाढ़ जैसी स्थिति न बने, इसको लेकर आमजन भी चिंतित नजर आ रहे हैं। पल पल की बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट पर नजर बनाए हुए हैं।

गर्रा-खन्नौत नदी का जलस्तर 1-1 मीटर बढ़ने की संभावना, अलर्ट जारी

नदियों के जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए सोमवार को कार्यालय अधिशासी अभियंता शारदा नहर खंड कन्ट्रोल रुम से एक पत्र जिला प्रशासन को भेजा गया। जिसमें बताया गया कि सोमवार को दोपहर 3 बजे अजीजगंज पुल पर गर्रा नदी का जलस्तर 146 .900 मीटर एवं लोधीपुर पुल पर खन्नौत नदी का जलस्तर 143 .250 मीटर रिकार्ड किया गया है। जनपद में कठना नदी 1700 क्यूसेक डिस्चार्ज के साथ गर्रा नदी में मिल रही है। दियूनी बैराज से गर्रा नदी में 40698 क्यूसेक पानी पास हो रहा है। जिसका प्रभाव जनपद में 4 सितंबर तक आने की सम्भावना है, जिससे गर्रा नदी का जलस्तर लगभग 01 मीटर और बढ़ सकता है, जोकि खतरे के निशान 148 .800 मीटर से लगभग 0 .800 मीटर नीचे रहने की सम्भावना है। इसके अतिरिक्त खन्नौत नदी के कैचमेंट एरिया में लगातार वर्षा होने के कारण लोधीपुर पुल पर खन्नौत नदी का जलस्तर लगभग 1 मीटर बढ़ने की सम्भावना है। जिला प्रशासन एवं अन्य सम्बंधित विभागों से अनुरोध है कि गर्रा व खन्नौत नदी में बढ़ते जलस्तर के अनुसार सभी तैयारियों पूर्व में कर ले, जिससे कोई अप्रिय घटना न घटित हो सके।

न्यूज ब्रीफ

नशा सुंघाकर नकदी समेत जेवर किए चोरी

कलान, अमृत विचार : मोहल्ला रामलीला ग्राउंड निवासी विनोद कश्यप पुत्र समेर कश्यप ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि रविवार की रात पत्नी बच्चों समेत सो रहा था। करीब चार बजे जब वह उठा तो नशा महसूस हुआ और देखा सामान बिखरा पड़ा है। घर में रखे बक्से से 50 हजार रुपये एवं सोने की चेन, कुंडल, टाप्स, चांदी की पायल आदि को चोरों ने चुरा लिया। उसने यह बताया है कि चोरों ने उसे एवं पत्नी बच्चों को नशा सुंघाकर कर चोरी की है, क्योंकि वह सुबह चार बजे जागा तो नशे में था। घर में अन्य सामान सुरक्षित मिला। पीड़ित ने चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

रास्ते से अवैध कब्जा हटवाने की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सार्वजनिक रास्ते से कब्जा हटवाने की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन दिया गया। मोहल्ला तारीन टिकली निकट मल्हार टाकीज गली नंबर एक में बेनामी भूमि पर अवैध कब्जा करके रास्ता एक परिवार ने बंद कर दिया है। जिसके विरोध में महिला अघाड़ी सेनाध्यक्ष बीना सक्सेना ने डीएम को ज्ञापन देकर कब्जा हटवाने की मांग की है। उन्होंने बताया अवैध कब्जे का विरोध करने पर आरोपी और उसका परिवार मारपीट करने पर आमादा हो गया। बीना सक्सेना ने 11 सितंबर तक अवैध कब्जे को हटाकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग डीएम से की है।

किशोरी से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि आरोपी फैजू निवासी रंगीन चौपाल ने घर में घुसकर एक किशोरी के साथ छेड़छाड़ की थी। पुलिस ने फरार आरोपी फैजू को गिरफ्तार करके चालान कर दिया।

परामर्श केंद्र पर दंपती का समझौता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के एक दंपती जिनकी शादी 09 वर्ष पूर्व हुई थी। दोनों पति-पत्नी दस माह से अलग रह रहे थे। दोनों में घरेलू विवाद था। दोनों पक्षों को परामर्श केंद्र पर बुलाया गया। दोनों पक्षों की वार्ता करायी गयी। दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। दोनों पक्षों को परामर्श केंद्र से विदा किया गया।

नहर किनारे मिला युवक का शव

निगोही थाना क्षेत्र के गांव गनपतपुर का मामला, कान से बह रहा था खून

संवाददाता, निगोही/शाहजहांपुर

- फोरेसिंक टीम ने जुटाए साक्ष्य मृतक के परिजनों ने लगाया हत्या करने का आरोप

सलीम।

रोते-बिलखते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : निगोही थाना क्षेत्र के गांव गनपतपुर में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब नहर किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी 35 वर्षीय सलीम पुत्र बादशाह के रूप में हुई है। उसके कान से खून निकल रहा था, हालांकि शरीर पर चोट के गहरे निशान नहीं मिले। परिजन इसे हत्या मान रहे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

परिवार के अनुसार सलीम रविवार की शाम करीब छह बजे घर से निकला था। उसने घरवालों को कुछ नहीं बताया। जब रात दस बजे तक वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। देर रात तक परिजन और ग्रामीण उसे खोजते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सोमवार की सुबह करीब सात बजे गांव के ही निर्मल सिंह अपने झाले पर गए थे। तभी उन्होंने पास ही नहर के किनारे एक शव पड़ा देखा। पास जाकर देखा तो शव सलीम का था। यह खबर पूरे गांव में फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक के पिता बादशाह भी मौके पर पहुंचे और बेटे के शव की शिनाख्त की। उन्होंने बताया कि सलीम बिना बताए घर से निकला था और रातभर तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला। शव देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सलीम के कान से खून निकल रहा था, जबकि शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान नहीं थे। यह स्थिति संदेह पैदा कर रही है। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी कमरु निशा और चार छोटे-छोटे बच्चे हैं। मां मुन्नी और पत्नी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के अनुसार सलीम मेहनतकश व्यक्ति था और अपनी पिकअप चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी असामयिक मौत से परिवार ही नहीं, पूरे गांव में शोक की लहर है। लोग घटना को सुनकर हैरान हैं और कह रहे हैं कि सलीम की किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सूचना पर निगोही थाना प्रभारी अशोक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस लाइन से फोरेसिंक टीम भी मौके पर पहुंची और बारीकी से जांच कर नमूने एकत्र किए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चलेगा। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत और शोक का माहौल है। ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा रही। परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने और दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

आरोपी की तलाश में पुलिस टीम प्रयागराज रवाना

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रोजा क्षेत्र के दुर्गा इन्कलेव में बेटे को जहर देकर आत्महत्या करने वाले दंपती प्रकरण में फरार सूदखोर विक्की बग्गा की लोकेशन प्रयागराज मिलने पर पुलिस टीमें प्रयागराज गई है। इसके अलावा एक टीम दिल्ली गई है। एसपी की एसओजी समेत तीन और थाना की दो टीमें लगी है। रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला दुर्गा इन्कलेव कॉलोनी निवासी संध्या मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, कि सूदखोरों ने उसके दामाद सचिन ग्रोवर को अधिक ब्याज पर रुपये दिए थे। ब्याजखोरी से परेशान होकर सचिन ग्रोवर, उसकी पत्नी शिवांगी और बेटे फतेह मानसिक रूप से टूट गए। प्रताड़ना से तंग आकर दंपती ने बेटे को पहले जहर पिलाया और खुद फंदा लगाकर जान दे दी थी। पुलिस फरार आरोपी विक्की बग्गा की तलाश में जुटी है। एसपी की तीन टीमें और रोजा थाना स्तर से दो टीमें लगी है। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल सर्विलांस पर लगा रखे है। पुलिस को फरार विक्की बग्गा की लोकेशन प्रयागराज की मिली है। पुलिस टीमें प्रयागराज गयी हुई और तलाश कर रही है।

हाईवे चौड़ीकरण में बाधा बने कब्जे, तीसरा नोटिस चस्पा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 10 सितंबर तक 60-60 फीट जगह खाली करने के निर्देश
- कब्जा नहीं हटाने पर चलेगी जेसीबी, वसूला जाएगा खर्च

अमृत विचार : लिपुलेख-भिंड हाईवे चौड़ीकरण में बाधक बने कब्जों को हटाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने अब सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। सोमवार को विभाग ने नगर सीमा में हाईवे किनारे बने कब्जों पर तीसरा नोटिस चस्पा कराया। इसमें स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि 10 सितंबर तक हाईवे के दोनों ओर 60-60 फीट जगह खाली की जाए, अन्यथा बुलडोजर से गिराया जाएगा।

हाईवे का चौड़ीकरण जलालाबाद के याकूबपुर तिराहा से लेकर बरेली मोड़ तक होना है। मगर कस्बे में हाईवे किनारे कई लोगों ने पक्की दुकानें और मकान बना रखे हैं। इन्हीं अवैध निर्माणों के कारण बीते एक वर्ष से चौड़ीकरण का काम रुक-रुक कर चल रहा है। नगर और आसपास में जगह न मिल पाने से कार्य प्रभावित हो रहा है। इससे कार्य की गति भी धीमी हो गई। इससे पहले भी लोक निर्माण विभाग दो बार नोटिस जारी कर चुका है और कब्जे हटवाने के प्रयास किए गए, मगर हर बार दुकानदारों के विरोध के चलते कार्रवाई रुक गई।

गत सप्ताह एडीएम अरविंद कुमार ने पिपरौला गांव के पास अतिक्रमण दो दिन की मोहलत देकर हटवा दिया था, लेकिन कस्बे में कब्जे जस के तस बने हुए हैं। सहायक अभियंता महेंद्र नाथ ने बताया कि इस बार नोटिस में अंतिम चेतावनी है।

लगभग दो सौ अतिक्रमण स्थलों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं, जिन पर पहले ही लाल निशान लगाया जा चुका था। तय समय तक कब्जा नहीं हटाने पर जेसीबी चलाकर ढहाने के साथ ही कब्जाधारियों से कार्रवाई का खर्च भी वसूला जाएगा और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

जेल में बंदियों के लिए लगाया निशुल्क शिविर

- चिकित्सा शिविर लंगोटी वाले बाबा सेवा समिति ने लगाया
- वरिष्ठ जेल अधीक्षक मिजाजी लाल को सम्मानित किया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जेल में बंद बंदियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ क्षेत्र के चिकित्सा विशेषज्ञों ने ने भाग लिया और बंदियों का चेकअप करके उन्हें उचित इलाज परामर्शित करते हुए निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई।

चिकित्सा शिविर लंगोटी वाले बाबा सेवा समिति रजिस्टर्ड के सौजन्य से आयोजित किया गया। अध्यक्ष लवकुश मिश्रा, महासचिव विनय तिवारी आदि का योगदान रहा। शिविर में डा. दीपा दीक्षित एमबीबीएस डीजीओ, डा. ऋतुराज शास्त्री एमबीबीएस एमडी, डॉ. एनडी अरोड़ा सीनियर हृदय रोग विशेषज्ञ, डा. अनुराग मिश्रा विशेषज्ञ द्वारा 165 से अधिक महिला पुरुष एवं बच्चों को चेकअप किया गया। बंदियों का शुगर, बीपी भी चेक किया गया। श्री लंगोटी वाले बाबा सेवा समिति पदाधिकारी द्वारा चिकित्सा विशेषज्ञों को प्रमाण पत्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक मिजाजी लाल को भी सम्मानित किया गया। महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के लिए भी खिलौने एवं पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई। वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने संस्था एवं चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला झुलसी

परौर, अमृत विचार: रविवार को दोपहर बाद बिजली की गड़गड़ाहट के साथ हुई झमाझम बारिश ने ग्रामीण इलाकों में कहर बरपा दिया। परौर थाना क्षेत्र के गांव धनसिंह नगला में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। रविवार दोपहर करीब तीन बजे धनसिंह नगला निवासी नेमपाल की पत्नी सोमवती अपने घर के दरवाजे पर बैठी थी। इसी दौरान बारिश के बीच अचानक आकाशीय बिजली गिरने से सोमवती झुलस गई। घायल महिला को परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके अलावा गांव में ही एक युवक के घर के ऊपर लेंटर पर बिजली गिर गई, जिससे उसका लेंटर चटक गया। घर में रखा इन्वर्टर बैटरी जल कर राख हो गई। गनीमत रही कि बिजली गिरने से कोई जनहानि नहीं हुई।

इलाज नहीं मिलने से मासूम की मौत

संवाददाता, जलालाबाद

- मृतका की मौसी ने डॉक्टर और कमचारियों पर लगाया आरोप

मृत बच्चे को गोद में लिए मां।

अमृत विचार : नगर के निजी अस्पताल में सोमवार को पैसों के अभाव में बच्ची का इलाज न किए जाने से उसकी मौत होने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने निजी अस्पताल के डॉक्टर व कर्मचारियों के खिलाफ मरीजों को इलाज के नाम पर लूटने का आरोप लगाया है। हालांकि इस मामले में पीड़ित परिवार की ओर से डॉक्टर के खिलाफ पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है, लेकिन हरियाणा में नौकरी कर रहे पति के लौटने पर आगे की कार्रवाई करने की बात परिवारजन ने कही है।

नगर के कुशवाहा छात्रावास के निकट किराए के मकान में रहने वाली विनीता पत्नी कुंवर पाल ने बताया कि रविवार की रात उनकी दो वर्षीय बच्ची को दस्त-उल्टी की शिकायत हुई। सोमवार सुबह अपनी बच्ची कामिनी को लेकर मुख्य चौराहे पर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, वहां पर ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों ने 500 रुपये लिए और बच्ची को वीगो लगा दी। इसके बाद कहा कि तीन हजार रुपये और जमा करो तभी इलाज शुरू होगा। इससे विनीता की बहन पूजा अपने जेवर गिरवी रखने के लिए बाजार गई, लेकिन सुबह सर्राफा दुकानें बंद थी। इससे पैसों का इंतजाम नहीं हो सका। इसी बीच डाक्टर ने उस बच्ची को कुछ दवाई दी, जब तक वह लौट कर आई तब तक उसकी बच्ची की मौत हो गई।

पूजा ने आरोप लगाया कि यहां अस्पताल इलाज के नाम पर लूटा जाता है। पैसों के अभाव में इलाज न करने से उसकी भांजी की मौत हो गई है, जिसके लिए डाक्टर जिम्मेदार है। वहीं बच्ची की मौत के बाद डाक्टर ने उसे सरकारी अस्पताल ले जाने को कहा, जिससे महिला सरकारी अस्पताल अपनी बच्ची को लेकर पहुंची, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत होने से मां का रो-रो कर बुरा हाल है। विनीता पत्नी कुंवर मल मूल रूप से चमरपुरा गांव की रहने वाली है और जलालाबाद में कुशवाहा छात्रावास के निकट किराए पर रहती है। उसका पति वर्तमान में हरियाणा में मजदूरी करने गया हुआ है. फिलहाल उन्होंने अभी पुलिस में कोई भी तहरीर नहीं दी है। आगे की कार्यवाही वह पति के हरियाणा से लौटने के बाद करेंगी।

महिला के प्लाट पर कब्जे की कोशिश एफआईआर दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला मोहम्मद जई नगर निवासी हिमानी खन्ना की तहरीर पर भूमाफिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तहरीर में बताया गया कि पीड़िता का प्लाट मोहल्ला अजीजगंज निकट जैम, तहसील सदर नगर में है। जमीन पर वह काबिज हैं। उसके प्लाट पर कुछ लोग कब्जा करना चाहते है। इस प्लाट पर अपर आयुक्त, बरेली मंडल की अदालत का यथास्थिति बनाए रखने का आदेश पारित है। इसके बावजूद 27 को राजेश शर्मा व साजिद खां अपने दो अज्ञात साथियों के साथ पहुंचे और कब्जे की नीयत से निर्माण शुरू करा दिया। आरोपियों ने विरोध करने पर गालियां दीं, अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने झगड़े का वीडियो बना लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

क्रॉप सर्वे संतोषजनक नहीं तो कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते डीएम।

- डिजिटल क्रॉप सर्वे की वीसी बैठक में जिला अधिकारी ने जताई नाराजगी
- 6 सितम्बर तक हर हाल में 100 प्रतिशत सर्वे पूरा करने का निर्देश

अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने डिजिटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा बैठक में स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई तो संबंधित कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई।

समीक्षा के दौरान उप कृषि निदेशक पुरुषोत्तम कुमार मिश्र ने बताया कि खरीफ 2025 के सर्वे कार्य में शाहजहांपुर की प्रगति अत्यंत कम है और प्रदेश स्तर पर जिले का स्थान 57वां है। इस पर डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि सर्वे कार्य में लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने निर्देश दिया कि प्रत्येक सर्वेयर न्यूनतम 1100 गाटों का सर्वे पूर्ण करे और 6 सितम्बर तक शत-प्रतिशत सर्वे हर हाल में पूरा किया जाए। साथ ही जिला पंचायत राज अधिकारी व सभी खंड विकास अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के आदेश दिए कि ग्राम रोजगार सेवक और पंचायत सहायक नियमित रूप से फील्ड में जाकर क्रॉप सर्वे करें। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी कार्य नहीं करेंगे या सर्वे में बाधा उत्पन्न करेंगे, उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सास समेत सात के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार: चौक कोतवाली के मोहल्ला हुसैनपुरा निवासी कंचन प्रजापति ने उसकी शादी दो साल पहले रवि प्रजापति निवासी गढ़ी पूर्वी थाना कांट के साथ हुई थी। उसके मायके वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। ससुराल वाले दहेज से संतुष्ट नहीं थे। पीड़िता की मां ने लोन लेकर उसको पैसे दिए थे और उसके पति ने रहने के लिए मकान बनाया था। मानसिक रुप से परेशान होकर उसके पति ने 13 जून 25 को आत्महत्या कर ली थी। ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसे घर से निकाल दिया था। पुलिस ने सास समेत सात लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

थर्मल पावर में तीसरी मंजिल पर मिला शव

संवाददाता, रोजा/शाहजहांपुर

- ठेकेदार के अधीन कार्य करता था मजदूर, जाली पर पड़ा था शव

श्रीराम।

मेडिकल कॉलेज में विलाप करते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रिलायंस थर्मल पावर में ईको के पास जाली पर एक मजदूर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। साथी मजदूर उसे लेकर मेडिकल कॉलेज गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मजदूर ठेकेदार के अधीन काम करता था। मृतक मजदूर रामचंद्र मिशन का रहने वाला था। पुलिस थर्मल पावर पहुंची ओर उसके साथ काम करने वाले मजदूरों से जानकारी की।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव पसियान कनेंग गांव निवासी 48 वर्षीय श्रीराम हरदोई रोड थर्मल पावर पर मजदूरी करता था। वह एक ठेकेदार के अधीन काम करता था। उसकी नाइट ड्यूटी थी। वह रात नौ बजे घर से ड्यूटी के लिए निकले थे। वह ईको पर वह रात करीब दो बजे ईको पर तीसरी मंजिल पर जाली पर बेहोशी की हालत में पड़ा था। उसको अन्य मजदूरों ने देखा और ठेकेदार और थर्मल पावर के अधिकारियों को सूचना दी। थर्मल पावर के अधिकारी और ठेकेदार तुरंत मौके पर पहुंच गए। ठेकेदार एक मजदूर के साथ श्रीराम को राजकीय मेडिकल कालेज भिजवाया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके शरीर में चोट के निशान नहीं थे। सूचना पर मृतक के परिवार वाले रात ही में मेडिकल कालेज पहुंच गए। मृतक के बेटे अरुण का कहना है कि वह बाहर है। उसकी पिता से दिन में साढ़े चार बजे फोन पर बात हुई थी। उन्होंने कोई परेशानी नहीं बतायी थी। वह घर से नौ बजे ड्यूटी के निकले थे। उसने कहा कि कंपनी में एक इमरजेंसी नंबर सूचना देने के लिए होता है। कंपनी ने उसको सूचना नहीं दी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आयी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोजा साइडिंग में ओएचई लाइन से झुलसा चालक

संवाददाता, शाहजहांपुर/रोजा

रोजा साइडिंग में जांच करती आरपीएफ की टीम। ● अमृत विचार

- ट्रक पर तिरपाल तान रहा था अचानक तार में हाथ लग गया

अमृत विचार: रोजा साइडिंग में चालक ने मालगाड़ी मिलाकर सीमेंट की बोरी उतारने के लिए ट्रक को सटाकर खड़ा कर दिया। कुछ सीमेंट की बोरी वैगन से उतारकर ट्रक में रख दी थी। इस दौरान बारिश होने पर चालक सीमेंट की बोरियों को ढकने के लिए चढ़कर तिरपाल तान रहा था। चालक का ओएचई लाइन में स्पर्श हो जाने से उसका शरीर जलने लगा। झटके से मालगाड़ी की छत पर गिरा। चालक और पल्लेदारों ने उसे खींच लिया और कपड़ों में लगी आग को बुझाया। करंट से झुलसे चालक को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया।

रोजा साइडिंग में सोमवार की दोपहर बाद सीमेंट की मालगाड़ी आकर खड़ी हुई। चालक नईम अहमद निवासी मंसूरपुर उझानी तहसील हसनपुर जिला अमरोहा ने ट्रक में सीमेंट लोड करने के लिए ट्रक को मालगाड़ी से सटाकर खड़ा कर दिया। इस दौरान वारिश होने लगी। चालक ने सीमेंट की बोरियों पानी से बचाने के लिए ट्रक पर चढ़ गया। वह तिरपाल तान रहा था। उसने ध्यान नहीं दिया कि मालगाड़ी की छत पर इलेक्ट्रिक ओएचई लाइन है। वह मालगाड़ी की छत पर चढ़कर तिरपाल खींचने लगा। उसका एक हाथ ओएचई लाइन पर पड़ गया। करंट लगने से उसके शरीर में आग लग गयी और जलने लगा। करंट लगने पर मालगाड़ी की छत पर गिरा। चालक और पल्लेदारों ने उसे नीचे खींच लिया और उसके शरीर में लगी आग को पानी डालकर बुझाया। सूचना पर रेल अधिकारी, आरपीएफ, जीआरपी और रोजा पुलिस साइडिंग पर पहुंच गयी और छानबीन शुरु की। स्टेशन अधीक्षक से कहकर ओएचई लाइन कटवायी गयी। करंट से झुलसे चालक को मेडिकल कालेज भेज दिया गया। पल्लेदारों ने बताया कि मालगाड़ी से लोडिंग व अनलोडिंग के समय आएचई लाइन बंद कर दी जाती है। सीमेंट उतारते समय लाइन काटी नहीं गयी थी। इसके लिए रेल प्रशासन को दोषी ठहराया जा रहा है।

दहेज मांगने पर पति समेत पांच लोगों पर रिपोर्ट

परौर , अमृत विचार : एक विवाहिता ने अपने पति समेत पांच लोगों के विरुद्ध दहेज अधिनियम का मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता नसरूम बानो ने बताया कि उसकी शादी पांच जून 2023 को बदायूं जिले के उसहैत थाना के गांव मझिन नगरा निवासी मुस्लिम खान से हुई थी। आरोप है कि पति मुस्लिम खान, सास गुड्डी, ससुर असलम, देवर सलीम व ननद हीना दहेज से संतुष्ट नहीं थे। वे सोने के झाले, सोने की चैन और एक लाख रुपये की अतिरिक्त मांग कर रहे थे। नसरूम की दो बेटियां हैं, डेढ़ वर्षीय हेरा और 21 दिन की सबनूर। दूसरी बेटी के जन्म के बाद ससुराल वालों का व्यवहार और भी खराब हो गया। 13 जुलाई 2025 को सभी ने मिलकर उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकान से नकदी समेत हजारों के जेवर चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: चोर एक मकान में घुस गए। चोर नगदी समेत हजारों रुपये का जेवर चुराकर ले गए। रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला कैलाशनगर कालोनी निवासी हरी सेवक अपने घर पुवायां गए थे। यहां पर उनकी पत्नी रीना व बेटी घर पर थी। रविवार की रात उसकी पत्नी कमरे में और बेटी बरामदे में सो रही थी। चोर दीवार फांदकर कमरे में घुस आए। चोर अलमारी में से नगदी और जेवर चुराकर ले गए। उसकी पत्नी सुबह सोकर उठी तो देखा कि कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने अपने पति को सूचना दी। हरी सेवक पुवायां से अपने घर आए और रोजा थाना पर सूचना दी। पुलिस ने मौका मुआयाना किया। उन्होंने बताया कि चोर सात हजार रुपये, सोने के कुंडल, मंगलसूत्र, अंगुठी और पायल चुराकर ले गए है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

लोको पायलट के घर 30 हजार रुपये चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला रेलवे कालोनी निवासी शिवओम भारती ने बताया कि वह रेलवे में लोको पायलट के पद पर है। 28 जून को वह रात डेढ़ बजे ड्यूटी करके घर पर आया। उन्होंने देखा कि मकान का दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। कर्मचारी ने देखा कि कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और जानकारी की। लोको पायलट ने बताया कि चोर 30 हजार रुपये ले गए है। उनका लेपटाप व मोबाइल सुरक्षित रखा मिला।

न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

मिर्जापुर, अमृत विचार: पुलिस ने तीन माह बाद न्यायालय के आदेश पर एक्सीडेंट का केस दर्ज किया है। थाना मीरानपुर कटरा के गांव भोजपुरी निवासी अजय कुमार मिश्रा ने न्यायालय में दायर किये वाद में बताया कि पांच जून को सुबह 10.30 बजे वह गंगा स्नान करके वापस अपने घर आ रहा था। वह कोलाघाट पुल पर पहुंचा ही था, तभी पीछे से बड़ी तेजी व लापरवाही से टाटा पंच कार के चालक ने उसकी मोटर साइकिल में पीछे से टक्कर मार दी थी। इससे उसकी पत्नी रेखा मिश्रा उछल कर सडक पर गिर गयी और उनके सिर मे गम्भीर चोटें आयीं थीं। उसने वेदान्ता अस्पताल बरेली मे पत्नी को भर्ती कराया और वर्तमान समय मे भी पत्नी का इलाज चल रहा है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिटी ब्रीफ

संस्था ने संभाली छात्राओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उड़ाने एक उम्मीद संस्था ने अपने गोद लिए हुए जीजीआईसी अजीजगंज में मैदान में साफ सफाई करवाकर पौधरोपण किया। कैमिस्ट्री और इंग्लिश की टीचर न होने की वजह से छात्राओं को हो रही दिक्कतों के चलते संस्था की उपाध्यक्ष रेखा मोदी ने कैमिस्ट्री और महामंत्री शैली गुप्ता ने इंग्लिश की क्लास लेनी शुरू कर दी है। कक्षा नौ से 12 के सभी बच्चों को एक ही क्लास में बैठाकर पढ़ाने लगी। बच्चों को अनुशासन में रहना भी सिखाना प्रारम्भ कर दिया। अध्यक्ष नीलम गुप्ता ने बताया कि प्रशासन से बात हो रही है। जल्द ही यहां पर शिक्षिकाओं और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था हो जाएगी। शिक्षित सशक्त बालिकाओं के बिना सशक्त भारत की कल्पना करना व्यर्थ है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रेखा मोदी, सचिव सोनिया गुप्ता, महामंत्री शैली गुप्ता और मीडिया प्रभारी रश्मि गुप्ता मौजूद रही।

आठ माह में 66 को मिला आजीवन कारावास

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि जघन्य अपराध, महिला संबंधी अपराध एवं अन्य गंभीर अपराधों में चिन्हित अपराधियों को न्यायालय से सजा दिलाने जाने की कार्रवाई की जा रही है। थाना स्तर एवं अभियोजन कार्यालय स्तर से गवाह व साक्ष्य प्रस्तुत करने तथा पुलिस के अथक प्रयासों से वर्ष 2025 में अब तक 66 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई जा चुकी है। इस कार्यवाही को और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी है।

गणपति को चढ़ाया मोदक का भोग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मठिया के महाराजा गणेशोत्सव के पांचवें दिन नव चेतना कला परिषद के कलाकारों ने लक्ष्मण शक्ति और राम विलाप का भावपूर्ण मंचन किया। इसके साथ ही गणपति बप्पा को मोदक का भोग अर्पित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान मनोज शर्मा और उनकी पत्नी अनीता शर्मा ने गणपति बप्पा सहित भगवान के विभिन्न स्वरूपों की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह और शाम को पुजारी राजीव मिश्रा सरस ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया। मंचन में दिखाया गया जब लक्ष्मण शक्ति-बाण से मूर्छित हो जाते हैं, तब भाई के शोक में भगवान राम का विलाप करुण रस से भर जाता है। यह प्रसंग राम के मानवीय पक्ष को उजागर करता है। कार्यक्रम में यश कटियार, रेनू कपूर, अनीता शर्मा, मनोज शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विद्यालयों में गूंजा शिक्षा-संस्कार का संकल्प

हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम में जनपद के 2599 स्कूलों में 8741 शिक्षकों ने लिया हिस्सा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अकर्रा रसूलपुर में संकल्प लेते बच्चे व शिक्षक। ● अमृत विचार

सिरोमननगर में ब्लॉक प्रमुख मुनेश्वर दयाल ने प्रतिभाग किया।

- पांच संकल्प लेकर विद्यालय को संस्कार, सेवा का केंद्र बनाने का लिया संकल्प
- सिरोमनगर और भावलखेड़ा में हुए कार्यक्रम, 220553 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

अमृत विचार : अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर सोमवार को जनपद के 2,599 विद्यालयों में हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान संकल्प कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। 8,741 शिक्षकों और 2,20,553 विद्यार्थियों ने भाग लिया और विद्यालय को संस्कार, सेवा व समर्पण का केंद्र बनाने का संकल्प दोहराया।

प्रार्थना सभाओं में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पांच सामूहिक संकल्प लिए। जिनमें विद्यालय को स्वच्छ व अनुशासित रखना, विद्यालय संपदा को राष्ट्रधन मानना, भेदभाव रहित वातावरण बनाना, शिक्षा को चरित्र निर्माण व समाज सेवा का साधन मानना तथा विद्यालय को संस्कार का तीर्थ बनाना आदि शामिल रहा। पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिरोमनगर विकासखंड ददरौल में कार्यक्रम प्रधानाध्यापक सुरेश चंद्र भारती की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मुनेश्वर दयाल वर्मा और ग्राम प्रधान सुरजीत कुमार वर्मा रहे। विद्यालय स्टाफ अवधेश कुमार मैथिल, फरजाना परवीन, संध्या शर्मा और अशोक कुमार ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। विकासखंड भावलखेड़ा के प्राथमिक विद्यालय मिश्रीपुर-2 की कक्षा 2 की छात्रा अलविया ने आदर्श विद्यालय का सुंदर मॉडल प्रस्तुत कर सभी को आकर्षित किया। वहीं कम्पोजिट विद्यालय पुवायां-2 में खंड शिक्षा अधिकारी केके शुक्ला ने शिक्षकों व विद्यार्थियों को शपथ दिलाई और आदर्श विद्यालय की संकल्पना प्रस्तुत की। जिले के सभी विकासखंडों में संयोजकों के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। ददरौल में हेमंत कुमार, जलालाबाद में नरेश कुमार, भावलखेड़ा में संजीव पाल, निगोही में अवनीश पाल, मदनापुर में राजेश यादव, जैतीपुर में सुखदेव पाठक, तिलहर में रघुवीर सहाय, सिंधौली में जुवैर आलम, पुवायां में संजय कुमार, बंडा में आनंद प्रकाश, खुटार में पंकज वर्मा, कांट में आदित्य सिंह और नगर क्षेत्र में हिमांशु दीक्षित की अगुवाई में आयोजन हुआ।

पदाधिकारियों ने दिए विचार

जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि शाहजहांपुर ने शिक्षा और संस्कार की एकजुटता का परिचय दिया है। जिला महामंत्री महेंद्र सिंह ने इसे जनपद के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। जिला संगठन मंत्री अंकुर त्रिपाठी विमुक्त ने कहा कि यदि पांच संकल्प आत्मसात कर लिए जाएं तो शाहजहांपुर राष्ट्रीय शिक्षा आंदोलन का आदर्श बनेगा। जिला संयोजक अवधेश कुमार मैथिल ने इसे शिक्षा और संस्कार की गंगा का संगम बताते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। संकल्प कार्यक्रम ने यह सिद्ध किया कि शाहजहांपुर का हर विद्यालय केवल पठन-पाठन का केंद्र नहीं बल्कि संस्कार और राष्ट्र निर्माण का तीर्थ है।

लोक अदालत की सफलता के लिए प्रचार-प्रसार तेज

प्रचार वाहन को रवाना कराते न्यायिक अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत लगनी है। इसे सफल बनाने के लिए न्यायिक अधिकारी जुटे हुए हैं। समस्त तहसीलों व ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी को लेकर प्रभारी जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सोमवार को दीवानी न्यायालय परिसर से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान कई न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। बता दें कि प्रचार वाहन राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के द्वारा जनपद में भेजा गया है। जिसके माध्यम से सोमवार को सदर व अमरिया तहसील क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण इलाकों में पंपलेट और पोस्टर वितरित किए गए। दो सितंबर को बीसलपुर, कलीनगर और पूरनपुर तहसील क्षेत्र में प्रचार किया जाएगा। प्रचार वाहन पर पीएलवी सचिन पांडेय की ड्यूटी लगाई गई है।

6-7 सितंबर को पीईटी के 38016 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- चार पालियों में परीक्षार्थी अलग अलग शिफ्टों में कराई जाएगी

अमृत विचार : जनपद में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा उन्नाव में 6 और 7 सितंबर को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2025 का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा शांतिपूर्ण व सकुशल संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। परीक्षा दो दिनों में दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में 9504 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस तरह दो दिनों में कुल 38016 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक एक सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इस बाबत डीआईओएस हरिवंश कुमार ने कहा कि 21 केंद्र पर 4 पाली में 38 हजार परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक एक सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। सारी परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों व मजिस्ट्रेटों की निगरानी में संपन्न होंगी। वही बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा को रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है और परीक्षा केंद्र का मैप भी लगाया जा रहा है।

डीएम धर्मेंद्र प्रताप।

फैक्ट फाइल :

- परीक्षा केंद्र 21
- परीक्षा तारीख 6-7 सितंबर
- परीक्षा समय प्रथम पाली सुबह 10-12 बजे व दूसरी पाली 3-5 बजे तक
- कुल चार पालियां
- कुल पंजीकृत परीक्षार्थी 38016

"जनपद में पीईटी परीक्षा 6-7 सितंबर को आयोजित कराई जा रही है। जिसको लेकर सारी तैयारियां मुकम्मल कर ली गई है। चार पालियों में परीक्षा होगी। 21 परीक्षा केंद्र शहर में ही बनाए गए हैं, जिससे कि परीक्षार्थियों को कोई दिक्कत न हो। रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। जिससे सेंटर तक पहुंचने के लिए परीक्षार्थी को समस्या न हो। मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगा दी गई है। नकलचियों पर निगरानी सीसीटीवी कैमरों व मजिस्ट्रेटों से कराई जाएगी।

– डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह

इन 21 केंद्रों पर होगी परीक्षा

- आर्य महिला इंटर कॉलेज कटियाटोला सदर बाजार
- आर्य महिला पीजी कालेज सदर बाजार
- देवी प्रसाद इंटर कॉलेज मालखाना मोड़
- दून इंटरनेशनल स्कूल निकट मेजबान होटल रोजा
- डा.विद्यास्थली इंटर कॉलेज रेती रोड
- जीएफ कालेज ब्लाक ए व जीएफ कालेज ब्लाक बी कैंट एरिया
- गवर्नमेंट पॉलीटेक्निक जलालाबाद रोड
- राजकीय इंटर कॉलेज खिरनीबाग
- इस्लामिया इंटर कालेज जेल रोड
- जनता इंटर कॉलेज सिंजई
- जॉन नेव सीनियर सेकेंडरी स्कूल लोदीपुर
- माधव राव सिंधिया पब्लिक स्कूल जिला अस्पताल
- जयपुरिया स्कूल बरेली रोड
- श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ बरेली मोड़
- श्री हरकुमार पाठक कन्या इंटर कॉलेज दलेलगंज
- सेंट पाल्स इंटर कॉलेज कैंट
- स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज मुमुक्ष आश्रम अजीजगंज
- एसएस कालेज ब्लाक ए व एसएस कालेज ब्लाक बी मुमुक्षु आश्रम
- तक्षशिला पब्लिक स्कूल बिजलीपुरा

शिव का सती मोह सुन श्रद्धालु भावविभोर

भागवत कथा सुनाते कथा व्यास। ● अमृत विचार

संवाददाता, पुवायां

- सूरज मैरिज लॉन में चल रही श्रीमद भागवत कथा में सुनाया गया प्रसंग
- कथा व्यास ने बताया किस प्रकार सती अपने पिता के यज्ञ में हुईं शामिल

अमृत विचार: नगर के सूरज मैरिज लॉन में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास ने भगवान शिव का सती मोह प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा व्यास पं विजय दीक्षित ने व्यास गद्दी से बताया कि किस प्रकार सती अपने पति भगवान शिव की इच्छा के विपरीत अपने पिता के यज्ञ में शामिल हुईं और उन्हें सती का दर्जा मिला। इसके बाद भगवान शिव के सती के लिए मोह और संसार से वैराग्य का वर्णन सुनाया गया। कथा के दौरान भक्तों ने हिरण्याक्ष वध प्रसंग भी सुना। आयोजन श्री राधे राधे सेवा समिति की ओर से किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन शाम छह बजे से रात 10 बजे तक कथा का आयोजन होता है। इस अवसर पर रामजी गुप्ता, विकास गुप्ता, नरेश रस्तोगी, सर्वेश गुप्ता, रजनीश गुप्ता, प्रदीप कटियार, सोनू, श्याम मिश्रा समेत अन्य भक्त बारिश के दौरान भी कथा का आनंद लेते नजर आए।

डीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में नगर निगम की विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं और निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में हथौड़ा स्टेडियम, टाउनहॉल हॉकी क्लब एस्ट्रोटर्फ, शहीद द्वार स्थित प्लेनेटोरियम, मल्टी लेवल पार्किंग, नगर निगम जोनल ऑफिस, सीनियर केयर सेंटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ककरा कन्वेंशन सेंटर, अर्बन हॉट एवं प्लाजा, मोहल्ला चिनौर कल्याण मंडप, अजीजगंज पुल, बरेली मोड़ चौराहा सौन्दर्यकरण, केरूगंज-मघईटोला राष्ट्रीय मार्ग निर्माण, हनुमत धाम फ्रंट लाइटिंग, गांधी भवन प्रेक्षागृह जीर्णोद्धार और सामुदायिक भवनों समेत कई परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। डीएम ने निर्देश दिए कि कार्यदायी संस्थाएं निर्माण कार्यों की गति तेज करें और गुणवत्ता में कोई कमी न आने दें। अपर नगर आयुक्त को आदेश दिए कि केरूगंज से मघईटोला तक राष्ट्रीय मार्ग निर्माण में बाधक बने अतिक्रमण को एक सप्ताह के भीतर हटाया जाए।

अच्छी खबर: सेटेलाइट बस अड्डे का निर्माण पूरा

संवाददाता, रोजा/शाहजहांपुर

- कार्यदायी संस्था को इस माह करना है हैंडओवर
- 90 प्रतिशत कार्य पूरा, लांग रूट बस से यात्री कर सकेंगे सफर

नवनिर्मित सेटेलाइट बस अड्डा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ-सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर निवाजपुर गांव के निकट सेटेलाइट बस अड्डे से बसों की सुविधा इसी माह मिलने लगेगी। यात्रियों को बरेली मोड़, हरदोई बाईपास चौराहे पर बसों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और न ही इंतजार करना पड़ेगा। सेटेलाइट बस अड्डे का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूरा हो गया है और सिर्फ फिनीशिंग रह गयी है। कार्यदायी संस्था 15 दिन के अंदर नगर निगम को सौंप देगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर निवाजपुर गांव के निकट सेटेलाइट बस अड्डे का निर्माण कार्य 23 जनवरी 2024 को शुरू हुआ था ओर 22 जून 2025 का निर्माण कार्य पूरा होना था, लेकिन किसी कारणवश निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। सेटेलाइट बस अड्डे की स्वीकृत लागत 124851 लाख रुपये थी। कान्स्ट्रेक्शन एक डिजाइन सर्विसेज करा रही थी। मेसर्स सुमित इंटरप्राइजेज विजय एण्ड गोमती लखनऊ ठेकेदार है। यहां पर प्रथम तल पूछताछ कार्यालय, टिकट घर और कैंटीन की सुविधा है। एक मंजिल पर ही यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय होगा और बैंचें पड़ेगी। दूसरी मंजिल पर कर्मचारियों के लिए बैठने के लिए कमरे बनाए गए है। सोलर पैनल के साथ बिजली का भी कनेक्शन होगा। 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। सेटेलाइट बस अड्डे की फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन कर रखा है, जो कनेक्शन शीघ्र मिल जाएगा। सैटेलाइट बस अड्डा चालू हो जाने से लोगों को बरेली रोड, हरदोई बाईपास चौराहे की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। लोग लांग रुट की बसें भी पकड़कर सफर कर सकते है। प्रत्येक बस यहां पर रुक कर जाएगी। कुल मिलाकर सैटेलाइट बस अड्डा चालू हो जाने से काफी राहत मिलेगी।

"सेटेलाइट बस अड्डे का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है और सिर्फ फिनिशिंग रह गयी है। 20 दिन में नगर निगम को हैंडओवर कर दिया जाएगा।

– शुभम मिश्रा, अवर अभियंता सीएनडीएस

डिपो इंचार्ज का कमरा प्रथम मंजिल हो: सेटेलाइट बस अड्डे पर कर्मचारियों के बैठने के लिए दूसरी मंजिल पर कार्यालय बनाया गया है। कर्मचारियों ने बताया कि एआरएम ओर वरिष्ठ डिपो प्रभारी का कक्ष नीचे होना चाहिए।

क्यों कि एआरएम और वरिष्ठ प्रभारी बार-बार सीढ़ियों से नीचे उतकर आएगे। दोनों अधिकारी को काफी दिक्कत होगी। कर्मचारियों ने कहा हर जगह एआरएम और डिपो प्रभारी का कक्ष नीचे होता है।

बिजली उपकरणों पर 5% जीएसटी लागू करने की मांग

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

- उद्योग व्यापार मंडल कोर ग्रुप की सोमवार को हुई बैठक

अमृत विचार : उद्योग व्यापार मंडल कोर ग्रुप की सोमवार को एक बैठक जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह दुआ की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय कन्हैया होजरी पर संपन्न हुई। संचालन नगर महामंत्री अतुल गुप्ता ने किया। बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिजली उपकरणों पंखा सिफिल राट प्लग तारे आदि पर जो 18 फीसदी जीएसटी लिया जा रहा है वह उचित नहीं है। क्योंकि यह सामान छोटे छोटे घरों में, गरीब परिवारों में मध्यम वर्ग में, झोपड़ियों में प्रयोग किया जाता है। इसलिए संगठन की मांग है कि इन रोजमर्रा के काम आने वाले बिजली उपकरणों पर 5 फीसदी जीएसटी लागू किया जाना चाहिए। इस संबंध में एक ज्ञापन प्रदेश के वित्तमंत्री एवं केंद्रीय वित्तमंत्री को भेजा गया है कि 20 सितंबर को दिल्ली में वित्त मंत्रियों की होने वाली बैठक में इस मुद्दे पर अवश्य विचार किया जाना चाहिए। बेशक बड़ी इंडस्ट्रीयल में काम आने वाले विद्युत उपकरणों पर 18 फीसदी जीएसटी लागू रखा जाए, लेकिन मध्यवर्गीय गरीब परिवारों को इन छोटे-छोटे सामानों पर जो हर घर में प्रयोग होते हैं प्रयोग होते हैं इन पर 5 फीसदी की दर से जीएसटी तय किया जाना चाहिए। जिला महामंत्री नाजिम खा, प्रदेश मंत्री धर्मपाल रैना, प्रदेश संगठन मंत्री सुल्तान अहमद खां, जिला कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ताषनगर महामंत्री अतुल गुप्ता कोषाध्यक्ष सतनाम चावला ,जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा , युवा जिला महामंत्री कमाल फहीम, युवा नगर अध्यक्ष शकील अहमद, महामंत्री अमित पांडे आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

शरद कालीन गन्ना बुवाई को प्रेरित किया

संवाददाता,शाहजहांपुर

प्रशिक्षण में मौजूद किसान, ● अमृत विचार

अमृत विचार: गन्ना शोध परिषद द्वारा सोमवार को जनपद लखीमपुर की चीनी मिल, गन्ना विकास परिषद गोला क्षेत्र के ग्राम पंचायत खरेंहटा में गन्ना कृषकों को शरदकालीन गन्ना बुवाई के प्रति प्रेरित करने एवं रोग कीट प्रबंधन विषयक कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में गन्ने में लगने वाले रोग एवं कीट के आपतन, लक्षण एवं प्रबंधन के बारे में पादप रोग वैज्ञानिक डा. सुजीत प्रताप सिंह द्वारा जानकारी दी गई। शरदकालीन गन्ना बुवाई, सहफसली खेती, सिंगल बड विधि द्वारा नर्सरी, उर्वरक प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी प्रसार अधिकारी डा. संजीव पाठक द्वारा दी गई। सचिव ,गन्ना समित गोला द्वारा समित सदस्यता, उपज बढ़ोतरी एवं कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी दी गई तथा ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोला द्वारा विभागीय योजनाओं, सर्वे सट्टा प्रदर्शन, आरकेवीवाई के बारे में जानकारी दी गई। महाप्रबंधक गोला पीएस चतुर्वेदी ने चीनी मिल द्वारा कृषकों को दी जाने वाली सुविधाएं एवं कृषकों को शरदकाल में अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना बुवाई के लिए आवाहन किया।

बाढ़ प्रभावितों तक सहायता पहुंचने में न हो देरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने जुटाई जानकारी, दिए निर्देश

जितिन प्रसाद

अमृत विचार: पहाड़ों और मैदानी इलाकों में हो रही भारी बारिश के बाद बने हालात के हालात के बीच लोग परेशान है। इसे लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को अलर्ट किया है। राहत एवं बचाव कार्य संचालन करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से वार्ता की। उन्होंने कहा किसी भी पीड़ित परिवार तक सहायता पहुंचने में देरी न हो। भोजन, शुद्ध पेयजल, दवाइयां और आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जाए। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी स्थिति में बाढ़ से कोई भी जनहानि न होने पाए। इसके लिए प्रशासन पूर्ण रूप से तत्पर रहे। किसी भी हालात से निपटने के लिए एसडीआरएफ की टीमों को अलर्ट पर रहने के आदेश जारी किए जाएं। केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ नियंत्रण एवं जल भराव की समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन/ सिंचाई विभाग से ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वह डीएम समेत अन्य अधिकारियों से दिनभर अपडेट लेते रहे। एसडीएम सदर, कलीनगर और पूरनपुर और बाढ़ चौकी प्रभारियों को अपने -अपने क्षेत्र में वर्तमान स्थिति पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए।

केन्द्रीय मंत्री ने भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह से वार्ता कर संगठन के कार्यकर्ताओं को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग करने के लिए लगाने को कहा।

न्यूज ब्रीफ

दो किमी की परिधि में बनेंगे मतदाता केंद्र

बदायूं, अमृत विचार : निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण को लेकर डीएम अवनीश कुमार राय ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इसमें डीएम ने अवगत कराया कि दो किलोमीटर की परिधि में ही मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। मतदेय स्थलों का विभाजन नहीं किया जाएगा। कलेक्ट्रेट में हुई बैठक के दौरान डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश हैं कि मतदेय स्थलों का विभाजन नहीं होगा। दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर मतदान केंद्र नहीं बनाए जाएंगे। डीएम ने अपील करते हुए कहा कि आगामी पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाने हेतु प्रत्येक मतदेय स्थल पर बीएलए की नियुक्ति सुनिश्चित करें व बीएलए की सूची जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराएं, जो मतदाता 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं उनके नाम फार्म-6 भरवाकर निर्वाचक नामावली में जोड़े जाए। मृतक, शिफ्टेड या डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। जिसमें वह सक्रिय भूमिका निभाएं।

रामकथा की अमृत वर्षा आज से

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के कछला रोड स्थित श्री माहेश्वरी धर्मशाला में दो सितंबर से नगर की श्रीराम-कृष्ण समिति के तत्वावधान में भगवान राम की कथा आयोजित की जाएगी। इसमें हरिद्वार के परम संत अयोध्यादास रामायणी द्वारा 62वां प्रवचन दिया जाएगा। कथा रोजाना शाम 3 बजे से साढ़े 5 तक आयोजित की जाएगी। यह जानकारी लोकेश बाबू वार्ष्णेय ने दी है। उन्होंने बताया कि 11 सितंबर तक रामकथा चलेगी।

सेवानिवृत्ति पर वार्ड ब्यॉय को दी विदाई

बदायूं, अमृत विचार : जिला अस्पताल के वार्ड ब्यॉय रामचंद्र सेवा निवृत्त हो गए इसलिए रविवार को उन्हें अस्पताल के स्टाफ ने विदाई दी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कप्तान सिंह ने कहा कि रामचंद्र की सेवाएं हमारे अस्पताल को सदैव प्रेरणा देती रहेंगी। अस्पताल स्टाफ ने रामचंद्र को शुभकामनाएं और उपहार भेंट किए। इसके साथ ही उसके द्वारा किए गए सेवा कार्यों की खुले मन से सराहना की गई।

18 से शुरू होगी लालकुआं प्रयागराज साप्ताहिक ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए 04117-04118 लालकुआं-प्रयागराज-लालकुआं साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचालन किया। प्रयागराज से 18 सितम्बर से 6 नवम्बर तक प्रत्येक गुरुवार को और लालकुआं से 19 सितम्बर से 7 नवम्बर तक प्रत्येक शुक्रवार को 8 फेरों के लिए संचालन किया जाएगा।

रेलवे प्रशासन द्वारा जारी समय सारिणी के अनुसार प्रयागराज-लालकुआं साप्ताहिक विशेष गाड़ी 18 सितम्बर से 6 नवम्बर तक प्रत्येक गुरुवार को प्रयागराज से 23.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन फतेहपुर से 1.बजे, कानपुर सेंट्रल से 3.35 बजे, कन्नौज से 4.50 बजे, फर्रुखाबाद से 6. बजे, कासगंज से 8.00 बजे, बदायूँ से 8.55 बजे, बरेली जंक्शन से 9.55 बजे, बरेली सिटी से 10.15 बजे, इज्जतनगर से 10.35 बजे, बहेड़ी से 11.25 बजे, किच्छा से 11.42 बजे छूट कर लालकुआं 12.45 बजे पहुंचेगी।

सरकार करेगी सम्मानित, एसएचवीआर पोर्टल पर 30 सितंबर तक स्व-मूल्यांकन कर जमा करनी होगी रिपोर्ट

जिले के माध्यमिक विद्यालयों की भी होगी स्वच्छता रैंकिंग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : केंद्र और प्रदेश सरकार स्वच्छता को लेकर गंभीर है। ग्राम पंचायत और नगर पंचायतों में पहले ही स्वच्छता को लेकर कार्यक्रम चल रहे हैं। साथ ही उनकी रैंकिंग की जा रही है। ग्राम पंचायत और नगर निकायों के साथ ही राजकीय विद्यालयों की भी रैंकिंग होगी। विद्यालयों को एसएचवी पोर्टल या फिर मोबाइल एप पर स्वच्छता का स्व मूल्यांकन कर रिपोर्ट 30 सितंबर तक जमा करनी होगी। अच्छी रैंक वाले विद्यालयों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

विद्यालयों के मूल्यांकन का होगा आंकलन

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में शामिल होने के लिए विद्यालयों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना होगा। इसके बाद अक्तूबर के अंत में जिला स्तर पर विद्यालयों का मूल्यांकन के लिए आकलन किया जाएगा। नवंबर माह राज्य स्तर पर विद्यालयों का नामांकन किया जाएगा। दिसंबर के पहले सप्ताह तक राज्य स्तर पर विद्यालयों का मूल्यांकन होगा। दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक राष्ट्रीय स्तर के लिए विद्यालयों का नामांकन किया जाएगा। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से फरवरी के दूसरे सप्ताह तक राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालयों के प्रशस्ति पत्र के लिए क्रॉस वैलिडेशन किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान समारोह की तिथि की घोषणा की जाएगी।

प्रोजक्ट अलंकार के तहत सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में जल और स्वच्छता आधारित सुविधाओं पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही स्वच्छता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। पंचायतों व शहरों की तरह ही सभी तरह के माध्यमिक विद्यालयों में अब स्वच्छता रैंकिंग का निर्धारण किया जाएगा। विद्यालयों को स्वमूल्यांकन के आधार पर 60 निर्धारित मानकों पर खरा उतरना होगा। पूरे अभियान को पांच घटकों जल, शौचालय, हाथ धुलाई, संचालन एवं अनुरक्षण, व्यवहार परिवर्तन एवं क्षमता निर्माण व मिशन लाइफ के अनुरूप हरित पहल पर बांटा गया है। शिक्षकों को निर्धारित मानकों पर स्व मूल्यांकन करने के बाद एसएचवीआर (स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग) पोर्टल या मोबाइल एप पर रिपोर्ट जमा करनी होगी। इसके बाद सरकार की ओर से रैंकिंग जारी की जाएगी। उच्च रैंकिंग पाने वाले विद्यालयों को पुरस्कृत किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य को पत्र जारी कर स्वच्छता रैंकिंग में सहभागिता करने के लिए पत्र के माध्यम से निर्देश जारी किए हैं। सभी विद्यालयों को पत्र जारी कर दिया गया है।

- जिला विद्यालय निरीक्षक लालजी यादव ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य को जारी किए पत्र

> माध्यमिक विद्यालयों की स्वच्छता रैंकिंग की जाएगी। जिसका मूल्यांकन स्व विद्यालयों कर आवेदन करना होगा। स्वच्छता अभियान में सहभागिता करने के लिए सभी विद्यालयों को पत्र जारी कर दिया गया है।
> – लालजी यादव, डीआईओएस

नोटिस के बाद भी नहीं किया भुगतान चीनी मिल प्रबंधन पर रिपोर्ट दर्ज

शासन से सख्ती : यदु शुगर मिल पर बकाया हैं किसानों के 31 करोड़ रुपये

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- गन्ना किसानों का भुगतान समय पर नहीं करने पर हुई कार्रवाई
- शासन के निर्देश पर गन्ना समिति सचिव ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : गन्ना किसानों का भुगतान अभी तक नहीं करने पर बिसौली की यदु शुगर मिल प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। चीनी मिल प्रशासन पर अभी तक 31 करोड़ का बकाया है, जिससे शासन को सख्त कदम उठाना पड़ा है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद चीनी मिल प्रशासन में खलबली मची हुई है।

बिसौली की यदु शुगर मिल जिले की सबसे बड़ी शुगर मिल है। इस चीनी मिल ने पिछले गन्ना पेराई सत्र के दौरान करीब 95 करोड़ का गन्ना खरीदा था। चीनी मिल जनपद का 60 प्रतिशत गन्ना खरीदा है। इसके साथ ही शेखूपुर सहकारी चीनी मिल भी कुछ गन्ना खरीदा है, जबकि जिले के बाहर की चार और चीनी मिलें गन्ना खरीद करती हैं। बिसौली चीनी मिल का गन्ना विभाग ने कई बार पत्र लिखकर गन्ना किसानों का भुगतान करने को कहा। चीनी मिल प्रशासन के साथ कई दौर की बैठक की गई। जिला प्रशासन ने भी चीनी मिल प्रशासन को जल्द भुगतान करने के निर्देश दिए फिर भी चीनी मिल पर अभी तक 31 करोड़ का बकाया है। गन्ना किसान अपना भुगतान कराने को जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं।

कुछ गन्ना किसानों ने सीधे सरकार से भी शिकायत की है। इसके बाद शासन स्तर से अब सख्त कदम उठाया गया है। शासन के निर्देश पर सोमवार को सहकारी गन्ना विकास समिति सचिव राजीव कुमार सिंह ने बिसौली चीनी मिल के निदेशक अध्यक्ष कुनाल यादव, प्रबंध निदेशक सूरज यादव, अध्यासी सुरेश चंद्र जौहरी, इकाई प्रमुख डीपी सिंह और वरिष्ठ महाप्रबंधक बृजेश शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। चीनी मिल के खिलाफ बीएनएस 318, 223, 61 2 के तहत रिपोर्ट दर्ज करायी गई है। सचिव राजीव कुमार सिंह ने कहा कि गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उक्त कदम उठाया गया है। चीनी मिल प्रशासन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए कहा गया है कि अगला गन्ना पेराई सत्र शुरू होने वाला है ऐसी परिस्थिति में गन्ना किसान चीनी मिल को गन्ना कैसे देंगे इसलिए गन्ना किसानों को भुगतान कराने को विभाग द्वारा कार्रवाई कराई गई है।

न्योली शुगर मिल पर है तीन करोड़ बकाया

न्योली शुगर मिल पर अभी भी जनपद के गन्ना किसानों का तीन करोड़ से अधिक का बकाया है। चीनी मिल को भी गन्ना विभाग ने भुगतान करने को पत्र लिखा है फिर भी अभी तक मिल प्रशासन ने भुगतान नहीं किया है। मिल प्रशासन को एक बार फिर पत्र लिखा जाएगा उसके बाद कोई सख्त कदम उठाया जाएगा। करीमगंज चीनी मिल पर भी कुछ लाख बकाया है उसे भी भुगतान जल्द करने को कहा गया है।

> गन्ना किसानों का भुगतान कराने को काफी समय से प्रयास किए जा रहे हैं मगर अभी तक किसानों को पूरा भुगतान नहीं किया गया है जिसके बाद बिसौली की यदु शुगर मिल प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। किसानों का शेष धन जल्द उनके खातों में भेजने के निर्देश दिए हैं।
> – अशर्फी लाल, जिला गन्ना अधिकारी

जमीयत उलेमा-ए-हिन्द की नगर कमेटी का गठन

इस्लामनगर, अमृत विचार : मोहल्ला पछाया स्थित एक मीनार मस्जिद में रविवार को जुहर की नमाज के बाद जमीयत उलेमा-ए-हिन्द की नगर कमेटी का गठन किया गया। सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम में संगठन ने मजलूमों व जरूरतमंदों की मदद, शिक्षा और रोजगार से जुड़ाव और नगर में अमन-शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। मौलाना नूर मोहम्मद ने कहा कि जमीयत का मकसद इंसानियत, अमन, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम देना है। हमारा फर्ज है कि मस्जिद, मदरसा और कब्रिस्तान की हिफाजत करें और हर जरूरतमंद के काम आएं। मौलाना मुफ्ती आलिम की कोशिश से बनी इस नई कमेटी में नगर अध्यक्ष हाफिज अजीजुद्दीन खान, नायब सदर मौलाना इकबाल मुफ्ती उबैदुरहमान, जनरल सेक्रेटरी मौलाना मुफ्ती मोहम्मद आलिम, नायब जनरल सेक्रेटरी, मौलाना फजलुर्रहमान, मौलाना अब्दुल वारिस, हाफिज नूरुद्दीन खजांची, हाफिज मोहम्मद अली को जिम्मेदारी सौंपी।

गैर इरादतन हत्या के दो दोषियों को 10-10 साल का कारावास

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- दोषियों को सजा के साथ 15-15 हजार रुपये लगाया जुर्माना

अमृत विचार : गैर इरादतन हत्या करने के दो आरोपियों को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट एक की न्यायाधीश पूनम सिंगल ने दोषी पाते हुए 10-10 साल के कठोर कारावास और 15-15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव शेखूपुर निवासी राम जीत पुत्र महेंद्र ने 3 मार्च 2011 को पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें उन्होंने बताया कि उनके पड़ोसी कैसो राम की गांव के ही राजकुमार से मुकदमेबाजी चल रही है। 3 मार्च रात 8 बजे राजकुमार व धर्मेंद्र आए और कैसो राम के साथ गाली गलौज करने लगे। कहा कि उनके खिलाफ गवाही दे रहा है। आज सबक सिखाते हैं। राजकुमार ने जान से मारने की नीयत से कैसो राम के ऊपर फायर कर दिया। जो कैसो राम को न लगकर उनके भाई सतपाल को लग गया। फायरिंग की आवाज सुनकर राम जीत और उनके भाई लक्ष्मण दौड़कर मौके पर पहुंचे। टॉर्च जलाकर देखा तो राजकुमार और धर्मेंद्र भाग रहे थे। उनके हाथों में तमंचे थे। मौके पर देखा तो सतपाल के पेट में गोली लगने का निशान था। जिससे खून निकल रहा था। सतपाल ने राजकुमार के गोली मारने की बात कही। उसके साथ धर्मेंद्र भी था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। कुछ दिन बाद सतपाल की मौत हो गई थी। न्यायालय में राजकुमार, धर्मेंद्र निवासी ग्राम शेखूपुरा थाना बिसौली पर सतपाल की गैर इरादतन हत्या करने के आरोप का मुकदमा चलाया गया। न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। एडीजीसी अरविंद लाल और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है।

आठ दिन से नहीं हो रहे महिलाओं के अल्ट्रासाउंड

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में महिलाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। आठ दिन से अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन खराब है जिससे महिलाएं वापस लौट रही हैं। मशीन को ठीक कराने को टेक्नीशियन को बुलाया गया मगर वह नहीं आया। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि जल्द मशीन ठीक करा दी जाएगी।

जिला महिला अस्पताल में महिलाओं के अल्ट्रासाउंड किए जाते हैं। पूर्व सीएमएस डॉ. इंदु कांत वर्मा अल्ट्रासाउंड करते हैं। लेकिन पिछले आठ दिन से अल्ट्रासाउंड मशीन खराब है जिससे महिलाओं को वापस लौटना पड़ रहा है। सोमवार को जैसे ही अस्पताल खुला तो महिलाओं की भीड़ जमा हो गयी। अल्ट्रासाउंड कक्ष खोला गया तो महिलाओं ने धक्का मुक्की शुरू कर दी । लेकिन कर्मचारियों ने बताया कि अभी तक मशीन ठीक नहीं हुई है इसलिए अभी अल्ट्रासाउंड नहीं हो सकेंगे। परेशान महिलाएं वापस लौट गयीं। अल्ट्रासाउंड कक्ष के कर्मचारियों ने बताया कि बरेली से मशीन ठीक करने को टेक्नीशियन को बुलाया गया था।

उसने आने से मना कर दिया। इसलिए अभी अल्ट्रासाउंड बंद हैं। जिला महिला अस्पताल में जो गर्भवती महिलाएं भर्ती की जाती हैं उनका अल्ट्रासाउंड किया जाता है। मशीन खराब होने से उन महिलाओं को बाजार में निजी अल्ट्रासाउंड मशीनों से काम चलाना पड़ रहा है। अनेकों गर्भवती महिलाएं भर्ती होने के बाद यहां से छुट्टी करा कर निजी अस्पतालों में जा रही हैं। इस परेशानी को देखते हुए अब गर्भवती महिलाएं यहां पर आना भी नहीं चाहती हैं।

महिला से दुष्कर्म का प्रयास, पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर

विजय नगला, अमृत विचार : मूसाझाग थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी अनुसूचित जाति की महिला ने बताया कि शनिवार रात 9 बजे पति फसल की रखवाली करने खेत पर गया था।

महिला की बेटियां घर पर थीं। महिला ने खाना बनाया और पति के आने का इंतजार कर रही थी। वह घर के दरवाजे पर थी। महिला आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला युवक उसके पास आया और गाली-गलौज करते हुए धमकाने लगा। महिला भागकर घर में घुस गई। युवक भी महिला के घर में घुस आया। महिला और उसकी बेटियां कुछ समझ पातीं इससे पहले ही युवक ने महिला को गलत नीयत से दबोच लिया। अश्लीलता की। महिला और उसके बेटियों ने शोर मचाया। पति के साथ शिकायत करने थाने गई, लेकिन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है।

बिल्सी में ढाबा बंद कर फरार हो गया संचालक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पनीर की सब्जी में मरा हुआ चूहा निकलने का मामला
- छापा मारने पहुंचे थे खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी

अमृत विचार : पनीर की सब्जी में मरा हुआ चूहा निकलने की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने ढाबा पर छापा मारा। अधिकारियों के आने की सूचना पर संचालक ढाबा बंद कर फरार हो गया। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी दावा कर रहे हैं कि ढावा खुला मिलने पर संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही खाद्य वस्तुओं के सैंपल भी लिए जाएंगे।

बिल्सी नगर स्थित संचालित मुस्कान ढाबा पर बीते रविवार की दोपहर खाना खाने आए। लोगों ने शाही पनीर की सब्जी का ऑर्डर किया था। पनीर की सब्जी सामने आने पर ग्राहक द्वारा देखा गया कि उसमें मरा हुआ चूहा पड़ा है। जिस पर ग्राहक ने संचालक से नाराजगी जताई।

इसके बाद ग्राहकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। वहां पर उपस्थित लोगों ने मामला शांत कराया। घटना का किसी ने वीडियो वायरल कर दिया। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय सीएल यादव खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को लेकर सोमवार को ढाबे पर जा रहे थे।

इस बीच सूचना पाकर संचालक ढाबा बंद कर फरार हो गया। ढाबा बंद देखकर टीम वापस लौट आई। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय सीएल यादव ने बताया कि अगर ढाबा खुलता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उसके खिलाफ तहरीर दी जाएगी।

जिला अस्पताल में पानी ही पानी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला अस्पताल में भी बारिश के पानी ने मरीजों और तीमारदारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मरीज व तीमारदार गार्डन में बैठते थे लेकिन रविवार को सुबह से हो रही भारी बारिश ने पूरे गार्डन को तालाब बना दिया है। अस्पताल में मंदिर के आस पास पानी भरा होने से लोगों को इधर उधर निकलने में दिक्कत होती रही। जिला अस्पताल के मुख्य गेट से लेकर अंदर तक कई जगह पर पानी भरा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रूक रूक कर हुई बारिश का पानी टीवी वार्ड के बाहर तालाब की तरह भर गया। मेडिकल वार्ड की ओर जाने वाले रास्ते पर व आस पास पानी भर गया। इससे मरीजों को ही नहीं अस्पताल के स्टाफ को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार की रात से हो रही भारी बारिश का पानी जगह जगह तालाब की तरह भरा खड़ा है। जिला महिला अस्पताल में कई जगहों पर पानी भर गया है महिला रसोई में बारिश का पानी तालाब की तरह भर गया है जिससे रसोई का सामान पानी में बह रहा है। जिला महिला अस्पताल में मरीजों को प्रेरणा कैंटीन रसोई से खाना बनता है। लेकिन पिछले बीस घंटे से हो रही बारिश ने अस्पताल परिसर को तालाब बना दिया है। महिला रसोई में पानी भर गया है। रैन बसेरा के बराबर में बनी महिला रसोई बारिश के पानी से भर चुकी है। रैन बसेरा के दोनों कमरे पूरी तरह तालाब बन चुके हैं बारिश का गंदा पानी भरा हुआ है। उधर प्रेरणा रसोई के सामने तालाब की तरह पानी भरा होने से महिला पुलिस चौकी के अंदर जाने में दिक्कत हो रही है।

जिला महिला अस्पताल की रसोई में भरा पानी। ● अमृत विचार

एजेंट ने खाते से निकाले बीमा के रुपये, रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव वरनी ढकपुरा निवासी रामवती ने डीआईजी और एसएसपी को शिकायत पत्र देकर बताया था कि उनके पति मूंगालाल का एक जीवन बीमा था। वह उनकी वारिस थी। पति की मौत पर उनके खाते में 28 फरवरी 2018 को 4 लाख 4661 रुपये खाते में आए थे। कंपनी के एजेंट सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव शादपुर निवासी छोटे लाल ने रामवती से उनके सभी दस्तावेज ले लिए और कहा कि एक खाता खुलवाने के लिए उन दस्तावेज की जरूरत है। इसके बाद एजेंट ने 7 मार्च 2018 को 45 हजार रुपये, फिर एक लाख 65 हजार रुपये, अगले दिन 32 हजार रुपये, फिर 90 हजार रुपये, 12 मार्च को 71 हजार रुपये धोखे से फर्जी हस्ताक्षर बनाकर खाते से निकाल लिए। डीआईजी के आदेश पर एजेंट के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शिक्षा

बेसिक शिक्षा अधिकारी बोले- विद्यालय को समझें तीर्थ, एक साथ मिलकर कार्य करें स्टाफ तो होगा विकास

जिले भर में मनाया हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ओर से सोमवार को जिले के 1025 विद्यालयों में हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान के अंतर्गत पंच संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने प्रार्थना सभा में निर्धारित पांच संकल्प लेकर हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान को आत्मसात किया। कार्यक्रम में निवर्तमान नगर पंचायत चेयरमैन दीपमाला गोयल, बीएसए वीरेंद्र कुमार सिंह, वित्त लेखा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी भी शामिल हुए।

बीएसए और निवर्तमान चेयरमैन ने विकास क्षेत्र जगत के प्राथमिक विद्यालय मई बूचन में दीप प्रज्जवलित किया। प्रार्थना सभा में बच्चों के साथ पांच संकल्प की शपथ ली। बीएसए ने कहा कि विद्यालय के पूरे स्टाफ के एक साथ मिलकर कार्य करने से विद्याओं का विकास होगा। विकास क्षेत्र सालारपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय तिसंगा में आयोजित कार्यक्रम में वित्त एवं लेखाधिकारी श्याम मोहन दास गुप्ता और खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने स्टाफ और बच्चो के साथ पंच संकल्प दोहराए। हर 1 सितंबर को संकल्प दिवस मनाते हुए जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेने को कहा। जिला संयोजक दुष्यंत रघुवंशी और आयाम प्रमुख प्रशांत वर्मा ने बताया कि जिले के 1025 विद्यालयों में 57 हजार 726 छात्र-छात्राओं, 2830 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पंच संकल्प की शपथ ली गई है।

गूगल फॉर्म के अनुसार जिले के 1025 से ज्यादा विद्यालयों ने फॉम भरा था। इसमें विकास क्षेत्र सालारपुर में 117, दातागंज में 110, उझानी में 95, समरेर में 104, वजीरगंज में 82, उसावां में 80, जगत में 64, कादरचौक में 80, अंबियापुर में 55, बिसौली में 70, इस्लामनगर में 44 व अन्य विद्यालयों ने फॉर्म भरे थे। विद्यालयों में स्वच्छता, अनुशासन, हरित बनाने आदि का संकल्प लिया गया है। जिससे सभी विद्यालय को तीर्थ मानकर अपनी आत्मा का अभिमान मानें।

विद्यालय में बच्चों को शपथ दिलाते शिक्षक। ● अमृत विचार

लाखों शिक्षकों ने लिया संकल्प

संगठन के जिला सह संयोजक प्रदीप कुमार ने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर सोमवार को लाखों शिक्षक ने संकल्प लिया है। जिला सह संयोजक सोनी गुप्ता ने कहा कि यह कार्यक्रम निश्चित रूप से देश में क्रांति लाएग। इसके सकारात्मक परिणाम दिखेंगे। कहा कि विद्यालय सिर्फ भवन ही नहीं बल्कि संस्कारों का तीर्थ है। विद्यालय को देश में हमेशा विद्या का मंदिर माना गया है।

- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ओर से देश भर के विद्यालयों में आयोजित कराया कार्यक्रम

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :- 7906732664 9897885429 8445507002

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
नि:शुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

न्यूज ब्रीफ

चिकित्सक ने किया गलत ऑपरेशन, काटना पड़ा पैर

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान निवासी ओमवीर छह अगस्त को अकबराबाद चौराहे पर सड़क हादसे में घायल हो गए थे। उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया था। हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया। जहां चिकित्सक ने ऑपरेशन के लिए रुपये मांगे। परिजनों ने रुपये कम होने की बात की। चिकित्सक ने कम रुपये ले लिए। ऑपरेशन गलत करने की वजह से ओमवीर को अलीगढ़ के अस्पताल ले जाना पड़ा। जहां चिकित्सक ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान उनके पैर में गलत प्लेट डाली गई है। परिजनों ने ओमवीर कोई अस्पतालों में दिखाया। सभी ने उनका पैर काटने की सलाह दी। ऑपरेशन करके चिकित्सक ने उनका पैर काटा। इसके बाद भी उनकी हालत खराब है। उनके भाई ने मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र भेजकर गलत ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक पर कार्रवाई की मांग की है।

युवक की मौत पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : कादरचौक थाना क्षेत्र के गांव घटियारी निवासी अमन (24) पुत्र महावीर ई-रिक्शा चालक थे। 30 अगस्त को घर में रखे मक्का की बोरियों के पास उनका शव पड़ा मिला था। परिजनों ने कहासुनी के चलते अमन की पीटकर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के भाई अभिलाख ने चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी। जिसमें उन्होंने बताया कि 29 अगस्त की रात लगभग 9 बजे अमन का गांव निवासी चंद्रपाल, हेम सिंह, अमन, सुमित से विवाद हुआ था। उन लोगों ने अमन से गाली-गलौज और मारपीट की थी। जिससे परेशान होकर अमन ने प्लास्टिक की रस्सी से फंदा लगाकर जान दे दी थी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

संदिग्ध भागे, लावारिस बाइक पुलिस कब्जे में

मनोटा, अमृत विचार : थाना एछोड़ा कंबोह क्षेत्र के मनोटा सैदनगली मार्ग पर देर रात तीन युवक बाइक से जा रहे थे। भटपुरा पहुंचे तो पीछे से गश्त कर रही पुलिस की गाड़ी आ गई। गाड़ी को देख कर तीनों बाइक छोड़कर जंगल में भाग गए। पुलिस ने काफी पीछा किया लेकिन वह हाथ नहीं आए। चोरों की सूचना पर ग्रामीण भी दौड़कर आ गए।

दिक्कत: शहर से गांव तक जलभराव

जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त, सड़क और बाजार में नजर आ रहा पानी ही पानी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शहर की मधुवन कॉलोनी में भरे बरसात के पानी के बीच से निकलते बाइक सवार।

बारिश में छाता लेकर जाती महिला।

अमृत विचार : सितंबर के पहले दिन झमाझम बारिश हुई। रविवार दोपहर से शुरू हुई बारिश का दौर दूसरे दिन भी जारी रहा। दिन में करीब चार घंटे तक झमाझम बारिश हुई। लगातार बरसात होने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। सुबह से हो रही बारिश की सड़कें तालाब नजर आईं। बाजार में सन्नाटे वाली स्थिति रही। लोग जरूरी काम से ही निकले। शाम तक बारिश होने की वजह से जल्द ही बाजार बंद हो गया।

मौसम विभाग की ओर जारी की गई चेतावनी के बाद कृषि विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। रविवार की दोपहर से ही जनपद भर में बारिश शुरू हो गई थी। रविवार रात से हो रही बारिश की वजह से शहर में जनजीवन ठहर गया है। लगातार हो रही बारिश से नाले नालियां उफान पर है। सड़कों और रास्तों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। शहर के निचले इलाकों में पानी भर जाने से लोगों को घरों से निकलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लगातार बारिश से बाजारों में कीचड़ और फिसलन की समस्या उत्पन्न हो गई। इससे बाजार आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर यात्री पानी और कीचड़ के बीच निकलते दिखाई दिए। कृषि विभाग के अधिकारियों की मानें तो अगले 24 घंटे तक बारिश जारी रह रहेगी। अगर ऐसे ही बारिश जारी रही तो हालात और बिगड़ने की संभावना है। 24 घंटे से हो रही बारिश के कारण रोडवेज बस स्टैंड परिसर तालाब में तब्दील हो गया। जिसके कारण रोडवेज बसे के संचालन में बाधा उत्पन्न हो गई। यात्रियों को गंदे पानी से गुजरकर बसों तक पहुंचना पड़ा। इसके अलावा जिला अस्पताल परिसर और सरकारी कार्यालयों में भी पानी भर जाने से मरीजों व परिजनों को कठिनाई हुई। सुबह से ही लोग अपने घरों में दुबके रहे और आवश्यक कार्य के लिए भी बाहर निकलना मुश्किल हो गया।

- कृषि विभाग ने जताई अगले 24 घंटे तक बारिश की संभावना
- बारिश से बाजारों में कीचड़ और फिसलन की समस्या उत्पन्न
- रविवार दोपहर से लगातार हो रही है रुक रुक कर बरसात

जलभराव से उफनाए शहर के नाले

शहर में कई इलाकों और बाजार में पानी ही पानी नजर आया। नाले उफना गए। उनका पानी सड़कों पर आ गया। नाले उफनाने की वजह से शहर के पनबड़िया, सुभाष चौक, आर्य समाज चौक, नई सराय, वाटर वर्क्स रोड, जोगीपुरा, गांधी ग्राउंड मथुरिया चौक सहित कई इलाकों में एक से दो फुट तक पानी भर गया। शहर की आवास विकास कालोनी की मुख्य सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भारी बारिश से जहां शहरवासी परेशान हुए। वहीं किसानों के चेहरे खिले। खेतों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता से धान और बाजरे की फसल को जीवनदान मिला है। मौसम के जानकारों के अनुसार आने वाले दिनों में और बरसात के आसार बने हुए हैं।

15 सितंबर तक होंगे इग्नू पाठ्यक्रम में प्रवेश

बदायूं, अमृत विचार : इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तिथि बढ़ा दी गई है। प्रवेश के लिए 15 सितंबर तक आवेदन हो सकेंगे।

राजकीय महाविद्यालय में संचालित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. संजीव राठौर ने बताया कि इग्नू अध्ययन केंद्र पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों बीए, बीकॉम सहित पाठ्यक्रमों के साथ दो वर्षीय अवधि के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हिंदी, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, एम कॉम विषयों में एवं ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रम के लिए आवेदन की तिथि को बढ़ा दिया गया है। इच्छुक विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में 15 सितंबर तक प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

प्राचार्य डॉ श्रद्धा गुप्ता ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संचालित है। बीए एवं बीकॉम सहित कुछ चुनिंदा पाठ्यक्रमों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए निशुल्क प्रवेश भी ऑनलाइन दिए जा रहे हैं।

26 अक्टूबर को होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

बैठक करते संगठन के पदाधिकारी।

- बदायूं क्लब में भारत विकास परिषद की ओर से हुई बैठक
- प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के लिए बदायूं क्लब में आयोजित हुई संगठन की बैठक

अमृत विचार : भारत विकास परिषद की ओर से हर साल प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं। इस साल समूह गान प्रतियोगिता 26 अक्टूबर को कराई जाएगी। इसका दायित्व नगर की गौरीशंकर शाखा को दिया गया है। प्रतियोगिता के संबंध में बदायूं क्लब में भारत विकास परिषद के प्रांत अध्यक्ष संजीव जोली के नेतृत्व और शाखा अध्यक्ष वीरेश वार्ष्णेय की अध्यक्षता में बैठक हुई। प्रतियोगिता निष्पक्ष व व्यवस्थित रूप से कराने को निर्देशित किया।

प्रांत अध्यक्ष संजीव जौली ने बताया कि समूह गान प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता है। जिसमें विभिन्न शाखाओं से चयनित प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। आयोजन का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रभाव और राष्ट्रीय एकात्मता की भावना को बढ़ाना है। देशभक्ति के गीतों पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रांत संयोजक रक्तदान अंशु शर्मा व प्रांत गतिविधि संयोजक सेवा अजय सक्सेना व जिला संयोजक आयुष भारद्वाज ने बताया कि प्रतियोगिता में परिषद की रुहेलखण्ड प्रांत की विभिन्न शाखाओं की विजेता टीमें प्रतिभाग करेंगी। जो हिंदी एवं संस्कृत भाषा के गीतों का गायन करेंगी। प्रतियोगिता संयोजक गुरुदेव शर्मा ने बताया कि प्रांत की 12 शाखों में विजेता रहने वाली टीमें प्रतिभाग करेंगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष सिंघल और शाखा सचिव सौरभ रस्तोगी ने प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व देने के लिए प्रांत अध्यक्ष का आभार जताया। बैठक में प्रमिला गुप्ता, अंजू सक्सेना, दिनेश शर्मा, डीके गुप्ता, राजीव भारती, अशोक गौड़, विजय कौशिक, राजेंद्र गुलाटी, पंकज चौधरी, सचिव, गौरव, गुरुदेव शर्मा आदि उपस्थित रहे।

जयघोष के साथ आज निकलेगी विसर्जन यात्रा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पिछले सात दिनों से चल रहे गणेश महोत्सव का समापन आज

अमृत विचार : पिछले सप्ताह भर से चल रहे गणेश महोत्सव का समापन हो गया। समापन पर भगवान गणेश की विधि विधान से पूजा की गई। साथ ही नाना प्रकार के व्यंजन से भोग लगाया गया। उनकी आरती उतारी गई। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। कथा समापन पर श्री कृष्ण लीला का वर्णन किया गया। साथ ही ब्रज के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मंगलवार को विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए प्रशासन की ओर से पहले ही तैयारी कर रखी है। यात्रा के साथ कछला गंगा घाट पर भारी संख्या पुलिस बल तैनात रहेगा। निगरानी के लिए मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

शहर सहित जनपद के विभिन्न गांव कस्बों में गणपति की महिमा का गुणगान एक सप्ताह से चल रहा था। शहर में करीब 15 स्थानों पर पंडाल सजे हुए थे। जहां सुबह और शाम विधि विधान से भगवान गणेश की पूजा करने के साथ ही उनकी स्तुति की जा रही थी। मंगलवार को विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी। विसर्जन यात्रा में डीएम अवनीश कुमार राय ने सदर एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों की ड्यूटी लगाई हुई है।

सांप के डसने से सात साल की बच्ची की मौत

बदायूं, अमृत विचार : उसावां थाना क्षेत्र के गांव नवीगंज में सांप की डसने से सात साल की बच्ची की मौत हो गई। गांव निवासी हरकिशन की बेटी नेहा घर खेल रही थी। इसी दौरान उसका खिलौना घर में रखी कुठिया के नीचे चला गया था। नेहा ने खिलौना बाहर निकलने के लिए कुठिया के नीचे हाथ डाला। इसी दौरान वहां मौजूद सांप ने नेहा को डस लिया। नेहा की उंगलियों से खून निकलने लगा। वह चिल्लाई तो परिजन पहुंचे। बच्ची को वैध के पास के ले गए। हालत में सुधार न होने पर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने नेहा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा।

कांग्रेस के बूथों का किया गया गठन

गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक करते कांग्रेस पदाधिकारी। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी और सभी ब्लाकों की कांग्रेस कमेटियों के गठन के बाद मंडल और बूथ कमेटियों का गठन किया जा रहा है।

सोमवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने सदर विधानसभा के दर्जन भर गांवों का दौरा कर बूथों का गठन किया। दौरे में जिला उपाध्यक्ष बफाती मियां, जिला सचिव अहमद अमजदी और सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष नवनीत यादव समेत कई कांग्रेस नेता साथ रहे। जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि हर बूथ पर बीस युवाओं को तैयार किया जा रहा है, जो वोट बनाने से लेकर वोट डलवाने और वोट चोरी रोकने का काम करेंगे। रोजगार देने व महंगाई रोकने में विफलता समेत मोदी और योगी सरकार की नाकामियां को ये युवा ग्रामीणों के बीच घर घर जाकर बताएंगे। सदर विधानसभा के पूठी सराय, मोहम्मदी, करतोली, विजयनगर, बिनावर, नदौलिया, बिलहत, घटपुरी, अब्बियापुर, सेमरमई, औरंगाबाद माफी आदि ग्रामों में बूथों का गठन किया गया। इस मौके पर सुशील मिश्रा, शैलेंद्र यादव, सुरेंद्र यादव, शौकत अली, जहीर खान, रामवीर पाल, राहुल यादव, फिरासत, बाबू खान, राघव यादव आदि मौजूद रहे।

तालाब में नहाने गए किशोर की डूबकर मौत

बदायूं, अमृत विचार : वजीरगंज थाना क्षेत्र के कस्बा सैदपुर के मोहल्ला खेड़ा झंडा निवासी 16 साल के मोहम्मद हसन पुत्र मोहम्मद वशीर सोमवार को अपने दोस्तों के साथ करेंगी मार्ग स्थित तालाब में नहाने के लिए गए थे। नहाने के दौरान मोहम्मद हसन गहरे पानी में चले गए। साथ में नहा रहे बच्चों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन बाहर निकाल नहीं पाए। शोर सुनकर ग्रामीण तालाब में कूदे। कुछ ही देर के बाद ग्रामीणों ने किशोर को तालाब से बाहर निकाला और सैदपुर के अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। परिजनों में कोहराम मच गया।

पशु चिकित्सक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

संवाददाता, विजय नगला

- पशु प्रेमी ने बिनावर के पशु चिकित्सक के खिलाफ थाने में दी तहरीर

अमृत विचार : बिनावर थाना प्रभारी के साथ ही पशु चिकित्साधिकारी की भी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पशुओं के साथ हो रही क्रूरता के मामले में एसएसपी ने पहले ही जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं पशु प्रेमी ने बिनावर पशु चिकित्साधिकारी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। जिसमें पशु प्रेमी ने बाजार में हो रही पशुओं पर क्रूरता के रोकथाम न किए जाने का आरोप लगाया है।

पीपल फॉर एनिमल्स के जिला अध्यक्ष वीकेंद्र शर्मा और उनकी टीम के सदस्यों ने सोमवार को थाना बिनावर पहुंचकर बिनावर पशु चिकित्सालय के प्रभारी सुमित साहू के खिलाफ तहरीर दी है। इसमें पशु प्रेमी ने घटपुरी बाजार में बिक्री के दौरान पशुओं के साथ हो रही क्रूरता पर रोकथाम न किए जाने का आरोप लगाया है। पशु प्रेमी का कहना है कि पशुओं के साथ हो रही क्रूरता पर रोकथाम किए जाने के आदेश शासन स्तर से पशु चिकित्सा अधिकारियों को दिए गए हैं। लेकिन पशु चिकित्सा प्रभारी शासन के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। जिसके कारण पशुओं पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

रक्तदान से बचाए जा सकते हैं कई जीवन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शिविर में रक्तदान करता युवक।

- बाबा इंटरनेशनल स्कूल के 11वें स्थापना दिवस पर लगाया शिविर

अमृत विचार : बिल्सी के बाबा इंटरनेशनल स्कूल के 11वें स्थाना दिवस पर सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन बरेली के स्टार चेरिटेबिल ब्लड सेंटर के सहयोग से हुआ। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और डोनर कार्ड देकर प्रोत्साहित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि रक्तदा ही महादान है। इससे अनगिनत जीवन बचाए जा सकते हैं।

शिविर का आरंभ स्कूल के चेयरमैन नरेंद्र बाबू वार्ष्णेय, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय, निदेशक साधना वार्ष्णेय, प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी ने फीता और केक काटकर किया। चेयरमैन ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। डायरेक्टर और निदेशक ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में न केवल मानवता की भावना जागृत होती है बल्कि युवाओं को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानाचार्य ने रक्तदाताओं से कहा कि उनका एक छोटा सा प्रयास अनेक अनमोल जीवन बचा सकता है। भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों का आयोजन होता रहेगा। वीके मौर्य, राममेहर सिंह ने रक्तदान किया। स्टार चैरिटेबल ब्लड सेंटर के पैथोलॉजिस्ट, डायरेक्टर डॉ. मीती गुप्ता, डॉ. सुमित वैश्य, सलीम बेग, उत्पल, आमिर, बिंटू श्रीवास्तव आदि का सहयोग रहा। स्कूल प्रशासक अमित माहेश्वरी उपस्थित रहे।

बदायूं डायरी

ओरछी में खेतों में भरा बारिश का पानी, किसान चिंतित

ओरछी, अमृत विचार : रविवार हो रही बारिश के चलते गांवों में जलभराव हो गया है। खेतों में पानी भर जाने से किसान चिंतित हो गए हैं। वहीं बिजली आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के कस्बा ओरछी चौराहे पर तेज बारिश के चलते राजमार्ग पर जलभराव हो गया। जलभराव होने से प्रभावित रहा। तेज बारिश के कारण गांवों में भी जलभराव की स्थिति हो गई है। खेतों में पानी भर गया है। किसान चिंतित हो उठा है। किसानों का कहना है कि अगर इसी तरह बारिश होती रही तो उनकी फसल को नुकसान हो सकता है।

हिंदी हिंदुस्तान का दिल है समरसता सिखलाती है...

दातागंज, अमृत विचार : हिन्दी पखवाड़ा के तहत कस्बे में उत्तर प्रदेश हिन्दी प्रचार समिति के तत्वावधान में कृतिका यूथ डेवलपमेंट एकेडमी कार्यालय पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नेता शैलेश पाठक रहे। कार्यक्रम में उझानी से आए डॉ. गीतम सिंह ने ने पढ़ा हिन्दी हिन्दुस्तान का दिल है समरसता सिखलाती है, हिन्दी हरदम रिश्तों में प्रेम सुधा बरसाती है। कार्यक्रम संयोजक राकेश वर्मा, केशव सक्सेना, कौस्तुभ सिंह, अवनेश व्याकुल, मनोज तन्हा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पवन शंखधार और अध्यक्षता ओमेंद्र वर्मा ने की।

बिल्सी में धूमधाम से मनाया राधाष्टमी महोत्सव

बिल्सी, अमृत विचार : मोहल्ला संख्या दो स्थित साहूकारा कॉलोनी स्थित बांके बिहारी मंदिर पर रविवार की रात राधा रानी का जन्म दिवस राधाष्टमी के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इसको लेकर मंदिर में सुबह से ही भक्तों ने काफी तैयारियां की थी। सबसे पहले यहां राधा रानी की श्रृंगार आरती आयोजित की गई। इसके बाद बांके बिहारी की पंच आरती की गई। इस मौके पर सुभाष चंद्र वाहेती, अवनेश वार्ष्णेय, लोकेश वार्ष्णेय, विवेक माहेश्वरी, पवन वाहेती, दीपक माहेश्वरी, नीरज वाहेती, पंकज वाहेती, अर्पित कुमार, केशव वाष्णेय, अनुभव वार्ष्णेय, राकेश माहेश्वरी, उमेश चंद्र, मुकेश शर्मा, उज्ज्वल वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे। इधर, मोहल्ला संख्या पांच स्थित शिव शक्ति भवन मंदिर एवं तहसील रोड स्थित शिव शक्ति ओम मंदिर पर भी भक्तों ने राधाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया।

पोषण सप्ताह के तहत हेल्दी फूड की दी जानकारी

बदायूं, अमृत विचार : मदर एंथीना स्कूल में रविवार को पोषण सप्ताह के अंतर्गत पहले दिन विवेका हाउस के विद्यार्थियों द्वारा एक लघु नाटिका के माध्यम से हेल्दी फूड एवं जंक फूड के बारे में जानकारी दी गयी। छात्र छात्राओं ने अभिनय के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए हेल्दी फूड अपनाने के साथ ही जंक फूड के दुष्प्रभावों के विषय में भी जानकारी दी। विद्यालय की निदेशिका चयनिका सारस्वत ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य हमारे जीवन का महत्वपूर्ण भाग है। जिसमें हमारे द्वारा किया गया भोजन अहम भूमिका निभाता है। हमें वर्तमान में युवा पीढ़ी द्वारा जंक फूड की ओर आकर्षित होने के दौर में उनके दुष्प्रभावों तथा संतुलित आहार की जानकारी देना आवश्यक है।

बाढ़ का दंश

जटा गांव में सोमवार को 10 मीटर जमीन गंगा में समाई, गंगा में बढ़ रहे पानी से बांध को खतरा

लगातार हो रहा कटान, खाना और दवा तक नसीब नहीं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

उसहैत में कटान को देखते ग्रामीण।

अमृत विचार : पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश का पानी हरिद्वार बैराज में आ रहा है। इससे मैदान इलाकों में गंगा भी उफान है। पानी की मार झेल रहे तटवर्ती क्षेत्रों में कटान तेजी से रहा है। जिससे ग्रामीण परेशान हैं। बाढ़ की विभीषिका झेल रहे ग्रामीणों को जिला प्रशासन की ओर से मदद भी नहीं मिल रही है। बाढ़ पीड़ित अब खाना और दवा को तरस रहे हैं।

पिछले दो दिन से मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ों पर भी मूसलाधार बारिश हो रही है जिससे हरिद्वार बिजनौर और नरौरा बैराज में पानी बढ़ रहा है। सोमवार को नरौरा बैराज से एक लाख 45 हजार क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। यह पानी मंगलवार सुबह चार बजे तक स्थानीय नदियों में पहुंच जाएगा उसके बाद गंगा और उफान पर होगी। उसहैत क्षेत्र के गांव जटा और प्रेमी नगला में गंगा ने कटान तेज कर दिया है। गंगा अब मोटी मिट्टी को भी अपने आगोश में ले रही है। ग्रामीण कटान को देख रहे हैं। जटा गांव में सोमवार को करीब दस मीटर जमीन गंगा ने अपने आगोश में ले ली। ग्रामीणों ने बताया कि ऊपर से जिस तेजी से पानी आ रहा है उसी तेजी के साथ में गंगा विनाश कर रही है। गंगा ने अब तक हजारों एकड़ जमीन निगल ली है। जसवंतनगर में गंगा का पानी चारों ओर दिखाई दे रहा है। इस इलाके में सड़क काफी पहले गंगा की धार में कट चुकी हैं। संपर्क मार्ग भी कट चुके हैं। जिससे ग्रामीणों को बाहर निकलने में भारी परेशानी हो रही है। दातागंज तहसील प्रशासन ने करीब 25 दिन पूर्व इस क्षेत्र के लोगों को दो स्टीमर मुहैया कराए थे। उन्हीं से लोग इधर उधर निकल रहे हैं। जबकि कुछ ग्रामीण ट्रैक्टर डनलप से भी अपने घरों का सामान निकाल कर बाहर पहुंच चुके हैं। कटरा सआदतगंज की ओर ग्रामीण पहुंच रहे हैं। इस इलाके में ऊंचे स्थानों पर ग्रामीणों के ठहरने की जगह दी है।

कछला गंगा का जलस्तर और बढ़ा

जैसे जैसे गंगा में पानी बढ़ रहा है वैसे ही कछला गंगा का जलस्तर भी बढ़ता जा रहा है। कछला गंगा का जलस्तर रविवार को 162, 45 मीटर गेज मापा गया। पानी बढ़ने से सुरक्षा और बढ़ा दी गयी है। सदर तहसील प्रशासन ने कछला गंगा का निरीक्षण करने के बाद गंगा में स्नान पर रोक लगा दी है। हालांकि गंगा तट पर स्नान करने को दो जगहों पर घाट बनाए गए हैं। गंगा के दोनों किनारों पर पानी ऊपर तक पहुंच चुका है।

महावा नदी ने बदला अपना रूप

सहसवान क्षेत्र में बह रही महावा नदी ने अपना रौद्र रूप बदल लिया है। नदी ऊपर तक पहुंच चुकी है जिससे आस पास का इलाका जलमग्न है। खादी नगला को तहसील प्रशासन ने पहले ही खाली करा दिया है। इस गांव में सभी मकान पानी में डूबे हुए हैं। खेत खलिहानों में बाढ़ सितम ढहा रही है। बाढ़ का पानी अब ऊपरी स्थानों की ओर पहुंच रहा है जिससे लोग भयभीत हैं। कई किमी लंबे बांध को भी बाढ़ का पानी हिला रहा है। हालांकि बांध पर बाढ़ खंड के अधिकारी निगरानी बनाए हुए हैं।

"इस बार देखने को मिल रहा है कि गंगा में रुक रुक कर पानी बढ़ रहा है। कुछ दिन कम पानी छोड़ा जाता है, लेकिन इसके बाद फिर पानी बढ़ जाता है। इससे जलस्तर घटता बढ़ता रहा है। अभी बारिश के कारण पानी कम होने की संभावना भी नहीं है। सोमवार को भी नरौरा से बढ़ कर पानी छोड़ा गया।
-नेशपाल, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

हजरतपुर इलाके में रामगंगा में बढ़ा पानी : रामगंगा में भी पानी बढ़ रहा है। कुछ दिनों तक जलस्तर स्थिर रहा। अब दो दिन से हो रही भारी बारिश के बाद पानी में बढ़ोत्तरी देखी गयी है। हजरतपुर से पिपरा को जाने वाली सड़क तक पानी पहुंच चुका है। आस पास के गांव जलमग्न हो चुके हैं। रसूलपुर गांव को जाने वाली सड़क कहीं नहीं दिख रही है।

न्यूज ब्रीफ

पुत्रवधु ने ससुर से की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

संभल/ओबरी, अमृत विचार : असमोली के रतुपुर गांव निवासी कल्लन बुधवार की शाम करीब पांच बजे लड़के के मकान की तरफ से अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि पुत्रवधु रिहाना, पौत्री सुमायला, रिम्सा, पौत्र फैसल ने घर के बंटवारे को लेकर गाली गलोच शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की । कल्लन ने पुलिस को तहरीर दी तो पुलिस ने शनिवार की शाम केस दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गंगा में कूदने वाले युवक का नहीं लगा सुराग

बबराला, अमृत विचार : धनारी थाना क्षेत्र के गांव मुड़ैना निवासी उमाशंकर उर्फ लाड़ साहब पुत्र फतेह सिंह ने शुक्रवार देर रात राजघाट गंगा पुल से नदी में छलांग लगा दी थी। घटना के बाद से युवक का पता नहीं चल सका है। पीएसी, गाजियाबाद की बाढ़ राहत टीम मोटर बोट से गंगा में तलाशी अभियान चला रही है लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। जिससे परिजनों की उम्मीद टूट रही है। सोमवार को बारिश के बावजूद परिजन स्वयं भी गंगा किनारे तलाश करते रहे।

मुनाफे का झांसा देकर हैंडीक्राफ्ट कारोबारी से डेढ़ करोड़ की ठगी

मुरादाबाद, अमृत विचार : गलशहीद थाना क्षेत्र के कारोबारी से महिला साइबर अपराधी ने ट्रेडिंग के नाम पर एक करोड़ 64 लाख 96 हजार 474 रुपये ठग लिए। खुद को दिल्ली निवासी बताने वाली महिला ने कारोबारी से मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर यह रकम ट्रांसफर कराई है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। हैंडीक्राफ्ट कारोबारी की गलशहीद थाना क्षेत्र में ही फर्म है। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 मई 2025 को उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप मैसेज आया। मैसेज करने वाली ने नाम जियाना अरोड़ा व खुद को दिल्ली निवासी बताया। कहा कि पिछले पांच साल से ट्रेडिंग कर रही है। आप भी अगर ट्रेडिंग करते हैं तो अच्छा मुनाफा होगा। इसके बाद आरोपी ने व्हाट्सएप के जरिए एक लिंक उपलब्ध कराया। आईडी बनाई गई और प्रूफ जमा किया गया। कारोबारी ने 30 मई को पहली बार 40 हजार रुपये फोन पे से ट्रांसफर किए। जिसके बाद उन्हें 10480 रुपये का लाभ हो गया।

शौचालय की दीवार गिरी, मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला की मौत

सोमवार दोपहर बिसौली थाना क्षेत्र के गांव बसई में हुआ हादसा

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : दो दिन से लगातार हो रही रिमझिम और झमाझम बारिश से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। कच्चे व कमजोर मकान गिरने लगे हैं। बिसौली क्षेत्र के एक गांव में शौचालय की दीवार गिर गई। बुजुर्ग महिला मलबा में दब गई। परिजनों ने महिला को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। यह देखकर परिजनों में चीत्कार मच गया।

हादसा कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव बसई में हुआ। सोमवार दोपहर तेज बारिश हो रही थी। इसी दौरा गांव निवासी वीरवाला (56) पत्नी रमाकांत शौच के लिए घर के शौचालय में गई थीं। इसी दौरान शौचालय की दीवार भरभराकर गिर गई। वीरवाला दीवार के मलबा में दब गईं। दीवार गिरने की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण पहुंचे। महिला को मलबा से बाहर निकला। उनकी मौत हो गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कुछ समय के बाद राजस्व विभाग ने मौका मुआयना किया। वहीं क्षेत्र के गांव कालूपुर में एक पेड़ के सड़क पर गिरने की वजह से आवागमन प्रभावित हुआ।

दीवार गिरने से घायल लोग। ● अमृत विचार

गांव समदनगर में गिरा मकान।

समदनगर में गिरा मकान, परिवार के छह लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

इस्लामनगर, अमृत विचार : लगातार हो रही बारिश ने रविवार रात हादसा करा दिया। थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव समदनगर में रघुवीर का मकान भरभराकर गिर पड़ा। हादसे के वक्त परिवार के सभी लोग घर में मौजूद थे। मलबे में दबकर छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत से घायलों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस से रुदायन स्थित सीएचसी भिजवाया। घायलों में रघुवीर, उनकी पत्नी हरप्यारी, बेटी गीता, बेटा अनमोल और दो नाती करन व अर्जुन शामिल हैं। बताया जा रहा है कि खाना खाते वक्त मकान की छत का गाटर और मिट्टी अचानक ढह गई, जिससे सब दब गए। हरप्यारी की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। बाकी घायलों का भी उपचार जारी है। गनीमत यह रही कि हादसा रात में सोते वक्त नहीं हुआ, वरना जनहानि भी हो सकती थी।

तेज हवा में गिरा पेड़, बाल-बाल बचे स्कूली बच्चे

बिसौली, अमृत विचार : लगातार हो रही बरसात के चलते पेड़ों की जड़ों की मिट्टी धुलने से सोमवार को फर्रुखाबाद हाईवे पर कालूपुर के निकट सिरस का विशाल पेड़ अचानक सड़क पर गिर गिर गया। हाईवे पर पेड़ गिरने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। काफी देर वाद पेड़ का काट कर हटाया गया जिसके बाद यातायात शुय हो सका।

सोमवार को कालूपुर गांव के निकट एक पेड़ तेज हवा के चलते बीच सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि बच्चों से भरी डी पॉल स्कूल की बस वहां से गुजर रही थी, लेकिन चालक की सूझबूझ से बस रुक गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया, वे तत्काल मौके पर पहुंचकर अपने-अपने बच्चों को घर ले गए। इस दौरान सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सूचना पर प्रशासन ने जेसीबी मशीन मंगाकर पेड़ हटाने का कार्य शुरू कराया। लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात दोबारा बहाल हो सका।

मकान की कच्ची छत गिरी महिला गंभीर रूप से घायल

बारिश के दौरान छत गिरने से फैला मलबा। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव फरीदपुर चकोलर में सोमवार को तेज बारिश कहर बनकर टूटी। बारिश के दौरान गांव निवासी पिंटू के मकान की कच्ची छत अचानक भरभरा कर गिर गई। छत गिरने से उसकी चपेट में आने से उनकी पत्नी रीना (28) गंभीर रूप से घायल हो गई।

घायल रीना।

छत गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और मलबा हटाकर महिला को बाहर निकाला। परिजनों व ग्रामीणों की मदद से घायल रीना को तुरंत इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज बदायूं ले जाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। लोगों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण कई पुराने और कच्चे मकान जर्जर स्थिति में पहुंच गए हैं। जिससे ऐसे हादसों का खतरा बढ़ गया है।

लोगों को हेलमेट लगाने के लिए किया प्रेरित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: सोमवार से जिले भर में नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान की शुरुआत हो गई। इस अभियान के तहत यातायात प्रभारी ने पेट्रोल पंप संचालकों को बिना हेलमेट वाले वाहन चालकों को पेट्रोल न दिए जाने के निर्देश दिए। साथ ही वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित किया।

जागरुकता अभियान के तहत यातायात निरीक्षक अजय पाल सिंह द्वारा पेट्रोल पंप संचालकों से वार्ता की। उनके द्वारा पेट्रोल पंप संचालकों बिना हेलमेट एवं बिना सीट बेल्ट वाले वाहन चालन को डीजल-पेट्रोल न दिया जाने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को जागरूक करने हेतु पेट्रोल पंप पर फ्लेक्स लगाने को कहा। सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश भी यातायात प्रभारी द्वारा दिए गए। इस दौरान बिना हेलमेट पेट्रोल लेने पहुंचे दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के लिए उनके द्वारा प्रेरित किया गया।

हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित करते यातायात प्रभारी। ● अमृत विचार

बिजली गुल होने से 100 गांवों में छाया अंधेरा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बारिश होने से जिले भर की बिजली आपूर्ति चरमराई
- रविवार को शहर में 10 घंटे बिजली नहीं आई, लोग परेशान

अमृत विचार : रविवार दोपहर से शुरू हुई बारिश के बाद से पूरे जिले की बिजली सप्लाई ठप है। सोमवार को दूसरे दिन भी सप्लाई ठप रही। इससे लाखों उपभोक्ता परेशान रहे। विभाग का कहना है कि बारिश में बिजली घरों पर कुछ दिक्कत हो रही है जिससे बिजली सप्लाई ठप है। जबकि शहर में भी करीब 12 घंटे तक बिजली ठप रही।

रविवार दोपहर दो बजे से आकाश में काले बादल छा गए तभी से बारिश शुरू हो गई। बारिश शुरू होते ही बिजली गुल हो गई। ग्रामीण इलाकों के बिजली घरों से बिजली सप्लाई ठप हो गई। शहर के ढाक वाली जियारत स्थित बिजली घर से सप्लाई ठप रही। इससे 100 से अधिक गांवों में 30 घंटे से अंधेरा बना हुआ है। करौलिया बिजली घर से भी दूसरे दिन भी सप्लाई ठप रही। इससे 100 से अधिक गांवों को दो दिन तक बिना बिजली के गुजारने पड़े। इस क्षेत्र के ग्राम उनौला, बीबीपुर, बूंचे नगला, ईकरी, वसियानी, जखेली, खरखोली, इस्लामगंज, नैथू, खिरिया, झंडपुर, उदमई, कुतरई, सूरजपुर, उपरैला, सिमरिया रसूलपुर, उघैनी, मझिया, लखनपुर, गुलड़िया, सहित सौ से अधिक गांवों में तीस घंटे से बिजली सप्लाई ठप रही। इसी तरह बिनावर बिजली घर से रविवार को सप्लाई ठप हो गयी जिससे करीब 108 गांवों में उपभोक्ताओं को पानी का संकट पैदा हो गया। बिजली घर में पानी भर जाने पर यहां हर वार दो तीन दिन तक सप्लाई बाधित रहती है। उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उघैती बिजली घर से दो दिन से बिजली आपूर्ति बाधित है।

> बारिश में बिजली घरों पर दिक्कत होती है। कुछ बिजली घरों में पानी भर जाता है तो कहीं पर सप्लाई देने में तकनीकी दिक्कत आती है। इस बार भी बिजली घरों से सप्लाई बाधित रही। कुछ जगहों पर शुरू कर दी गई है। शेष बिजली घरों से भी जल्द सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।
>
> **– अखिलेश कुमार** – अधीक्षण अभियंता

सुबह 8 बजे गई बिजली शाम 6 बजे आई

शहर में रविवार को सुबह 8 बजे बिजली गुल हो गई, जो शाम 6 बजे शुरू हुई। बिजली गुल होने से जिला अस्पताल में भी अंधेरा छाया रह। महिला अस्पताल में कूलर पंखे बंद रहे सभी वार्डों में अंधेरा रहा। प्रसव कक्ष से लेकर ऑपरेशन वार्ड में भी महिलाएं बिजली किल्लत से जूझती रहीं। कुछ देर के लिए जनरेटर चलाया गया जो बाद में बंद कर दिया गया। शहर के अन्य इलाकों में भी दिन भी बिजली गुल रही। लोगों को अपने संसाधनों से काम चलाना पड़ा। नवादा बिजली घर से काफी देर तक सप्लाई ठप रही जिससे शहर के पनबड़िया बिजली घर की लाइन भी बंद रही।

शोषण करने का आरोप लगा सौंपा ज्ञापन

ब्लॉक प्रमुख अतेंद्र बिक्रम सिंह को ज्ञापन देते व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, उसहैत,

अमृत विचार : कटरा, खेड़ा जलालपुर के खाद, बीज व्यापारियों ने विभागीय अधिकारियों की तानाशाही से आए दिन आ रही समस्याओं को लेकर ब्लॉक प्रमुख अतेंद्र विक्रम सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

सोमवार को यहां पहुंचे ब्लॉक प्रमुख अतेंद्र विक्रम सिंह को व्यापारियों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया। व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि खाद व बीज व्यापारियो को किसी भी अधीनस्थ के द्वारा शोषण नहीं किया जाएगा। उनके क्षेत्र में उनकी सहमति के बिना कोई अधिकारी व्यापारियों की दुकानों पर नहीं पहुंचे कृषि अधिकारी के साथ खाद व बीज व्यापारियो की बैठक करेंगे। व्यापारियों ने कहा जिला कृषि अधिकारी द्वारा व्यापारियों का शोषण किया जा रहा है। नियमों और मानकों को पूर्ण करने को पहले से कभी अवगत नहीं कराया जाता है। वर्तमान में सारे नियम और मानकों को पूर्ण करना आसान नहीं है। इस मौके पर शिशुपाल भगवत शरण गुप्ता, ध्रुव देव गुप्ता, छवि गुप्ता, रतनदीप गुप्ता, राजेश भारद्वाज, मुअज्जम अली, साबिर अली सहित उसहैत, कटरा, खेड़ा जलालपुर, आदि के खाद एवं बीज व्यापारी मौजूद रहे।

एसपी ने चार की छीनी थानेदारी कइयों को इधर से उधर किया

संभल, अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक ने लापरवाह कार्यप्रणाली वाले चार थाना प्रभारियों की थानेदारी छीन ली है। कई थाना प्रभारियों को इधर से उधर किया गया है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने नखासा थाना प्रभारी रजनीश कुमार को डायल यूपी 112 का प्रभारी बनाया है। ऐंचोड़ा कंबोह के प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार बालियान को नखासा का नया प्रभारी नियुक्त किया। जुनावई के थाना प्रभारी उमेश सिंह को पुलिस लाइन भेज दिया गया है। स्वाट टीम प्रभारी लोकेंद्र त्यागी को कुढ़ फतेहगढ़ का प्रभारी बनाया है। बनियाठेर थाना प्रभारी मेघपाल सिंह को जुनावई का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया। रेनू कुमारी को प्रभारी डायल यूपी 112 से प्रभारी निरीक्षक महिला थाना की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने अपने पीआरओ मनोज कुमार वर्मा को बनियाठेर का थाना अध्यक्ष नियुक्त किया है। वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहित कुमार काजला को ऐंचोड़ा कंबोह थाना प्रभारी बनाया गया है। कैला देवी थाने के प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह को जन शिकायत प्रकोष्ठ का प्रभारी बना दिया। पुलिस लाइन से सौरभ त्यागी को थाना अध्यक्ष कैला देवी नियुक्त किया। पुलिस लाइन से लवनीश कुमार को एसपी ने पीआरओ बनाया है। निरीक्षक पूनम राठी, विनोद कुमार मिश्रा, पूनम कुमारी, संदीप राज सिंह, अखिलेश गंगवार को गैर जनपद स्थानांतरण की वजह से उनके पदों से हटाया गया है।

चिट्ठी लेकर आ गये, बादल मन के गांव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बिहारी लाल सरस्वती विद्या मंदिर में कवियों ने बांधा समां

अमृत विचार: प्रवाह साहित्य संस्थान ने बिहारी लाल सरस्वती विद्या मंदिर में काव्य गोष्ठी का आयोजन कवि चन्द्र मोहन पाठक के संयोजन में किया। कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा और वाहवाही पाई।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि चंद्रशेखर दीक्षित ने कविता सुनाई बाहर से आकर रहे यहां, अपना इतिहास बताते हैं। 10 पीढ़ी छप्पर में बीती, कालोनी पा बन जाते हैं। वरिष्ठ गीतकार विजय ठाकुर ने गीत गुनगुनाया लापरवाही की लोनी जो खाती रही सदा, आर पार अब छेद हो गए उन दीवारों में।

अब न मरम्मत की गुंजाइश घुने किवाड़ों में। कवि सुशील दीक्षित विचित्र ने सुनाया मचा है शोर, जिंदगी पी गए, चन्द चोर जिंदगी पी गए कभी कुत्तों से नोची गयी, कुछ सूदखोर जिंदगी पी गए। नवगीतकार डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री ने पावस ऋतु के दोहे सुनाये चिट्ठी लेकर आ गये, बादल मन के गांव। डाली- डाली झूमती, पायल बांधे पांव। व्यंग्यकार उमेश सिंह ने व्यंग्य गजल पढ़ी कुटिल जनों को पहले वंदन, जय रघुनंदन, जय रघुनंदन। गुंडे, डाकू औ चोरों का, होता थाने पर अभिनंदन। कवि कमलेश द्विवेदी ने ओज की कविता सुनाई मत उलाहना दो जगत को नया जग साकार कर लो, पंक की भीषण सड़न में पंकजी प्रासार कर लो। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार तिवारी ने सभी कवियों का स्वागत किया। गोष्ठी में प्रमुख रूप से रमेश सक्सेना, अरुण मिश्रा, अमित सैनी, वीरेन्द्र सिंह विष्ट और रामपाल सक्सेना आदि उपस्थित रहे। गोष्ठी का संचालन डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री ने किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
मैंने अपने इकलौते पुत्र सुनील शर्मा जो विवाहित है के गलत व्यवहार के चलते उससे संबन्ध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **रामकली बेवा रामऔतार हरीनगर ईंधजागीर नवाबगंज बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र दिनेश कश्यप और उसकी पत्नी कमलेश को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **नत्थो देवी पत्नी राजाराम निवासी कहरान रिठौरा रेड़थौरा थाना हाफिजगंज जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपनी पुत्री महविश अंसारी को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। हमारा उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **हसनैन पुत्र नबी अहमद व परवीन बानो पत्नी हसनैन निवासी ग्राम चन्दपुर काजियान तहसील मीरगंज जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

युवक ने किया हंगामा, नशेड़ी समझकर छोड़ा

संवाददाता, उघैती

- युवक के हंगामा करने पर मंदिर में आयोजित राधा अष्टमी कार्यक्रम किया स्थगित

अमृत विचार : उघैती कस्बे में नशेड़ी ने स्टेट हाईवे से लेकर, प्रसव केंद्र और मंदिर परिसर में जमकर हंगामा काटकर लोगों को परेशान किया। जिसकी वजह से मंदिर में आयोजित राधा अष्टमी कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। पुलिस ने देर रात प्रसव केंद्र से उसको पकड़ लिया, लेकिन कई जगह से जख्मी एवं अत्यधिक नशे की वजह से छोड़ दिया।

रविवार रात हाईवे स्थित राधा कृष्ण मंदिर पर राधाअष्टमी कार्यक्रम के अंतर्गत भजन कीर्तन कार्यक्रम चल रहा था। तभी नशे में धुत हंगामा काटने लगा। मंदिर परिसर में लोगों ने उसको हटाने का प्रयास किया तो वह सभी पर आक्रामक हो गया। बमुश्किल मंदिर से बाहर निकाल दिया गया। फिर वह हाईवे पर लेट गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की पुलिस टीम ने स्थानीय फोर्स को बुलाकर मौके से हटाया। सुबह करीब तीन बजे वह हाईवे स्थित प्रसव केंद्र पर पहुंच गया। वहां मौजूद एएनएम महिलाओं के प्रसव की तैयारी कर रही थी, उसने हंगामा काटना शुरू कर दिया और एक बेड पर जाकर लेट गया। इसके बाद डरे सहमे लोग कमरे में बंद हो गए। एएनएम की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस पहुंची, तो उसके शरीर पर जख्मों एवं नशे की हालत देखकर घर छोड़ आई। सुबह फिर हाईवे पर उत्पात मचाना शुरू किया तो पुलिस के आने की भनक लगते ही वह फरार हो गया है। प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। नशेड़ी के साथ मानसिक रोगी भी बताया गया है। परिवार का कोई सदस्य यहां नहीं रहता है। निश्चित ही कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे पर लेटकर हंगामा करता युवक। ● अमृत विचार

दूषित पानी से लोगों को मिलेगा छुटकारा

नगर पालिका ईओ को आदेश की कॉपी देकर लौटते आन्दोलनकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- हाईकोर्ट ने ग्रामीणों की समस्या का लिया संज्ञान, निस्तारण करने के दिए आदेश
- आन्दोलनकारियों ने ईओ को सौंपी आदेश की कॉपी

अमृत विचार : उझानी नगर पालिका का दूषित पानी नरुउ गांव में बह रहा है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए ग्रामीण दो माह से आंदोलन कर रहे हैं। समाधान न होने पर ग्रामीणों ने उच्च न्यायालय में रिट दायर की थी। इसका गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने नगर पालिका को समस्या का समाधान जल्द किए जाने का आदेश दिया है। साथ ही कहा है कि जब तक समस्या का समाधान नहीं होता तब तक कोर्ट निगरानी करेगा। कोर्ट के आदेश की कॉपी आन्दोलनकारियों ने सोमवार को नगर पालिका पहुंचकर नवागत ईओ को सौंपी है।

ग्रामीण समस्या को लेकर 72 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। उच्च न्यायालय में डाली गई याचिका पर फैसला आने पर उसकी कॉपी आंदोलनकारी ग्रामीणों ने पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह के नेतृत्व में नगर पालिका पहुंचकर नवागत ईओ विनय पांडे को सौंपी। जिस पर ईओ ने जल्द समस्या का समाधान कराए जाने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। इस मौके पर इगलास हुसैन, वीरपाल यादव, मुजाहिद रजा, कृष्णपाल, राजाराम, रामकुमार, भगवान दास, छोटेलाल सहित तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

तीन किमी से अधिक दूरी के उच्च प्राथमिक विद्यालयों का विलय नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ

- सरकार की ओर से हाईकोर्ट में दिया गया जवाब

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सोमवार को विद्यालयों के विलय के मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान दौरान राज्य सरकार की ओर से पूरक जवाबी शपथ पत्र दाखिल किया गया। जिसमें इस बात को स्पष्ट किया गया है कि एक किलोमीटर से कम दूरी वाले तथा जिन विद्यालयों में 49 से अधिक बच्चे हैं, उनकी पेयरिंग नहीं की जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया है कि तीन किलोमीटर से अधिक दूरी के उच्च प्राथमिक विद्यालयों का भी विलय नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने सरकार के उक्त पूरक शपथ पत्र को रिकॉर्ड पर लेते हुए अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तिथि नियत की है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने दिया है। सीतापुर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह के उक्त पूरक शपथ पत्र के साथ राज्य सरकार के 27 अगस्त 2025 के शासनादेश को भी दाखिल किया गया है। जिसमें सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जिन प्राथमिक विद्यालयों के एक किलोमीटर तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के तीन किलोमीटर से अधिक दूरी के बावजूद पेयरिंग की गई है, उन्हें निरस्त कर दिया जाए। कहा गया कि शासनादेश का सख्ती से अनुपालन करने के निर्देश सभी अधिकारियों को भी दिए गए हैं। पूरक शपथ पत्र में कहा गया है कि नए निर्देशों के तहत सीतापुर में सिर्फ 77 विद्यालयों की पेयरिंग की गई है। उल्लेखनीय है कि याचियों की ओर से अधिवक्ता गौरव मेहरोत्रा व अन्य ने भी यही दलील दी थी कि 50 बच्चों वाले तथा एक किमी से अधिक दूरी वाले विद्यालयों की पेयरिंग नहीं की जानी चाहिए।

योगी जी मेरा एडमिशन करवा दीजिए, डॉक्टर बनूंगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से मिली कानपुर की नन्ही मायरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी जी मेरा एडमिशन करा दीजिए, मैं बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूं। यह बात सोमवार को जनता दर्शन में कानपुर से अपनी मां नेहा के साथ आई नन्ही मायरा ने कही। मासूम मायरा को देख मुस्कुराते हुए योगी ने पहले हालचाल जाना, फिर पूछा कि क्या बनना चाहती हो। इस पर मायरा ने जवाब दिया- डॉक्टर। यह सुन मुख्यमंत्री ने पहले उसे चॉकलेट दी, फिर अधिकारियों को एडमिशन कराने का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मायरा की मां नेहा ने एडमिशन के लिए आवेदन दिया। सीएम ने पूछा तो नेहा बोली-कानपुर से आए हैं, स्कॉर्ट्स वर्ल्ड स्कूल में एडमिशन कराना है। इसके बाद मायरा से मुखातिब सीएम ने पूछा क्या बनेगी- जिस पर उसने तपाक से जवाब दिया-डॉक्टर। बच्ची की मासूमियत पर सीएम मुस्कुरा उठे। नन्ही मायरा ने पत्रकारों को बताया कि कि योगी बाबा ने कहा है कि एडमिशन हो जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की दी जानकारी

शासन के अधिकारियों ने सोमवार को कानपुर के एस्काटर्स वर्ल्ड स्कूल से मायरा के एडमिशन के संदर्भ में जानकारी ली। इस पर शाम होने से पहले ही एस्काटर्स वर्ल्ड स्कूल के-1, केशवपुरम कानपुर नगर के प्रधानाचार्य सुधीर तिवारी ने बीएसए व शासन के अधिकारियों को प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी।

50 शिकायतें आईं, मुस्कान लेकर लौटे फरियादी

जनता दर्शन में सितंबर की पहली सुबह मुख्यमंत्री आवास पहुंचे 50 फरियादी मुस्कान लेकर लौटे। मुख्यमंत्री योगी ने उनकी समस्या जानी और प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी की समस्याओं का निराकरण हो और हर पीड़ित से फीडबैक भी लिया जाय।

जनता दर्शन के दौरान बच्ची मायरा को चॉकलेट देते मुख्यमंत्री योगी।

न्यूज ब्रीफ

101 विद्यालयों में बनाई गई अटल टिंकरिंग लैब

अमृत विचार, लखनऊ : माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाने पर जोर है। इसके तहत प्रदेश के 778 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) लैब स्थापित की जा चुकी है। 1084 विद्यालयों में आईसीटी लैब और 1236 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित किए जाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इसी कड़ी में 101 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की गई है, जहां छात्र प्रयोग के माध्यम से विज्ञान और तकनीक की गहराई से समझ हासिल कर सकेंगे।

बाल वाटिकाओं की संख्या बढ़कर 70 हजार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अब बाल वाटिकाओं की कुल संख्या बढ़कर 70 हजार से अधिक हो गई है। यहां लर्निंग कॉर्नर व वंडर बॉक्स की मदद से तीन वर्ष से लेकर छह वर्ष तक की आयु के बच्चों को रोचक ढंग से पढ़ाई कराई जा रही है। प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्री-प्राइमरी स्कूलों के तौर पर चलाई जा रहीं इन बाल वाटिकाओं में बाल मैत्रीय फर्नीचर रंग-बिरंगे कक्षा कक्ष भी बनाए गए हैं। आउटडोर गेम की व्यवस्था भी की गई है। अब यहां वंडर बॉक्स भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वंडर बॉक्स में 26 तरह की सामग्री हैं। जिसमें आकार सुडोकू, चेहरों की पहेली, नंबर कार्ड, 10 वृत्त पहेली गुड़िया बनाओ व अन्य सामग्री शामिल हैं। लर्निंग कॉर्नर की भी व्यवस्था की जा रही है।

महानिदेशक बने डॉ.पवन कुमार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में परिवार कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. दिनेश कुमार सिंह सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनकी जगह, महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ.पवन कुमार अरूण को स्थायी नियुक्ति होने तक अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। यह आदेश प्रमुख सचिव के निर्देश पर चिकित्सा अनुभाग-दो से सोमवार को जारी कर दिया गया है।

भाजपा ने विदेश नीति को बर्बाद किया : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा है कि भाजपा-आरएसएस ने भारत की विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। दुनिया के तमाम मित्र देशों ने साथ छोड़ दिया है। अभी आपरेशन सिंदूर के दौरान पड़ोसी देश भी साथ नहीं खड़े हुए। तब हमलावर पाकिस्तान को चीन हर प्रकार की मदद कर रहा था। जिस अमेरिका से बड़ी दोस्ती थी, उसने व्यापार पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के साथ ही और कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी दी है। घबराई भाजपा सरकार अब चीन की शरण में पहुंच गई है। जिसका ट्रैक रिकार्ड भारत से दुश्मनी का ही रहा है।

आईआईएम सिखाएगा पंचायतों का प्रबंधन

अमृत विचार, लखनऊ : शहर के सीतापुर रोड स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत व ग्राम पंचायतों में बेहतर प्रबंधन के गुर सिखाएगा। पंचायती राज विभाग ने प्रशिक्षण की कार्य योजना बनाई है और संस्था से एमओयू होते ही शेड्यूल बनाकर जनप्रतिनिधियों और विकास से जुड़े अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायतों के विकास के लिए बेहतर प्रबंधन और नेतृत्व करना बेहद जरूरी है। इसको देखते हुए पंचायत राज विभाग आईआईएम से एमओयू करके प्रदेश स्तरीय पांच दिवसीय 'मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम' कराएगा।

गंभीर बीमार बंदियों की समय पूर्व रिहाई के नियम होंगे सरल : योगी

मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी नीति बनाने को लेकर की बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित बंदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित नियमों को और अधिक सरल, स्पष्ट व मानवीय दृष्टिकोण से परिभाषित किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि प्राणघातक रोग से ग्रस्त बंदियों, वृद्ध व असहाय बंदियों की वास्तविक संख्या जानने के लिए सर्वेक्षण कराएं। इनकी प्राथमिकता के साथ रिहाई होगी। इसके लिए उन्हें अलग से आवेदन न करना पड़े।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी नीति बनाने को लेकर निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नीति को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पात्र बंदियों की रिहाई स्वतः विचाराधीन होनी चाहिए और इसके लिए उन्हें अलग से आवेदन न करना पड़े। ऐसे लोगों का प्रदेश के सभी कारागारों में सर्वेक्षण कर वास्तविक संख्या का आकलन किया जाए। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर रिहा करने की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कैदियों को कृषि, गोसेवा आदि कार्यों से जोड़कर उनकी जेल अवधि के सदुपयोग करने के लिए व्यवस्था बनाने की भी आवश्यकता बताई।

बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सुझाई गई प्रणाली को प्रदेश में अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि बंदियों को न्यायिक अधिकारों का लाभ सुचारू रूप से मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, त्वरित और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित होनी चाहिए तथा जल्द ही नई नीति का प्रारूप तैयार कर अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाए।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं को लेकर समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

वर्ष में तीन बार हो समीक्षा

नियमों में बदलाव पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष तीन बार जनवरी, मई और सितंबर में पात्र बंदियों के मामलों की स्वतः समीक्षा की व्यवस्था हो। यदि किसी बंदी को रिहाई न दी जाए तो उसके कारण स्पष्ट रूप से दर्ज किए जाएं और उसे यह अधिकार मिले कि वह उस निर्णय को चुनौती दे सके।

जघन्य अपराधों में रिहाई कतई नहीं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जेल मैनुअल में यह भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना आवश्यक है कि किन बीमारियों को असाध्य रोग की श्रेणी में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए समयपूर्व रिहाई उन्हीं मामलों में की जानी चाहिए, जहां से सामाजिक जोखिम न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि हत्या, आतंकवाद, देशद्रोह, महिला और बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराध जैसे मामलों में रिहाई कतई नहीं की जानी चाहिए।

पिछड़े वर्ग के उत्थान को खुलेगा शोध संस्थान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए शोध संस्थान खुलेगा। इसके साथ ही, निशुल्क कोचिंग सेंटर व नया आयोग भवन स्थापित होगा। सोमवार को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में ये फैसले लिये गये। बैठक में अन्य पिछड़े वर्गों के उत्थान व विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विमर्श किया गया। पिछड़ा वर्ग शोध संस्थान की स्थापना का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसके साथ ही प्रदेश के गरीब व जरूरतमंद अन्य पिछड़े वर्गों के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद देने के लिए निशुल्क कोचिंग सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

योगी से मिलने के बाद संजय निषाद का यू-टर्न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा से गठबंधन तोड़ने की धमकी से पीछे हटे

अमृत विचार: निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने के बाद यू-टर्न ले लिया है। इससे पहले भाजपा से गठबंधन तोड़ने की धमकी दे रहे संजय निषाद ने सुर बदलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हमारे अभिभावक और मार्गदर्शक हैं और मेरी भाजपा से कोई नाराजगी नहीं है।

दरअसल, बीते दिनों संजय निषाद ने भाजपा को दो टूक कह दिया था कि अगर सत्ताधारी पार्टी को लगता है कि हमसे कोई फायदा नहीं है तो गठबंधन तोड़ दें, हम तैयार है। उनकी धमकी के बाद से तमाम तरह की चर्चाएं चलने लगी थीं। इस बैठक के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है।

13 पीसीएस अधिकारियों का तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने 13 पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। इस कड़ी में सहकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक राजकुमार मित्तल को अपर जिलाधिकारी (नगर ट्रांसगोमती), लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राम प्रकाश अपर जिलाधिकारी (वित्त) महोबा को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण, कुंवर पंकज मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज को अपर जिलाधिकारी (वित्त) महोबा, नवीन चंद्र उप जिलाधिकारी उन्नाव को अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) मेरठ, ज्योति राय उप निदेशक पशुपालन निदेशालय को अपर जिलाधिकारी (वित्त) बलरामपुर, प्रदीप कुमार अपर जिलाधिकारी (वित्त) बलरामपुर को उप निदेशक पशुपालन निदेशालय, सुनंदू सुधाकरन अपर जिलाधिकारी (वित्त) सुल्तानपुर को अपर आयुक्त वाराणसी मंडल तैनात किया गया है। अंजली गंगवार एसडीएम कासगंज को प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ लखनऊ, कुमार सिंह यादव एसडीएम पवन कुमार एसडीएम बाराबंकी को प्रधान प्रबंधक सहकारी चीनी मिल संघ लखनऊ, राज महोबा को एडीएम (न्यायिक) बाराबंकी, मो. कमर अपर नगर आयुक्त झांसी को उप निदेशक महिला कल्याण निदेशालय, राहुल कुमार यादव प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ को अपर नगर आयुक्त झांसी और राकेश सिंह अपर जिलाधिकारी (नगर ट्रांस गोमती) को अपर जिलाधिकारी (वित्त) सुल्तानपुर, बनाया गया है।

वन्यजीव तस्कर गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने उन्नाव के सदर कोतवाली स्थित तालीब सराय में की कार्रवाई

अमृत विचार : एसटीएफ ने सोमवार को संरक्षित वन्यजीव तस्करी गिरोह का खुलासा किया। इस गिरोह की दो महिला तस्करों को उन्नाव के सदर कोतवाली स्थित तालीब सराय से दबोचा। आरोपियों के पास से 85 तीतर और 70 टुईयां तोता समेत कई अन्य पक्षी और सामान बरामद किया है। एसटीएफ के मुताबिक, यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर का है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

डिप्टी एसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, पकड़ी गई महिला तस्करों में तालीब सराय निवासी मो. इदरीश की पत्नी राफिया और मो. सगीर की पत्नी गुरनाज शामिल है। दोनों के पास से 85 तीतर, 70 टुईयां तोता, 15 रेड मुनिया, आठ रिंग नेक पैरेट, 10 ट्राई कलर मुनिया के अलावा सिल्वर व्हील, एलक्जेंडराइज पैरेट, लेजरव्हीस्लिंग टील बरामद किया है। डिप्टी एसपी के मुताबिक, गिरोह का सरगना राफिया का पति इदरीश है। स्थानीय स्तर पर वन्य जीव को जुटाता है। इसके बाद बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में तस्करों को इन्हें ऊंचे दाम पर बेचा जाता है। साथ ही यह भी बताया कि पहाड़ी तीतर के मांस को स्थानीय बाजार में भी महंगे दामों पर सप्लाई किया जाता है। अभियुक्त ने बताया कि लाल मुनिया एवं तोता प्रतिबंधित एवं संरक्षित प्रजाति के पक्षी हैं। जिनको वन विभाग द्वारा गेट एक ही श्रेणी में रखा गया है। इस मामले में एसटीएफ ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ उन्नाव कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में बारिश के बीच अपने बच्चे को छाता लगाकर भीगने से बचाती महिला। अमृत विचार

कैबिनेट की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल बैठक मंगलवार को होगी। लोकभवन में होने वाली इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। दरअसल, संभल को लेकर सामने आयी न्यायिक रिपोर्ट के मद्देनजर इस बार की कैबिनेट बैठक काफी अहम होने वाली है। बैठक में संभल की न्यायिक रिपोर्ट रखी जाएगी और उस पर चर्चा भी होगी। रिपोर्ट के आधार पर संभल में आगे की सरकारी कवायद पर निर्णय भी हो सकता है।

मेडिकल कॉलेजों के आरक्षण संबंधी शासनादेश रद्द करने के खिलाफ अपील

हाईकोर्ट ने पूछा, एकल पीठ के निर्णय में क्या है कमी, सुनवाई आज

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने अंबेडकर नगर, कन्नौज, जालौन व सहारनपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण के संबंध में पारित शासनादेशों को रद्द करने के एकल पीठ के निर्णय के विरुद्ध विशेष अपील दाखिल की गई है। सोमवार को उक्त अपील पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार के अधिवक्ताओं से पूछा है कि उक्त निर्णय में क्या कमी है। मामले की सुनवाई मंगलवार को होगी।

न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई हुई। न्यायालय ने अपीलार्थी के वरिष्ठ अधिवक्ता जेएन माथुर को स्पष्ट करने को कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों व आरक्षण सम्बंधी प्रावधानों पर विचार के उपरांत पारित एकल पीठ के उक्त 25 अगस्त के निर्णय में क्या कमी है। उल्लेखनीय है कि एकल पीठ ने यह पाते हुए कि शासनादेशों 20 जनवरी 2010, 21 फरवरी 2011, 13 जुलाई 2011, 19 जुलाई 2012, 17 जुलाई 2013 व 13 जून 2015 के जरिए आरक्षित वर्ग के लिए को 79 प्रतिशत से अधिक सीटें सुरक्षित की गई हैं, उक्त शासनादेशों को निरस्त कर दिया है, साथ ही उक्त कॉलेजों में आरक्षण अधिनियम, 2006 का सख्ती से अनुपालन करते हुए, नये सिरे से सीटें भरने का आदेश दिया है। याची के अधिवक्ता मोतीलाल यादव ने दलील दी थी कि उक्त मेडिकल कॉलेजों में राज्य सरकार के कोटे की कुल 85-85 सीटें हैं, जबकि सिर्फ 7-7 सीटें अनारक्षित श्रेणी के लिए रखी गई हैं। वहीं महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा व ट्रेनिंग की ओर से दलील दी गई थी कि इंदिरा साहनी मामले में शीर्ष अदालत यह स्पष्ट कर चुकी है कि 50 प्रतिशत की सीमा अंतिम नहीं है, इससे अधिक आरक्षण दिया जा सकता है। हालांकि, एकल पीठ इस दलील से सहमत नहीं हुई व कहा कि उक्त सीमा सिर्फ नियमों का पालन करते हुए, बढ़ाई जा सकती है।

ओवर ब्रिज पर खड़े ऑयल टैंकरों को हटाने के लिए बनी कमेटी

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि अमौसी ओवर ब्रिज पर गैर कानूनी तरीके से खड़े ऑयल टैंकरों को हटाने के लिए डीसीपी, ट्रैफिक ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस पर कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 अक्टूबर की तिथि नियत करते हुए, डीसीपी ट्रैफिक से कार्यवाही की रिपोर्ट तलब की है। साथ ही अगली सुनवाई पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने का भी आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने शिव मोहन की जनहित याचिका पर दाखिल किया। याचिका में कहा गया है कि अमौसी ओवर ब्रिज पर गैर कानूनी तरीके से ऑयर टैंकर पार्क होते हैं जिनसे न सिर्फ ट्रैफिक की असुविधा होती है, बल्कि खतरा भी उत्पन्न हो रहा है।

योजना | 63 प्रतिशत युवाओं ने लिया सेवा क्षेत्र के उद्यम लगाने के लिए बैंक से ऋण

उद्यम लगाने में प्रदेश के युवाओं को भा रहा सेवा क्षेत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सीएम युवा उद्यमी योजना में प्रदेश के युवाओं को सेवा क्षेत्र के उद्योग ज्यादा भा रहे हैं। इनमें भी खाद्य उद्योग ज्यादातर युवाओं की पंसद है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि योजना के तहत 63 प्रतिशत युवाओं ने सेवा क्षेत्र के उद्यम लगाने के लिए बैंकों से ऋण लिया है, जबकि उत्पादन क्षेत्र में इन युवाओं की भागीदारी 37 प्रतिशत है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में लगी राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को उद्यमी बनाने में जुटी है। उद्योगों की संख्या बढ़ाकर युवाओं को भरपूर रोजगार उपलब्ध कराने पर फोकस है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत ब्याजमुक्त पांच लाख रुपये का ऋण राष्ट्रीयकृत बैंकों से दिलाया जा रहा है।

उद्योग विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश दिवस 24 जनवरी 2025 को लांच की गई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत अब तक 79,814 युवाओं को 3500 करोड़ रुपये बतौर ऋण दिया जा चुका है। योजना में युवा महिलाएं भी खूब भागीदारी कर रही हैं। ऋण लेने वालों में 71 प्रतिशत पुरुष व 29 प्रतिशत महिला उद्यमी शामिल हैं। कुल ऋण लेने वाले युवाओं में 33.7 प्रतिशत सामान्य वर्ग, 49 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग व दो प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग शामिल हैं। इन वर्गों के युवाओं ने आरक्षण के तहत नहीं, बल्कि स्वतः रुचि लेकर अपनी भागीदारी तय की है।

नए उद्यमियों को किया जा रहा जागरूक : यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में उद्योग विभाग की ओर से नियुक्त किये गये सीएम युवा उद्यमी फेलो युवाओं को जागरूक करेंगे। उद्योग विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। उद्यमी फेलो युवाओं को उद्योग लगाने से लेकर बैंक से ऋण स्वीकृत कराने में अपना सहयोग देंगे।

इस वर्ष डेढ़ लाख युवाओं को ऋण दिलाने का लक्ष्य

उद्योग विभाग के संयुक्त निदेशक सर्वेश्वर शुक्ला ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष डेढ़ लाख युवाओं को इस योजना के तहत ऋण दिलाने का लक्ष्य है, जिसमें अब तक 51,144 युवाओं को 2100 करोड़ रुपये का ऋण दिया जा चुका है। उन्होंने बताया कि खाद्य उद्योग में जहां ज्यादा लोगों को रुचि हैं, वहीं इसके बाद युवा टेलरिंग, बुटीक, ब्यूटी पार्लर आदि पर जोर दे रहे हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में होगा उद्योग विभाग का कॉन्क्लेव

युवाओं को भागीदारी बढ़ाने के लिए उद्योग विभाग ग्रेटर नोयडा में 25 सितंबर से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में शामिल होगा। विभाग की ओर से कॉन्क्लेव आयोजित होगा, जिसमें उद्यमियों को जागरूक किया जाएगा।

700 करोड़ से प्लांट लगाएगा कोका कोला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री गोरखपुर को 4 सितंबर को देंगे बॉटलिंग प्लांट समेत 2251 करोड़ की सौगात

अमृत विचार : मल्टीनेशनल कंपनी पेप्सिको के बाद कोका कोला का बॉटलिंग प्लांट भी गोरखपुर में लगने जा रहा है। यह प्लांट अमृत बॉटलर्स द्वारा 700 करोड़ रुपये के निवेश से लगाया जाएगा। इससे 1200 लोगों को रोजगार मिलने का दावा किया जा रहा है।

बॉटलिंग प्लांट की स्थापना के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास 4 सितंबर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा प्लास्टिक पार्क में 120 करोड़ रुपये के निवेश से बनी तीन औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण, 640 करोड़ रुपये के निवेश वाली तीन यूनिट्स का शिलान्यास, औद्योगिक भूमि के आवंटन पत्र का वितरण, 400 करोड़ रुपये की लागत वाली कालेसर आवासीय योजना सेक्टर 11 के आवंटन पत्र का वितरण, सीईटीपी व सीपेट का शिलान्यास और 281 करोड़ रुपये के अवस्थापना विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाना भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री निजी क्षेत्र व गीडा की कुल मिलाकर 2251 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

हिंदुओं की घटती संख्या चिंता का विषय:प्रमोद कृष्णम

कल्कि धाम में प्रवचन करते आचार्य प्रमोद कृष्णम।

संभल, अमृत विचार: कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि संभल में हिंदुओं की घटती जनसंख्या चिंता का विषय है। संभल सहित देश के अनेकों भागों में बिगड़ता संतुलन देश को एक और बंटवारे की तरफ ले जाएगा।

ऐंचोड़ा कंबोह कल्कि धाम में मासिक सत्संग में प्रवचन करते हुए आचार्य ने कहा कि देश में ही कई जगह हिंदू अल्पसंख्यक हो गया है। भारत की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ी चुनौती नजर आ रही है। कहा कि श्री कल्कि धाम हमारी आस्था का हिमालय है। यह उस संघर्ष का परिणाम है जो लगातार सरकारों और अदालतों में चला। अटूट आस्था को तब संबल मिला जब प्रधानमंत्री ने कल्कि धाम का शिलान्यास किया।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015,
ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com,
शाखाः प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली-243001

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी–9918301885, आरआरएम– हरिश चंद यादव, 7060411785
सीएलएम – शान्तनु प्रताप सिंह–9918837339, सीआरएम–दीपक कुमार शर्मा – 9359650607

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी एक्ट) 2002 के अंतर्गत प्रतिभूतिहित नियम 2002 के नियम 13(2) के अन्तर्गत यह सूचना जारी की जाती है।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड से प्राप्त किये गये ऋण जोकि एनपीए हो चुके हैं व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्नवर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्नवर्णित ऋणियों एवं जमानतदारों को वित्तीय आस्तियों के प्रतिभुतिकरण एवं पुनर्गठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांकों को पंजीकृत डाक पावती सहित /स्पीड पोस्ट/कोरियर द्वारा आप सभी को भेजी गयी थी, जिसकी पावती प्राप्त नही हुई/जो बिना तामील वापस प्राप्त हो गयी है। मांग सूचना निम्नांकित दिनांकों में हमने आशय को स्पष्ट कर दिया था, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शायी राशि 60 दिनों के अन्दर जमा नही करायी गयी तो उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक में बंधक सम्पत्तियाँ जो कि निम्नलिखित ऋणियों/जमानतदारो के नाम है, उनका आधिपत्य ले लिया जायेगा और कब्जा सूचना/ई-नीलामी सूचना में कर्जदार व गारंटरों की फोटो प्रकाशित की जायेगी। बकाया राशि का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र सं.	खाता नं. / कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर के नाम और एनपीए की तारीख	मांग सूचना की तारीख / बकाया राशि	सिक्योर्ड आस्तियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000001843, श्री अयुव खान और श्री राजेश कुमार, दोनों, गांव– ललौरी खेड़ा, 1 शहरी, पीलीभीत, यू.पी. 262001 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-07-2025	10-07-2025 ₹ 1550490 दिनांक 09.07.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	ग्राम– एहतमाली, मोहल्ला– बेनीपुर चौधरी, खसरा नंबर 39, तहसील एवं जिला पीलीभीत, यूपी
2	UP/LKN/BRLY/A000001823, श्री दीपक कुमार एवं श्रीमती आरती जौहरी, श्री सचिन सक्सेना, सभीः बीज गोदाम के सामने, लोची नगला वार्ड, बदायूँ, उत्तर प्रदेश, भारत– 243601 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-05-2025	19-05-2025 ₹ 769693 दिनांक 12.05.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	गांव–लोची नगला, वार्ड–बदायूं, वार्ड नंबर 11, तहसील एवं जिला–बदायूं, उप–243601
3	UP/LKN/BRLY/A000000996 श्री फैजान खान और श्रीमती सहाना जी, दोनोंः 60 बाग ब्रिगटन, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243005 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 709151 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खसरा नंबर 97, स्वाले नगर, नवदिया, तहसील–सदर, जिला–बरेली, यूपी
4	UP/LKN/BRLY/A000000036 श्री जगदीश सरन भारती और श्रीमती बीना भारती, दोनोंः मोहल्ला तिलक कॉलोनी अंशिक राजीव कॉलोनी पोस्ट सुभाषनगर शहरी, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 209388 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खसरा नंबर 754, ग्राम– नेकपुर, बरेली, उत्तर प्रदेश
5	UP/LKN/BRLY/A000001559 श्री मयंक अग्रवाल और श्रीमती मंजुला अग्रवाल, दोनोंः ई–69 बीडीए कॉलोनी, गंगा शील अस्पताल, सेमीअर्बन बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत –243122 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 05-04-2025	28-04-2025 ₹ 2245778 दिनांक 09.04.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खेत नंबर 728 मि का हिस्सा, प्लॉट नंबर बी–07, बी–08, गांव– बिथरी चौनपुर, तहसील और जिला बरेली, उप– 243123
6	UP/LKN/BRLY/A000001516 श्री ओम पाल और श्रीमती धर्मवती ओम पाल, दोनोंः सैनिक कॉलोनी, नकटिया, शहरी, बरेली, यूपी, भारत– 243123 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-05-2025	19-05-2025 ₹ 2014342 दिनांक 12.05.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खसरा नंबर 355, गांव– धौरेरा माफी, तहसील और जिला बरेली, यूपी, भारत–243122
7	UP/LKN/BRLY/A000000850 श्री राहुल पाल और श्रीमती कमला देवी, दोनोंः मोह मेवात, मीरगंज, सेमीअर्बन, बरेली, यूपी–भारत–243504 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 1015232 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खसरा नंबर 325 मुगरा परगना सिरौली, तहसील मीरगंज, जिला–बरेली, उ.प्र
8	UP/LKN/BRLY/A000001624 श्री राज कुमार एवं श्रीमती रीता जी, दोनोंः अजीजगंज मुमुखासु आश्रम, शहरी, शाजहाँपुर, उप–भारत –242001 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 1523970 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	वाल्मिकी बस्ती रोड, आवासीय मकान मकान नं. 1758/13, अजीजगंज, प्राथमिक विद्यालय, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश,242001
9	UP/LKN/BRLY/A000000592, श्री सतेंद्र पाल सिंह और श्रीमती करनजीत कौर, श्री सज्जन सिंह, सभीः बी–46, विष्णुधाम कॉलोनी, सुजुकी शोरूम के पास, पीलीभीत बाईपास रोड, सेमीअर्बन बरेली, यूपी, भारत–243006 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-05-2025	19-05-2025 ₹ 3830994 दिनांक 14.05.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खसरा नंबर 94, 112, 113 प्लॉट नंबर 46 का हिस्सा, तुलापुर, विष्णु धाम खसरा लॉक बी और जिला बरेली, यू.पी.–243001
10	UP/LKN/BRLY/A000001178, श्री श्योराज सिंह यादव और श्रीमती साधना, दोनोंः शिव मंदिर, नेकपुर गली नंबर 05 सिविल लाइन्स, शहरी बदायूँ, यूपी, भारत – 243601 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 658571 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	नेकपुर अंदर चुंगी नगर पालिका शहर तहसील एवं जिला बदायूँ
11	UP/LKN/BRLY/A000001406 श्री सोनू जी और श्रीमती प्रेम वती, दोनोंः 41 नेकपुर, मदिनाथ बरेली, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 971925 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	मकान नं. 962 गांव नेकपुर, तहसील और जिला बरेली
12	UP/LKN/BRLY/A000000443 श्री उस्मान जाफरी और श्रीमती सुल्तानी बेगम, दोनोंः 320–ए, टेडी ज्यारत, जखीरा, पी.ओ.– किला, बरेली, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 04-08-2025	23-08-2025 ₹ 255266 दिनांक 23.08.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	मुंसिपल नंबर 261, मोहल्ला– जखीरा, तह. एंड डिस्ट्रिक्ट–बरेली, यूपी, भारत
13	UP/SHA/SHPR/A000000166, श्री वाहिद वाहिद और श्रीमती अलीमन अलीमन, दोनोंः मदीना मस्जिद, मौलागंज देहात हरदोई शाहाबाद, ग्रामीण, शाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 241124 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 1649142 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	मोहल्ला मैलागंज कस्वा परगना एवं तहसील शाहबाद जिला होर्दोई उप
14	UP/LKN/BRLY/A000001283, श्रीमती नीलोफर निजामी और श्री आबिद अली, दोनोंः 82, ख्वाजा कुतुब खानकाहे निदिया, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास,, बरेली,, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243003 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 04-08-2025	23-08-2025 ₹ 3403148 दिनांक 23.08.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	मकान नंबर 3/82 का ½ हिस्सा मोहल्ला ख्वाजा कुतुब और जिला बरेली
15	UP/LKN/BRLY/A000001996 सुश्री सीमा अग्रवाल और श्री विवेक कुमार, दोनोंः मुंडिया नबीबक्शा, साकरस रोड, बहेरी, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243201 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 1186634 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	गाटा संख्या 184 चौमहला जाजूनगर तहसील बहेड़ी जिला बरेली, उ.प्र
16	UP/LKN/BRLY/A000001448 श्री अदनान उद्दीन और श्री नाहिद जी, दोनोंः 746 रोहिली टोला, बरेली, शहरी, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243005 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 1649142 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	मकान नं 776 (पुराना नं 563ध489) मौजा मुहल्ला रोहाली टोला, तहसील–सदर, जिला–बरेली, उ.प्र
17	UP/SHA/SHPR/A000000142, श्री अजय कुमार मैथिल एवं एमआर. राज कुमार, दोनोंः ग्राम नवदिया ओरीलाल, पोस्ट खांडेपुर, ग्रामीण, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 242405 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-06-2025	14-06-2025 ₹ 1169882 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	ग्राम– ओरी लाल, परगना– खुटार, तहसील– पुवायां, जिला– शाहजहाँपुर
18	UP/LKN/BRLY/A000002011 श्री अनीश अहमद एवं श्री राजेश कुमार, दोनोंः जहानाबाद, कच्ची हवेली सेमीअर्बन, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, भारत – 262001 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथिः 03-07-2025	10-07-2025 ₹ 1329265 दिनांक 09.07.2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	जहानाबाद, बहार नगर क्षेत्र गाटा संख्या 1268,पीलीभीत,उ.प्र.

उक्त वर्णित ऋणियों / जमानतदारों को सलाह है कि (1) अधिक एवं विस्तृत जानकारी के लिए अधोहस्ताक्षरी से मूल नोटिस प्राप्त कर लें (2) मांग सूचना में दर्शायी गयी बकाया राशि ब्याज एवं खर्चे आदि सहित मांग सूचना की दिनांक के 60 दिनों के भीतर जमा करें ताकि सरफेसी अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही से बच सकें।

दिनांक : 01.09.2025, स्थान : बरेली प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

नालों में गिरकर हेड कांस्टेबल और बच्ची की मौत

मेले में ड्यूटी करने बाइक से जा रहा था हेड कांस्टेबल, रायसत्ती माता थान पर बच्ची के साथ जात लगाने आये थे माता-पिता

कार्यालय संवाददाता,संभल/ चंदौसी

मृतक रजनीश।

अमृत विचार: संभल जनपद में लगातार बरसात के बाद जलभराव के हालात में चंदौसी मेला गणेश चौथ में ड्यूटी के लिए पहुंचे बाइक सवार हेड कांस्टेबल की गहरे नाले में गिर जाने से मौत हो गई। वहीं संभल में रायसत्ती देवी के थान पर जात लगाने आए दंपती की चार साल की बेटी गहरे नाले में डूब गई।

मौके पर खड़ी बाइक के पास लोगों ने जानकारी लेते सीओ अनुज चौधरी।

बिजनौर के नगीना थाना क्षेत्र के गांव पुरेनी निवासी 40 वर्षीय रजनीश हेड कांस्टेबल था। उसकी तैनाती बहजोई पुलिस लाइन में थी जबकि इन दिनों उसे मेला गणेश चौथ में मुंशी के रूप में तैनात किया गया था। सोमवार को सुबह 11 बजे रजनीश बाइक से पुलिस लाइन से गणेश चौथ मेला ड्यूटी के लिए आ रहा था। तेज बरसात की वजह से सड़कों पर जलभराव था वहीं नाले भी उफनाये हुए थे। मेला स्थल से कुछ पहले चंदौसी के मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती में सड़क जल मग्न होने की वजह से नाले की पुलिया रजनीश को दिखाई नहीं दी। बाइक फिसल गई और हेड कांस्टेबल रजनीश गहरे नाले में गिर गया। रजनीश ने नाले से निकलने का काफी प्रयास किया। वहां कोई मदद करने वाला भी उस समय नहीं था। छटपटाता हुआ रजनीश नाले में बह गया। 15 से 20 मिनट के बाद लोगों देखा तो बाइक स्टार्ट सड़क किनारे पड़ी थी। खोजबीन की तो कुछ दूर नाले में रजनीश पड़ा दिखाई दिया। मोहल्ले वालों ने उसे नाले से निकाला और पुलिस को सूचना दी। कोतवाली पुलिस के साथ ही सीओ अनुज चौधरी मौके पर पहुंचे और रजनीश को चंदौसी सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस कर्मी का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मौके पर साक्ष्य संकलित करने के लिए फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची।

उफनाते नाले में 200 मीटर बहती गई बच्ची

संभल,अमृत विचार : संभल शहर के रायसत्ती माता थान पर माता–पिता चार साल की मासूम बेटी के साथ जात लगाने के लिए पहुंचे तो स्लैब पर पैर फिसल जाने से बच्ची उफनाते नाले में गिर गई। वह बहती हुई 200 मीटर दूर चली गई। जब तक बाहर निकाला गया तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। सोमवार को जनपद संभल के थाना रायसत्ती थाना क्षेत्र के बढ़ई वाली बस्ती निवासी राधेश अपनी पत्नी जूली व चार साल की बेटी अर्चना के साथ रायसत्ती मंदिर माता के थान पर जात लगाने के लिए आया था। जात लगाने के बाद वे बाहर निकल रहे थे तभी अर्चना स्लैब पैर फिसल जाने की वजह से नाले में जा गिरी। बच्ची बहती करीब 200 मीटर बह गई। किसी तरह मासूम बच्ची को नाले से बाहर निकाला गया। बच्ची बेसुध थी लेकिन जिंदगी की आस में माता पिता उसे जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सूचना

Ref. No. 68/JJM-BLY/CSS-RMP/25-26 Date:- 01-09-2025

समन्वयक / समस्त टीम लीडर/समस्त कोऑर्डिनेटर समस्त स्टाफ आदि चेतना – सेवा संस्थान द्वारा जल जीवन मिशन ग्रामीण जिला बरेली (उ0प्र0) आप सभी अवगत ही है कि DWSM द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत जन जागरूकता के लिए ISA चेतना सेवा संस्थान का चयन इंप्लीमेंट सर्पोट एजेंसी के रूप में हुआ था के अंतर्गत जल निगम ग्रामीण द्वारा जी0पी0 वार कलस्टर आवंटन किये गये थे के अनुसार आपने SOP के अनुसार उक्त कार्य किया के दस्तावेज आपके द्वारा संस्था में जमा नहीं किए गए को लगातार कहने पर आपके द्वारा कुछ दस्तावेज संस्था में जमा कर अधिकतर कर्मियों ने मानदेय भुगतान नोटरी हलफनामा में अवशेष दस्तावेज जमा करने को कहते हुए नेफट के माध्यम से भुगतान प्राप्त कर लिया है फिर भी आपके द्वारा अभी तक अवशेष दस्तावेज जमा नहीं किए है जबकि आपके द्वारा दिये गये नोटरी हलफनामें में दर्शाया गया है कि संस्था से अधिक रूपयो का भुगतान हो गया है को वापस करने की बात कही है जो अभी तक संस्था को वापस नहीं किया हैं और आप संस्था द्वारा किये गये अधिक भुगतान को छुपा कर संस्था पर बिना वजह दवाब बनाने के लिए आप विभाग व सरकार को संस्था से भुगतान न मिलने की झूठी बात कहकर शिकायती पत्र देकर संस्था की छवि खराब कर रहे हैं। और संस्था के कहने पर भी नही मान रहे है और आप संस्था के साथ दुव्यावहार व लगातार अनुशासनहीनता कर रहे आप उपरोक्त सभी टीम को संस्था द्वारा निष्कासित किया जाता है लेकिन फिर भी जिन कर्मियों का अगर अवशेष मानदेय संस्था पर रह गया हो तो वह 10 कार्य दिवस में जी0पी0एस0 के माध्यम से अपने किये गये कार्यो के अवशेष दस्तावेज नोटरी हलफनामा सहित जमा कर संस्था से मानदेय प्राप्त कर ले प्रकाशन दिनांक के बाद मानदेय सम्बन्धित कोई भी कर्मी विभाग नहीं जायेगा और ना ही मानदेय हेतु संस्था की शिकायत करेगा क्योंकि इसमें विभागीय कर्मचारियों /अधिकारियों का कोई लेना देना नहीं है क्योकि आप संस्था के कर्मी थे संस्था ने ही आपको मानदेय भुगतान किया है और अगर किसी कर्मी का मानदेय भुगतान रह गया है तो वह भी संस्था ही करेगी इसीलिए सीधे संस्था में ही दस्तावेज जमा करके बैंकिंग के माध्यम से मानदेय प्राप्त कर लें ऐसा न करने पर आप स्वंय जिम्मेदार होगे और आपकी प्रकाशन दिनांक के बाद से किसी भी प्रकार की शिकायत मान्य नहीं होगी और संस्था आपके विरुद्ध माननीय न्यायालय में आपराधिक बाद सिविल बाद योजित करेगी जिसके समस्त हर्ज खर्चे के आप स्वयं उत्तरदाई होंगे। क्योंकि संस्था ने पूर्व में भी कई बार पत्र भेजे है जो आपको अवगत ही है।

अध्यक्ष
चेतना सेवा संस्थान
जिला रामपुर (उ0प्र0)

खबरें www.amrit vichar.com पर भी पढ़ें

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल आई.सी.आई.सी.आई. एच.एफ.सी. शाखा बरेली से मोहम्मद मुजफ्फर शमसी पुत्र श्री मोहम्मद कमर शमसी व श्रीमती गजल शमसी पत्नी मोहम्मद मुजफफमर शमसी निवासीगण 58/60 छोटी बमनपुरी लाल मस्जिद बरेली एक किता मकान रक्बई 125.41 वर्गमी. वाकै 204 सिविल लाइन तह. व जिला बरेली को बंधक रखकर आपकी शाखा से ऋण ले रहे हैं उक्त सम्पत्ति को मोहम्मद मुजफफर शमसी आदि ने द्वारा बैनामा जिसकी रजिस्ट्री स.र. बरेली में दिनांक 31.12.2005 ई. को फो.प्र.पु. सं. 1 खण्ड 1363 के पृष्ठ 215–242 में नं. 8895 पर हुई है इकरारी अतीकुर्रहमान पुत्र स्व. फजल उर रहमान से क्रय की थी। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त बैनामें के निष्पादन के सम्बन्ध में या किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/ संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 7 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल आई.सी.आई.सी.आई. एच.एफ.सी. शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

अमिताभ भंज (एडवोकेट)
चैम्बर नं. 11 बड़ा वकालतखाना सिविल कोर्ट, बरेली सूचीबद्ध अधिवक्ता
आई.सी.आई.सी.आई. एच.एफ.सी., बरेली

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी मदनापुर, शाहजहांपुर

पत्रांक: सी. 616/क्षे.पं./2025–26 **निविदा सूचना** दिनांक: 01.09.2025

केन्द्र वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यो को कराये जाने हेतु समस्त पंजीकृत ठेकेदारों से मोहरबन्द निविदायें दिनांक 01.09.2025 से 22.09.2025 के अपरान्ह 03 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक ठेकेदारों पंजीकृत डाक से भी निविदा उक्त दिनांक व समय तक प्रेषित कर सकते हैं। जो कि दिनांक 22.09.2025 को पूर्वान्ह 04 बजे निविदादाताओं के समक्ष जो उपस्थित होना चाहते हैं के समक्ष खोली जायेगी। इच्छुक पंजीकृत निविदादाता जो कि आयकर वाणिज्यकर/जी.एसस.टी./ में रजिस्टर्ड/पंजीकृत हो निविदा फार्म निविदा प्रकाशित होने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 22.09.2025 पूर्वान्ह 11 बजे तक विकास खण्ड कार्यालय से निविदा फार्म शुल्क जमा नगर जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित दिनांक व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाली निविदा स्वतः निरस्त मानी जायेगी। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्तें विकास खण्ड पर निविदा प्रकाशन के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	योजना का नाम	कार्य की लागत	निविदा फार्म का मूल्य	धरोहर धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	ग्राम पंचायत चरीखास में नन्हकू के मकान के पास पुलिया निर्माण।	केन्द्र वित्त	500000	500	10000	3 माह
02.	ग्राम फाजिलपुर में मेन रोड से धर्मपाल के मकान के पास इण्टरलॉकिंग।	केन्द्र वित्त	200000	500	4000	3 माह
03.	ग्राम हारमचौरा उर्फ मोहनियां में अमरसिंह के घ्वर से दयाराम के घर तक नाला	केन्द्र वित्त	941000	500	18820	3 माह
04.	ग्राम पंचायत ढुकरी खुर्द में हरिनन्दन सिंह के घर से मंगू सिंह के घर तक इण्टरलॉक	केन्द्र वित्त	360000	500	7200	3 माह
05.	ग्राम पंचायत चरीखास में प्रभाकर चौहान पुत्र अशोकर सिंह के घर से बेचे सिंह के मकान तक इण्टरलॉक	केन्द्र वित्त	200000	500	4000	3 माह
06.	न्याय पंचायत बरीखास में चार वाटर कूलर स्थापना	केन्द्र वित्त	1000000	500	20000	3 माह
07.	न्याय पंचायत ढुकरीकलां में चाटर वाटर कूलर स्थापना	केन्द्र वित्त	1000000	500	20000	3 माह
08.	ग्राम पट्टी जुझार में पण्डित अनिल कुमार विद्या मन्दिर में सामुदायिक शौचालय निर्माण	केन्द्र वित्त	600000	500	12000	3 माह
09.	ग्राम वरूआ पट्टीसनाय में देवी मन्दिर के पास से बड़े तालाब तक नाला निर्माण।	केन्द्र वित्त	941000	500	18620	3 माह
10.	ग्राम पंचायत उमरसड में दिनेश कुशवाहा के मकान से मुकेश सिंह के मकान तक नाली व इण्टरलॉक	राज्य वित्त	926000	500	18520	3 माह
11.	ग्राम पंचायत काबिलपुर में जण्डैल के मकान से प्रदीप के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य	राज्य वित्त	930000	500	18600	3 माह
12.	ग्राम पंचायत नरदरा नहरोशा में अम्बेडकर पार्क में इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	999000	500	20000	3 माह
13.	ग्राम पंचायत महियावर में मेनरोड से रिषी पाल के मकान तक नाली व इन्टरलॉक	राज्य वित्त	250000	500	5000	3 माह
14.	ग्राम फिरोजपुर ढूढा में शिवधाम मन्दिर के अन्दर इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	499000	500	10000	3 माह
15.	ग्राम पंचायत करनपुर पडरी में मेनरोड से रतनपाल के मकान तक नाली व इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	299000	500	6000	3 माह
16.	ग्राम सिकन्दरपुर कलां में अन्ने के मकान से अर्जुन के मकान तक नाली व इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	726000	500	14520	3 माह
17.	ग्राम उमरसड में पंचायत घर से योगेन्द्र पाल सिंह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के स्मृति भवन में इन्टरलॉक	राज्य वित्त	499000	500	10000	3 माह
18.	ग्राम पंचायत फाजिलपुर में वीरपाल के मकान से मुन्ना के मकान तक नाली व इंटरलॉकिंग	राज्य वित्त	400000	500	8000	3 माह
19.	ग्राम पंचायत महियावर में महेन्द्र प्रताप के मकान से सुमित के मकान तक इंटरलॉकिंग	राज्य वित्त	700000	500	14000	3 माह
20.	ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर कलां में सीसी रोड से राकेश सिंह के मकान तक नाली व इंटरलॉकिंग	राज्य वित्त	400000	500	8000	3 माह
21.	विकास खण्ड कार्यालय की मरम्मत कार्य	राज्य वित्त	977000	500	19540	3 माह
22.	विकास खण्ड के मेन गेट का सौन्दर्यीकरण	राज्य वित्त	500000	500	10000	3 माह
23.	विकास खण्ड कार्यालय की बाउन्ड्रीवाल मरम्मत व रंगाई पुताई	राज्य वित्त	800000	500	16000	3 माह
24.	ग्राम फाजिलपुर में मेनरोड से श्यामू के मकान तक नाली व इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	550000	500	11000	3 माह
25.	ग्राम चाहरपुर में मेन सड़क से पिंकू शर्मा के मकान तक इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	600000	500	12000	3 माह
26.	ग्राम झपकादिलावरपुर में राजीव के मकान से शेरबहादुर सिंह के मकान तक नाली व इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	430000	500	8600	3 माह
27.	ग्राम पंचायत खाईखेड़ा के ग्राम हथेल में बी.पेक्स में इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	500000	500	10000	3 माह
28.	ग्राम पंचायत लश्करपुर कके जजरा मेस्टाा गौटिया में सम्पर्क मार्ग से देवेन्द्र पाल सिंह के घर तक नाली व इण्टरलॉकिंग	राज्य वित्त	697000	500	13940	3 माह
29.	ग्राम पंचायत फाजिलपुर में अंत्येष्टि स्थल निर्माण	राजय वित्त	997000	500	20000	3 माह

1. प्रत्येक निविदा के साथ–साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि जो एफ.डी.आर. के रूपये खण्ड विकास अधिकारी मदानपुर के नाम बन्धक होगी। 2. जमानत धनराशि निविदा स्वीकृति के पश्चात् निविदा में दर्शाती गई धनराशि की 10 प्रतिशत जमा करनी होगी। जिसमें 2 प्रतिशत समायोजित करते हुये 8 प्रतिशत को एफ.डी.आर. खण्ड विकास अधिकारी के नाम बन्धक होगी। 3. जमानत धनराशि को बिल से कटौती नहीं की जायेगी। 4. पंजीकृत ठेकेदार/टेण्डरों द्वारा प्रेषित निविदा ही स्वीकार होगी। 5. समस्त कार्य उपलब्ध धनराशि से ही कराये जायेंगे। 6. निविदा स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी में निहित होगा। 7. कार्यालय द्वारा भुगतान की जाने वाली धनराशि में जी.एस.टी. कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा जिसके प्रश्चात् ही दूसरा भुगतान किया जायेगा।

प्रमुख
क्षेत्र पंचायत मदनापुर
शाहजहांपुर

खण्ड विकास अधिकारी
मदनापुर– शाहजहांपुर

नवविवाहिता ने फंदा लगाकर दी जान, हत्या का आरोप

- **पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत होने की पुष्टि**

क्योलड़ियां, अमृत विचार : क्योलड़िया थाना क्षेत्र में एक महिला ने फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए परेशान कर हत्या करने का आरोप लगाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत होने की पुष्टि हुई है। परिजनों ने मामले में अभी पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी है।

पीलीभीत जिले के बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव नवदिया शरीफगंज निवासी रामस्वरूप ने अपनी बेटी हीराकली की शादी 21 अप्रैल 2024 को क्योलडिया के गांव नौगमा भगवंतपुर निवासी महेश के साथ की थी। रामस्वरूप ने बताया कि हैसियत के अनुसार सभी सामान दिया था लेकिन शादी के कुछ समय बाद पति, ससुर, सास समेत अन्य लोग आए दिन दहेज को लेकर प्रताड़ित करने लगे। उन्होंने कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। रविवार देर रात हीराकली ने छत के कुंडे में चुनरी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया। क्योलड़िया थाना प्रभारी राजबली सिंह ने बताया कि मामले में अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत होने की पुष्टि हुई।

बाढ़ प्रभावितों तक सहायता पहुंचने में नहीं हो देरी

- **केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने जुटाई जानकारी, दिए निर्देश**

जितिन प्रसाद

पीलीभीत,अमृत विचार: पहाड़ों और मैदानी इलाकों में हो रही भारी बारिश के बाद बने हालात के हालात के बीच लोग परेशान है। इसे लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को अलर्ट किया है। राहत एवं बचाव कार्य संचालन करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से वार्ता की। उन्होंने कहा किसी भी पीड़ित परिवार तक सहायता पहुंचने में देरी न हो। भोजन, शुद्ध पेयजल, दवाइयां और आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जाए। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी स्थिति में बाढ़ से कोई भी जनहानि न होने पाए। इसके लिए प्रशासन पूर्ण रूप से तत्पर रहे।

किसी भी हालात से निपटने के लिए एसडीआरएफ की टीमों को अलर्ट पर रहने के आदेश जारी किए जाएं। केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ नियंत्रण एवं जल भराव की समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन/ सिंचाई विभाग से ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वह डीएम समेत अन्य अधिकारियों से दिनभर अपडेट लेते रहे। एसडीएम सदर, कलीनगर और पूरनपुर और बाढ़ चौकी प्रभारियों को अपने -अपने क्षेत्र में वर्तमान स्थिति पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। केन्द्रीय मंत्री ने भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह से वार्ता कर संगठन के कार्यकर्ताओं को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग करने के लिए लगाने को कहा।

बीडीए का भूमि अधिग्रहण को लेकर मंथन, सीधे खाते में जाएगी रकम

बरेली, अमृत विचार : ग्रेटर बरेली के बाद अब बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) पीलीभीत बाईपास पर नई टाउनशिप विकसित करने जा रहा है। इसके लिए युद्ध स्तर पर भूमि अधिग्रहण के प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार को बीडीए की ओर से प्रस्तावित टाउनशिप के लिए जमीन देने की किसानों और काश्तकारों ने सहमति दे दी है। अब जमीन की रजिस्ट्री सर्किल रेट पर होगी और किसानों को उनका मुआवजा 24 से 48 घंटे के भीतर आरटीजीएस माध्यम से सीधे खाते में भेजा जाएगा। बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए ने बताया कि ग्राम प्रधानों और क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों के साथ बैठक की गई, जिसमें किसानों की सभी शंकाओं का समाधान किया गया। बैठक में कलापुर, बरकापुर, मुड़िया अहमदनगर, कुम्हरा, अड़ूपुरा जागीर, मोहनपुर उर्फ रामनगर के प्रधान, गांव के लोगों के साथ टाउनशिप को लेकर मंथन किया। बताया कि बरेली में सर्किल रेट की पुनरीक्षित दरें 1 अगस्त से लागू हैं। प्राधिकरण इन्हीं नई दरों के आधार पर रजिस्ट्री कराएगा।

अमृत विचार
मंगलवार, 2 सितंबर 2025

जिस देश में मनुष्यों का चरित्र ऊंचा नहीं है, वह देश कभी उन्नति नहीं कर सकता।
-बंकिम चंद्र चटोपाध्याय, उपन्यासकार

ड्रैगन और हाथी का साथ

प्रधानमंत्री की कूटनीतिक कुशलता ने उनकी चीन-यात्रा को सफल और यादगार बना दिया। अपने संबोधनों और कूटनीतिक बैठकों के माध्यम से उन्होंने न केवल मेजबान चीन, बल्कि अमेरिका, पाकिस्तान, रूस और अमेरिका से अंदरूनी तौर पर असंतुष्ट यूरोपीय देशों को भी अलग-अलग, दूरगामी संदेश दिए। पुतिन और शी जिनपिंग के साथ वार्ता-निमग्न तस्वीर ने जहां अमेरिका की चिंता बढ़ाई होगी, वहीं प्रधानमंत्री का यह दो-टूक कहना कि आतंकवाद पर दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है, आतंक के अपराधियों, आयोजकों और समर्थन देने वालों को सजा मिलनी चाहिए, पाकिस्तान के प्रति चीन के समर्थन के संदर्भ में भी एक परोक्ष संकेत था। नवाज शरीफ की मौजूदगी में ही संगठन ने पहलगाम हमले की निंदा करवा लेना बड़ी कूटनीतिक जीत है। याद रहे, पिछली बार जून में हुई शंघाई सहयोग संगठन की मंत्रिस्तरीय बैठक में इस निंदा का उल्लेख न होने पर भारत ने घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था, जिसे पाकिस्तानी कूटनीति ने अपनी जीत बताया था, मगर इस बार प्रधानमंत्री की रणनीति ने पासा पलट दिया।

प्रधानमंत्री ने इन कूटनीतिक पहलों से ट्रंप को साफ संदेश दे दिया है कि भारत पर उनकी मनमानी नहीं चलेगी, यदि अमेरिका शत्रुतापूर्ण रुख रखेगा, तो भारत के पास कई विकल्प मौजूद हैं। उनका यह कहना कि भारत-चीन संबंधों को 'तीसरे देश के चश्मे' से नहीं देखा जाना चाहिए, रूस और अन्य देशों के लिए भी स्पष्ट संकेत था। सम्मेलन में वे रूस, चीन के अलावा अन्य 15 देशों के राष्ट्राध्यक्षों से भी मिले और द्विपक्षीय रिश्तों के लाभ रेखांकित किए। इस बड़े राजनीतिक मंच ने दुनिया के तमाम देशों में यह धारणा भी सुदृढ़ की है कि समूची दुनिया अमेरिका की मनमानी धुन पर बेबस होकर नहीं नाचती। विश्व की आबादी का एक बड़ा हिस्सा उसे सर्वशक्तिमान मानने को बाध्य नहीं है। दुनिया के छोटे देश भी साहस के साथ अपनी संप्रभुता की रक्षा कर सकते हैं।

यह सफल मुलाकात अमेरिका के लिए रणनीतिक झटका है, जहां अमेरिका अपने मित्रों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ व्यापार-युद्धों में उलझा है, वहीं चीन, तुर्की, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाकर वैश्विक नेतृत्व में अपनी स्थिति सुदृढ़ कर रहा है। चीन की बढ़ती आर्थिक व सैन्य शक्ति के विरुद्ध एक प्रखर प्रतिरोध के रूप में भारत को खड़ा करने के उद्देश्य से अमेरिका लंबे समय से भारत के साथ बेहतर संबंधों का प्रयास करता रहा, पर ट्रंप की अकुशल, अर्थ-लोलुप राजनीति ने भारत को बीजिंग के करीब कर दिया। भविष्य में यह दुनिया का बड़ा कूटनीतिक गठजोड़ सिद्ध हो सकता है। अब तक वैश्विक निगाहें मुख्यतः चीन–अमेरिका संबंधों पर टिकी रहती थीं, ऐसी स्थिति में चीन–भारत समीकरण केंद्र में होगा। सर्वाधिक आबादी और बड़े बाजार वाले दोनों देश सहयोग करें, तो तकरीबन तीन अरब लोगों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचा सकते हैं। चीन की आर्थिक शक्ति और तकनीकी बढ़त, भारत के सस्ते और दक्ष श्रम से जुड़ कर औद्योगिक क्रांति ला सकते हैं। अपेक्षा है कि चीन और भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी और साझेदार बनें और मतभेदों को विवादों में न बदलें।

टैरिफ के पीछे की मंशा और भारत की रणनीति

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

आज के अर्थ प्रधान युग में द्विपक्षीय व्यापारिक गतिविधियों की भूमिका हमेशा ही अहम रही है। आपसी व्यापार करने वाले देशों का आर्थिक तंत्र तो इससे मजबूत होता ही है। सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ आमजन के जीवन स्तर में भी आशातीत सुधार होता है। आधारभूत संरचनाओं की दशा परिवर्तित होती है, समृद्धि की गति को सही दिशा मिलने लगती है, लेकिन 'अंतर-देशीय सौदे की कला' की पटकथा लेखन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत के खिलाफ घोषित टैरिफ युद्ध कठघरे में खड़ा होते दिख रहा है।

भारत व ब्राजील के खिलाफ 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का उनका 'मुलतानी दांव' आलोचना की परिधि में आ गया है, क्योंकि अमेरिका के संघीय अपीलीय कोर्ट ने ही ट्रंप के अधिकांश टैरिफ को अवैध करार दे दिया है। अपीलीय कोर्ट ने 30 अगस्त को 7-4 के बहुमत से सुनाए फैसले में कहा है कि ट्रंप ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत मिली शक्तियों का दुरुपयोग किया है। व्यापारिक साझेदारों पर इस प्रकार का मनमाना टैरिफ लगा देना कतई अनुचित है। ऐसे टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को ही है, हालांकि अपीलीय कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए 14 अक्टूबर तक का समय दिया है।

अमेरिका से विश्व के कई देशों को शिकायतें भी बहुत हैं। कुछ देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने तो सार्वजनिक मंच पर यह तक कह दिया है कि अमेरिका कई मुद्दों पर 'दोमुंहेपन' की बात करता ही रहता है। व्यापार सदैव साझेदारी का सौदा होता है। एकल फैसले के लिए इसमें कोई स्थान होता ही नहीं। तीव्र संचार और व्यवहारवादी दृष्टिकोण ने आज का वैश्विक बाजार को एक-दूसरे के काफी करीब ला दिया है। अपने को विश्व का स्वयंभू/चौधरी मान बैठे अमेरिका को समझ लेना होगा कि बिन प्रजा, राजा का अस्तित्व होता ही नहीं। किसी एक देश के बिना विश्व बाजार प्रभावित नहीं होता। जान लें, अमेरिका की सबसे बड़ी दिक्कत भारत नहीं, वरन रूस और चीन हैं। अमेरिका का तो यह इतिहास ही रहा है कि अपने तात्कालिक लाभ के लिए कुछ भी कर जाओ। मांग मनवाने के लिए किसी भी स्तर तक गिर जाओ की नीति अपनाता ही रहता है। वह पहले पूरा जोर लगाता है और बाद में दूसरे पक्ष (देश) के झुकने की प्रतीक्षा करता है।

भारत ने उसकी संदर्भित रणनीति/कूटनीति को काफी हद तक समझ भी लिया है। सोया, मक्का, गेहूं, दूध, ऑटो पार्ट्स व अन्य सामानों को भारत के बाजार भेजने की अमेरिकी परिकल्पना फिलहाल भारत की मोदी सरकार में फलीभूत होती तो कदाचित नहीं दिखेगी, क्योंकि जैसे अमेरिका अपने हितों को सदैव ऊपर रखता है, वैसे ही विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने को अग्रसर भारत भी अपने हितों के लिए, कुछ भी करने की हिम्मत रखता है।

अमेरिका को अब जान ही लेना होगा कि बदलता भारत उसके दबाव में तो कतई नहीं आने वाला। यह अलग बात है कि तुनकमिजाज ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ का असर भारत में आंशिक रूप से दिखने लगा है। कपड़ा, चमड़ा, झींगा, हैंडीक्राफ्ट व अन्य उद्योग कमोबेश प्रभावित होते दिख रहे हैं। ट्रंप के टैरिफ वार से निपटने के लिए भारत सरकार ने मुख्य निर्यातक राज्यों अर्थात गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु को श्रम-प्रधान क्षेत्रों में समर्थन देने का फैसला लिया है, जिससे रोजगार पर संभावित असर को रोका जा सके। वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 437 अरब डालर रहा, जिसमें तीन-चौथाई हिस्सेदारी गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक व उत्तर प्रदेश की रही।

यूएसए, चीन, यूएई, सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया, इराक, सिंगापुर, हांगकांग व दक्षिण कोरिया भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष) में भारत व अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 131.84 बिलियन डालर था, जिसमें भारत का अमेरिका को निर्यात 86.51 बिलियन डॉलर व आयात 45.33 बिलियन डालर था। यूएसए भारत के लिए कच्चे तेल, मशीनरी व रसायनों का एक आयातक है। भारत से यूएसए को किए जाने वाले शीर्ष निर्यातों में आभूषण, वस्त्र, रत्न और फार्मास्यूटिकल्स प्रमुख हैं। रूस से कच्चा तेल खरीदने के भारत के निर्णय से तिलमिलाए ट्रंप को यह भी जानना चाहिए कि यूरोप के अधिकांश देश रूस से प्राकृतिक गैस इत्यादि धड़ल्ले से आयात करते हैं।

रूस से व्यापार करने वाले यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने से ट्रंप गुरेज क्यों कर रहे हैं? भारत व रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 68.7 बिलियन अमेरिकी डालर के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। कुल मिलाकर वैश्विक स्तर पर भारत पेट्रोलियम उत्पादों के दूसरे सबसे बड़े निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर चुका है। विश्व बाजार में भारत की हिस्सेदारी करीब 13 प्रतिशत तक जा पहुंची है। टैरिफ से तात्कालिक प्रभावित सेक्टर्स को राहत के लिए केंद्र सरकार करीब 2250 करोड़ रुपये का पैकेज दे रही है। इससे बाजार आधारित निर्यात संवर्द्धन अभियान को गति मिलेगी। इसके अलावा वैकल्पिक विदेशी बाजारों की तलाश व घरेलू मांग को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार द्वारा युद्धस्तरीय प्रयास किए जा रहे हैं।

> जिस तरह अमेरिका अपने हितों को सदैव ऊपर रखता है, वैसे ही विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने को अग्रसर भारत भी अपने हितों के लिए कुछ भी करने की हिम्मत रखता है।

सोशल फोरम

ट्रेन पकड़ने की जद्दोजहद ने बना दिया ओलंपियन

पंद्रह साल की एलिजाबेथ को हर रोज स्कूल से घर जाने वाली ट्रेन पकड़नी होती थी। ट्रेन बहुत कम समय के लिए स्टेशन पर थमती थी। उसे पकड़ने के लिए बिजली की गति से भागती आती एलिजाबेथ को देखना उसके बायोलॉजी अध्यापक चार्ल्स प्राइस को आकर्षित करता था, जो खुद भी हर रोज उसी ट्रेन से चलते थे। प्राइस एक जमाने में एथलीट रह चुके थे। एक दिन उन्होंने अपनी स्टॉपवॉच पर एलिजाबेथ के भागने की रफ्तार नापी तो वह दंग रह गए।

मनीष कुमार सोलंकी
ब्लॉगर

उनके कहने पर एलिजाबेथ ने बाकायदा दौड़ना शुरू किया और उसकी प्रतिभा का ऐसा डंका बजना शुरू हुआ कि कुछ ही माह बाद वह एक इनडोर प्रतियोगिता में 100 मीटर रेस की अमेरिकी चैंपियन हेलेन फिल्की के बेहद करीब दूसरे नंबर पर रही। इस बार वह दूसरे नंबर पर रही, लेकिन तीन महीने बाद उसने न सिर्फ फिल्की को परास्त किया, नया वर्ल्ड रेकॉर्ड भी बना डाला। उसका तीसरा बड़ा कंपटीशन उसी बरस एम्सटर्डम ओलंपिक की सूरत में था, जब 100 मीटर की रेस के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाली वह इकलौती अमेरिकी बनी। एलिजाबेथ ने रेस जीती और कुल सोलह साल की आयु में पहली 100 मीटर ओलंपिक चैंपियन बनीं। सबसे कम उम्र में यह कारनामा करने का उसका यह कीर्तिमान आज तक कोई नहीं तोड़ सका।

अमेरिका वापसी में उसका ऐतिहासिक स्वागत हुआ और सुनहरे बॉबकट बालों वाली दुबली सी एलिजाबेथ रॉबिन्सन अमेरिका की चहेती एथलीट बन गई। एक प्लेन क्रैश में उसकी टांग, कूल्हे और बांह की हड्डियों का कचूमर बन गया, लेकिन वह बच गई। अस्पताल से छुट्टी देते हुए एलिजाबेथ को डॉक्टरों ने कहा, फिर से दौड़ने के लिए उसे नया जन्म लेना होगा। धीरे-धीरे एलिजाबेथ ने बैसाखियों के सहारे चलना शुरू किया। कुछ माह बाद बैसाखियां छोड़ चलना शुरू किया। फिर हल्की रफ्तार में दौड़ना। चार साल बाद वह बाकायदा दौड़ रही थी।

बर्लिन में 8 अगस्त 1936 को हुई इस रेस के फाइनल में अमेरिका का मुकाबला मेजबान जर्मनी के साथ था। दूसरे राउंड तक जर्मनी की लड़कियां आगे चल रही थीं। तीसरे राउंड में एलिजाबेथ ने जर्मन प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ कर लीड हासिल कर ली। अमेरिकी टीम ने गोल्ड जीता। एलिजाबेथ उर्फ बैटी रॉबिंसन का यह दूसरा ओलंपिक गोल्ड मैडल खेल इतिहास की सबसे बेशकीमती उपलब्धियों में गिना जाता है। -फेसबुक वाल से

प्रसंगवश

रामायण काल से बाबूगढ़ तक भारत में अश्व

सेंट्रल एशियाई मानव और अश्व जींस के माइग्रेशन पैटर्न के बारे में जो जानकारी उपलब्ध है, उससे तय हुआ है कि भारत में घोड़े का आगमन ब्रॉन्ज एज अथवा कांस्य धातु युग में हुआ। घोड़े के बारे में भारत में पहले विवरण रामायण काल से मिलते हैं, जब श्रीराम ने चक्रवर्ती सम्राट की उपाधि धारण करने के लिए यज्ञ के लिए एक घोड़ा पूरे उत्तर भारत में घुमाया था। बाद के पुरासाक्ष्य भी यमुना किनारे सनौली से पहली बार मिले। यह महाभारत कालीन साक्ष्य हैं। भारतीय लोग घोड़े को रथ में जोतते थे, लेकिन इसकी पीठ पर सवारी करने का प्रचलन बहुत बाद में हुआ। घोड़े को काबू करने के लिए लगाम और काठी बहुत दिनों तक बनाने की बात हम शायद सोच ही नहीं पाए थे। घोड़ा, भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी नहीं है। यह उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों, अरब, मध्य एशिया और यूरेशिया से आयातित सबसे मूल्यवान पशु रहा है।

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

साइंस जर्नल के 9 मई 2018 के अंक में 48 शोधकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित पेपर 'द फर्स्ट हॉर्स हर्डर्स एंड द इंपैक्ट ऑफ अर्ली ब्रॉन्ज एज स्टेप एक्सपेंशंस इनटू एशिया' में दी गई जानकारी के अनुसार मध्य एशिया के स्टेप्स के मैदानों में घोड़े, घोड़े को पालतू बनाकर साधन और इसका उपयोग करने के बारे में है, जिसका प्रसार भारत की ओर 3300 ईसा पूर्व अर्थात आज से 5300 वर्ष पूर्व होने का संकेत मिलता है।

आम तौर मध्य एशिया के घास के विशाल मैदानों में जो हुआ, उसकी एक परिकल्पना के अनुसार, यूरोप और एशिया दोनों में इंडो-यूरोपीय भाषाओं का प्रसार प्रारंभिक कांस्य युग के यामनया चरवाहों के पोंटिक-कैस्पियन मैदानों से प्रवास के साथ हुआ। यामनया रूसी शब्द है, जिसका अर्थ है गड्ढा। रूसी पुराविद वैसिली गोरोड्स्तोव ने सन् 1901-1903 के बीच दोनेत्स नदी के किनारे उत्खनन किया और एक प्रारंभिक सभ्य नगर की खोज यहां हुई। माना जाता है कि घोड़ों के पालन-पोषण के कारण इस क्षेत्र के लोगों का विकास संभव हुआ। बाद में तुर्क और तातार ने घोड़ों का इस्तेमाल युद्ध के लिए खूब किया। मंगोलियाई लड़ाकों ने घुड़सवार सेना के बल पर ही उत्तरी चीन में अपने साम्राज्य की स्थापना की थी। चंगेज खां ने घुड़सवार लड़ाकों की सेना का इस्तेमाल करते हुए अपने साम्राज्य का प्रसार पूरे सेंट्रल एशिया और पूर्वी यूरोप में किया। अश्वपालन का सबसे पहला सुरक्षित प्रमाण मध्य एशिया की बोटाई संस्कृति से मिलता है।

ईसा से तीन सदी पूर्व अर्थात मौर्य काल में ही शालिहोत्र ने शालिहोत्र संहिता की रचना कर ली थी। इसमें 12000 श्लोक संस्कृत भाषा में हैं और विश्व में अश्वों से संबंधित यह शायद प्रथम ग्रंथ है। शालिहोत्र, श्रावस्ती के निवासी थे, जो अब उत्तर प्रदेश में गोंडा और बहराइच के निकट है। प्राचीन काल से ही भारतीय राजकुल अश्वारोही सेना रखते थे। साक्ष्य हैं कि प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति तक भी सेना में अश्व का बड़ा उपयोग हुआ था। भारत में अंग्रेजों ने अपना शासन कायम करने के लिए एक सुदृढ़ कैवलरी की स्थापना की थी। 1825 में स्थापित बाबूगढ़ स्टड फार्म में अश्वों को रखने के लिए ईंटों से जो बैरक बनाई गई थीं, वे अभी कायम हैं और एशिया में इन्हें सबसे अधिक लंबाई वाला माना जाता है। सर्वाधिक पुरानी बैरक की लंबाई 500 गज है। प्रसंगवश कहें तो इस समय विश्व में किसी के पास विशुद्ध अरबी घोड़ा नहीं है। अरबी नस्ल से तैयार थोरोब्रेड सर्वश्रेष्ठ घोड़े इस समय सिर्फ ग्रेट ब्रिटेन के शाही परिवार के निजी स्टड में ही हैं।

आमने सामने

महादेवपुरा में 'वोट चोरी' के रूप में एटम बम के बाद, हम जल्द ही हाइड्रोजन बम लाएंगे। हाल ही में हमने देश के सामने वोट चोरी का सबूत पेश किया। वोट चोरी का मतलब लोगों के अधिकारों, लोकतंत्र और भविष्य की चोरी है।
-राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

कर्नाटक की गणना को लेकर राहुल का दावा एटम बम था, वो तो दीवाली का पटाखा भी साबित नहीं हुआ। राहुल को सुनता हूं तो मुझे ये समझने में समय लगता है कि वह क्या कहना चाह रहे हैं?
-रवि शंकर प्रसाद
सांसद, भारतीय जनता पार्टी

भारत और जापान के संबंध नए क्षितिज पर

अरविंद जयतिलक
लेखक

अमेरिका के साथ टैरिफ और ट्रेड डील के बीच बेहद असहज माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा ने दोनों देशों के सभ्यतागत संबंधों को मिठास से भर दिया है। रंग बिरंगी दोस्ती से लबरेज भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री इशिबा के नेतृत्व में दोनों देशों ने कई अहम समझौतों पर दस्तखत किए हैं। क्लीन हाइड्रोजन और अमोनिया पर अनुसंधान करने की हामी के साथ वेस्ट वाटर मैनेजमेंट, पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण, जलवायु परिवर्तन समेत कई दूसरे मामलों में दोनों देशों ने प्रतिबद्धता जताई है।

दोनों देशों के बीच चंद्रयान-5 मिशन को लेकर भी एक रोडमैप तैयार हुआ है, जिसके तहत दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां मसलन भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा मिलकर दक्षिणी ध्रुव का अध्ययन करेंगी। यह समझौता दोनों देशों के लिए अंतरिक्ष में प्रगति का एक बड़ा कदम होगा। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसद टैरिफ थोपने के बीच जापान द्वारा भारत को अगले दस सालों में 10 ट्रिलियन येन अर्थात छह लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होगा। दोनों देशों के बीच अगले दशक में छोटे और मध्यम इंटरप्राइजेज के अलावा स्टार्टअप को जोड़ने पर भी सहमति बनी है।

दोनों देशों के बीच तकरीबन पांच लाख लोगों का आदान-प्रदान होगा, जो एक-दूसरे की प्रगति का हिस्सेदार बनेंगे। इसके तहत 50 हजार स्किल्ड और सेमी स्किल्ड लोग जापान जाएंगे और वहां की आर्थिक व सांस्कृतिक प्रगति का संवाहक बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान-इकोनॉमिक फोरम के मंच से विश्व को संदेश दिया कि भारत निवेश के लिए सबसे सुरक्षित जगह है, जहां पूंजी बढ़ती ही नहीं बल्कि कई गुना अधिक हो जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 80 फीसद कंपनियां भारत में विस्तार करना चाहती हैं और 75 फीसद पहले से ही मुनाफे में हैं। प्रधानमंत्री का कथन स्पष्ट है कि जो भारत में निवेश करेगा, वह फायदे में रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा से दोनों देशों की आर्थिक प्रगति का एक और नया द्वार खुलेगा, जिससे दोनों देश लाभान्वित होंगे।

दृष्टि दौड़ाएं तो पिछले दो वर्षों में जापानी कंपनियों ने भारत के साथ लगभग दो सैकड़ा एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत सुजुकी मोटर गुजरात में अपना विस्तार करने के लिए तकरीबन चालीस हजार करोड़ रुपये निवेश कर रही है। इसी तरह निप्पन स्टील भी गुजरात और आंध्रप्रदेश में सात हजार करोड़ रुपये निवेश कर रही है। टोयोटा किर्लोस्कर कर्नाटक और महाराष्ट्र में लगभग 23 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। कई रियल एस्टेट और स्टील कंपनियां भारतीय शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये निवेश करने जा रही हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को गतिमान होना तय है। गांवों का कायाकल्प होगा और रोजगार बढ़ेंगे।

गौर करें तो भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय आर्थिक कारोबार में लगातार वृद्धि हो रही है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान भारत के साथ जापान का द्विपक्षीय व्यापार कुल 22.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। जापान से भारत को निर्यात 17.69 बिलियन अमेरिकी डॉलर और आयात 5.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ। अर्थात भारत को जापान का निर्यात भारत के कुल आयात का 2.62 फीसद और जापान को भारत का निर्यात भारत के कुल निर्यात का 1.18 फीसद था। जापान भारत का सिर्फ आर्थिक व कारोबार तक सीमित साझीदार वाला मित्र नहीं है, बल्कि वह भारत का रणनीतिक-सामरिक साझीदार मित्र भी है।

याद होगा गत वर्ष पहले डोकलाम विवाद पर जापान ने खुले तौर पर भारत का पक्ष लेते हुए कहा था कि चीन डोकलाम की वास्तविक स्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश कर रहा है, जो कि गलत है। ध्यान दें तो कुछ वर्षों के दरम्यान भारत एवं जापान के बीच रक्षा-सुरक्षा रणनीतिक समझौता बेहद मजबूत हुआ है। जापान भारत के साथ एटमी करार को आकार दे चुका है। भारत ऐसा पहला देश है जिसने एनपीटी (परमाणु हथियार अप्रसार संधि) पर हस्ताक्षर नहीं किया है, इसके बावजूद भी जापान ने उसके साथ समझौता किया है।

इससे पूर्व भारत द्वारा कालेधन के विरुद्ध छेड़े गए वैश्विक अभियान में सहयोग करते हुए जापान द्वारा दोहरा कराधान बचाव संधि (डीटीएए) में संशोधन का भी समर्थन किया जा चुका है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच साझा विजन डॉक्यूमेंट-2025 के अंतर्गत कई अहम समझौते हुए हैं। जापान द्वारा भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के लिए सवा तीन अरब के स्पेशल फंड बनाने का भी वादा किया जा चुका है।

जापान ने गत वर्ष पहले भारत को बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 88 हजार करोड़ रुपये के ऋण को महज 0.1 प्रतिशत ब्याज दर पर देने का एलान किया। दोनों देशों के बीच आपदा प्रबंधन, कौशल विकास, जापानी भाषा की शिक्षा, उत्तर-पूर्वी हिस्से की परियोजनाओं का संवर्द्धन आदि पर भी समझौते हो चुके हैं। जापान गुजरात के मंडल बेचराज-खोरज क्षेत्र में बुनियादी विकास कार्यक्रम में सहयोग, एक-दूसरे के शहरों को वायुमार्ग से जोड़ने, शोध क्षमता और शोध निष्कर्षों की प्रभावशीलता बढ़ाने पर भी काम किया जा रहा है। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि दोनों देशों की दोस्ती अर्थव्यवस्था, निवेश व विकास को गति देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में यह दोस्ती कूटनीतिक व भू-रणनीतिक संदर्भों को भी समेटे हुए है।

> जापान, भारत का सिर्फ आर्थिक व कारोबार तक सीमित साझीदार ही नहीं है, बल्कि वह भारत का रणनीतिक-सामरिक मित्र भी है।

सामयिकी

राजनेताओं और नौकरशाहों का अशोभनीय आचरण

मध्य प्रदेश में नौकरशाहों और राजनेताओं के बीच निरंतर टकराव सामने आ रहा है। चंबल के अंचल में आने वाले जिले भिंड में भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव आपस में ऐसे भिड़े कि परस्पर मारपीट की नौबत आ गई। कलेक्टर ने विधायक की ओर अंगुली उठाई तो विधायक ने मुक्का तान दिया। यह नजारा कलेक्टर बंगले के बाहर द्वार पर देखने में आया। बाद में यहीं धरना शुरू हो गया। दरअसल इस झगड़े में मुद्दा तो खाद संकट बना, लेकिन कलेक्टर और विधायक के बीच जो तू-तू मैं-मैं दिखी, उसमें दोनों का ही कदाचरण सामने आया। निर्वाचित जनप्रतिनिधि और जिले के प्रशासनिक मुखिया के बीच इस तरह का दुराचरण समाज में बढ़ती अनैतिकता का प्रतीक है। लोकतंत्र में ऐसा व्यवहार न तो होना चाहिए और न ही इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। यह तब और निंदनीय है, जब एक-दूसरे पर लगाए आरोपों से साफ हुआ कि असली जड़ अनैतिक महत्वाकांक्षा में निहित है।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

इस बात में कोई दो राय नहीं कि बीते दो दशकों के भीतर शासन-प्रशासन के स्तर पर कार्यशैली की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है और हर क्षेत्र में प्रशासनिक निरंकुशता बढ़ी है। शासन यानी सरकार का काम जन-हितैषी व चतुर्मुखी विकास संबंधी ठोस नीतियां बनाना है। स्वीकृत परियोजना के अनुरूप क्रियान्वयन का दायित्व प्रशासनिक अधिकारियों का होता है, जिनमें कलेक्टर जिला प्रमुख होने के साथ अधिकतम अधिकारों से संपन्न भी होता है, इसलिए 95 प्रतिशत कार्यों का संबंध ऐसे उचित क्रियान्वयन से है, जो पूरी तरह नागरिक सेवा के अधिकारियों के हाथ में होता है। सच्चाई तो यह भी है कि विधायिका के बजाय अधिकांश नई नीतियों और नए कानूनों के निर्माण में भी अहम भूमिका इन्हीं अधिकारियों की रहती है, इसलिए ज्यादातर कानून इस तरह से परिभाषित किए जाते हैं कि उनमें अंतिम निर्णय का अधिकार अंततः अधिकारी के ही हाथ में रहे। पंचायती राज, सूचना का अधिकार कानून और उपभोक्ता अदालतों से जनता का मोहभंग हो जाना यही प्रमुख वजह है।

जब शिक्षा-तंत्र पर निगरानी की पहल का दायित्व पंचायतों को सौंपने की बात उठी थी, तब शिक्षकों ने बौद्धिक दंभ दिखाते हुए कहा था कि एक निरक्षर सरपंच उन पर निगरानी कैसे कर सकता है? इस परिप्रेक्ष्य में गौरतलब है कि शिक्षक रोजाना विद्यालय आता है अथवा नहीं? आता भी है तो वह मटरगश्ती करता है या कुछ पढ़ाता भी है? इसकी तस्दीक करने का संबंध निगरानीकर्ता के पढ़े-लिखे होने से कतई नहीं है। आज सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई से बड़ा सवाल शिक्षक का विद्यालय में उपस्थित नहीं होना है। अब भला शिक्षक की उपस्थिति की तस्दीक करने में अनपढ़ होना कहां बाधा बनती है? यहां यह भी गौरतलब है कि एक अनपढ़ व्यक्ति का व्यावहारिक ज्ञान, पढ़े-लिखे से भी कहीं ज्यादा हो सकता है।

कलेक्टर हो या कोई अन्य लोकसेवक उसकी गुणवत्ता का मापदंड, उसकी दक्षता, ईमानदारी, कार्यक्षमता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से होती है। नीतियों व कार्यों पर यदि ठीक से अमल नहीं होता है तो गुणवत्ता ध्वस्त हो जाती है। प्रत्येक राज्य सरकार अनेक श्रेष्ठ नीतियां गरीब, वंचित और किसानों के हित में बनाती हैं, लेकिन प्रशासनिक अकुशलता और भ्रष्टाचार के चलते परिणाम के स्तर पर अमल दोषपूर्ण रहता है। प्रजातंत्र में न्याय को संरक्षित करने का दारोमदार लोकसेवकों पर है। बहरहाल, दोनों का यह आचरण नागरिक सेवा के विपरीत है।

स्वामी- रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

दिवंगत आत्माओं से आशीर्वाद लेने का पर्व

पूर्वजों के धरती पर आने की मान्यता

श्राद्ध से जीवित रहती श्रद्धा पितरों को प्रकट करें कृतज्ञता

श्राद्ध तर्पण अति पवित्र शुभ प्राचीन परंपरा है। इसमें देह त्याग के बाद भी जीवात्मा के विकास एवं परस्पर भावपूर्ण आदान-प्रदान की व्यवस्था है। वर्ष में पितृ पक्ष के 15 दिन इसी के कार्य के लिए नियत किए गए हैं। श्राद्ध शब्द का अर्थ श्रद्धापूर्ण व्यवहार से है, जबकि तर्पण का अर्थ तृप्त करना है। इस तरह श्राद्ध तर्पण का मतलब दिवंगत पितरों को तृप्त करने की श्रद्धा या समर्पण है। सबसे पहले पितृ पक्ष यानि श्राद्ध का उल्लेख महाभारत काल में मिलता है, जहां भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महर्षि निमी को श्राद्ध का उपदेश देने वाले प्रथम व्यक्ति महा तपस्वी अत्री थे। उस उपदेश को सुनने के बाद महर्षि निमि ने श्राद्ध करना शुरू किया। उन्हें देखकर अन्य ऋषियों ने भी श्राद्ध शुरू कर दिया। लगातार श्राद्ध का भोजन प्राप्त करने से उनके सभी पूर्वज संतुष्ट रहने लगे।

श्राद्ध कब से कब तक

पूर्णिमा	7 सितम्बर, रविवार
प्रतिपदा	8 सितम्बर, सोमवार
द्वितीया	9 सितम्बर, मंगलवार
तृतीया	10 सितम्बर, बुधवार
चतुर्थी	10 सितम्बर, बुधवार
पंचमी	11 सितम्बर, गुरुवार
षष्ठी	12 सितम्बर, शुक्रवार
सप्तमी	13 सितम्बर, शनिवार
अष्टमी	14 सितम्बर, रविवार
नवमी	15 सितम्बर, सोमवार
दशमी	16 सितम्बर, मंगलवार
एकादशी	17 सितंबर, बुधवार
द्वादशी	18 सितम्बर, गुरुवार
त्रयोदशी	19 सितम्बर, शुक्रवार
चतुर्दशी	20 सितम्बर, शनिवार
सर्वपितृ अमावस्या	21 सितम्बर, रविवार

भोजन पहले अग्निदेव फिर पूर्वजों को अर्पित करें

- ऋग्वेद के अनुसार, अग्नि मृतकों को पितृलोक तक पहुंचाने में सहायक होती है। श्राद्ध के दौरान अग्नि से प्रार्थना की जाती है कि वह वंशजों के दान और भोजन को पितृगणों तक पहुंचाकर मृतात्मा को भटकने से रक्षा करें। ऐतरेय ब्राह्मण में अग्नि का उल्लेख उस रज्जु के रूप में है जिसकी सहायता से मनुष्य स्वर्ग तक पहुंचता है। वहीं, पुराणों के अनुसार, पितृ पक्ष या श्राद्ध से मिल रहे भोजन से जब देवताओं और पूर्वजों को अपच हो गई, तो वह ब्रह्माजी के पास गए।
- ब्रह्माजी ने कहा कि अग्निदेव ही उनका कल्याण करेंगे क्योंकि अग्नि तत्व भोजन के पचाने के लिए बेहद जरूरी है। जब वो अग्निदेव के पास गए, तो अग्निदेव ने देवताओं और पूर्वजों से कहा कि अब से हम सभी श्राद्ध में एक साथ भोजन करेंगे। मेरे साथ रहने से तुम्हारा अपच दूर हो जाएगा, तब से श्राद्ध का भोजन पहले अग्निदेव फिर पूर्वजों को दिया जाता है। श्राद्ध में अग्निदेव को देखकर दैत्य और राक्षस भी भोजन दूषित नहीं कर पाते, और कभी हो भी जाये, तो अग्नि सब कुछ शुद्ध कर देती है।

इस दिन जरूर कराएं ब्राह्मण भोज

- धार्मिक शास्त्रों में श्राद्ध पूजा का सबसे अच्छा समय दोपहर को है। दोपहर के समय योग्य ब्राह्मणों की सहायता से मंत्रोच्चारण कर श्राद्ध पूजा करें। पूजा के बाद जल से तर्पण करें और भोजन में गाय, कुत्ते, कौवे आदि का भाग अलग करके पहले उन्हें खिलाएं। अगर संभव हो तो गंगा नदी के किनारे जाकर श्राद्ध कर्म करें। यह सर्वाधिक फलदायी होता है। ऐसा न कर पाएं तो घर पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध कर सकते हैं। जिस दिन श्राद्ध करें, उस दिन ब्राह्मण भोज जरूर कराएं और उन्हें दान-दक्षिणा दें।

शाहजहां ने पत्र लिखकर औरंगजेब को धिक्कारा था

- श्राद्ध तर्पण की परंपरा को याद करके मुगल बादशाह शाहजहां अपने अंतिम यातना भरे दिनों में रोया था। क्रूर पुत्र औरंगजेब ने उसे जेल में बंद कर रखा था। शाहजहां ने मार्मिक पत्र लिखा था कि 'बेटा, तू कितना निर्दयी और विचित्र मुसलमान है, जो अपने जीवित पिता को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा रहा है, जबकि हिंदुओं की तरफ देख, जो अपने मृत पिता को भी पानी देते हैं। इस पत्र का उल्लेख आकिल खां की किताब वाके आलमगीरी में मिलता है।

पूर्वज की मृत्यु तिथि याद नहीं तो अमावस्या पर सर्वपितृ श्राद्ध

- ऐसी मान्यता है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा चंद्रलोक से आगे पितृ लोक में पहुंचती है। मृतात्मा को अपने नियत स्थान तक पहुंचने की शक्ति प्रदान करने के लिए मरणोपरांत पिंडदान और श्राद्ध की व्यवस्था की गई है। श्राद्ध कर्म मृत्यु तिथि के आधार पर किया जाता है। जिस दिन व्यक्ति की मृत्यु हुई थी, पितृ पक्ष के उसी दिन उसका श्राद्ध किया जाता है। अगर किसी को अपने पूर्वज की मृत्यु तिथि याद नहीं है, तो वे अमावस्या के दिन सर्वपितृ श्राद्ध कर सकते हैं। यह तिथि उन सभी पितरों के लिए होती है जिनकी मृत्यु तिथि मालूम न हो।

लेखक
आचार्य पवन तिवारी
संस्थापक अध्यक्ष, ज्योतिष सेवा संस्थान

बोध कथा

महिमा राधा नाम की

एक कुष्ठ रोगी अपने कुष्ठ रोग के कारण अत्यधिक परेशान रहता था। किसी ने उसे ब्रज भूमि जाने की सलाह दी, इस पर वह वृंदावन आ गया। यहां वह सड़क के किनारे बैठा रहता था, और हर आने जाने वाले व्यक्ति से अपना कुष्ठ रोग ठीक होने का उपचार पूछता रहता था। उसकी हालत देखने के बाद कोई कुछ दवाई बता कर चला जाता तो कोई कुछ उपचार बता देता। लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता जा रहा था, और किसी के भी उपाय या उपचार से न तो उसका कुष्ठ रोग कम हुआ, न ही उसकी पीड़ा कम हुई। कुछ दिनों के पश्चात एक सरल हृदय बाबा उस मार्ग से गुजरे। कुष्ठ रोगी ने उनसे भी अपने इलाज की गुहार लगाई। बाबा उसकी दशा देखकर द्रवित हो गए। हाल-चाल पूछा और कहा कि तुम सारा दिन यहां बैठे-बैठे आने-जाने वाले लोगों से उपचार पूछते रहते हो। वृंदावन में आकर भी राधा रानी का नाम नहीं लेते हो। कल से अपने मुख से हर समय 'श्री राधे-श्री राधे' का उच्चारण किया करो। वही तुम्हारा कल्याण करेंगी। कुष्ठ रोगी ने बाबा की सलाह मानकर उसी समय से 'श्री राधे-श्री राधे' जपना शुरू कर दिया। अब वह आने-जाने वाले लोगों से भी श्री राधे-श्री राधे कहने लगा। यहां तक कि उसके घावों में जब बहुत पीड़ा होती थी, तब भी वह कराहने के बजाय करुण स्वर में 'श्री राधे-श्री राधे' ही कहता रहता। श्रीकृष्ण ने बृज की गलियों से गुजरते हुए कुष्ठ रोगी की करुण वेदनामयी आवाज में 'श्री राधे-श्री राधे' की पुकार सुनी, तो तुरंत दौड़े-दौड़े उसके पास पहुंचे। कुष्ठ रोगी के पास आकर श्रीकृष्ण को ऐसा प्रतीत हुआ मानो वहां कोई कुष्ठ रोगी न होकर साक्षात राधा रानी बैठी हैं। श्रीकृष्ण ने तुरन्त उस कुष्ठ रोगी को गले से लगा लिया और स्वयं भी भावविह्वल होकर राधे-राधे कहने लगे। तभी पीछे से राधा रानी बोलीं-'प्रभु मैं तो इधर खड़ी हूं उधर नहीं।' किन्तु भगवान को तो कुष्ठ रोगी में ही राधारानी दिख रहीं थीं। उन्होंने उसे ही मजबूती से पकड़े रखा और राधे-राधे कहते रहे। कुछ क्षणों के पश्चात जब श्रीकृष्ण ने आंखें खोली तो देखा कि राधा रानी तो वास्तव में उनके पीछे ही खड़ी थीं, किन्तु इतने ही क्षणों में भगवान की कृपा और स्पर्श मिलने से वह कुष्ठ रोगी पूरी तरह भला-चंगा और पूर्णतः स्वस्थ हो चुका था। यह कथा हमें सीख देती है कि जब पूर्ण श्रद्धा से कोई कार्य करते हैं तो सफलता जरूर मिलती है, भले ही वह किसी भी भगवान का नाम जप ही क्यों न हो। जब हम अपने इष्टदेव को पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ पुकारते हैं, तो वह हमारे दुख और कष्ट दूर करने जरूर आते हैं।

लेखकः राजपुरुष

!! धर्म का मर्म !!

मनुष्य को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसके लिए शास्त्र ही प्रमाण हैं, क्योंकि वेद और शास्त्र स्मृतियां भगवान की आज्ञा हैं। सृष्टि संचालन के लिए ईश्वर को विधान बनाना पड़ता है, उसी शासन विधान का नाम शास्त्र है। विश्व संचालन की विद्या इन धर्म शास्त्रों में समाहित है।।धर्मो विश्वास्य जगतः प्रतिष्ठा।। इस प्रकार धर्म और इसके शास्त्र शाश्वत हैं, सनातन हैं। यही सनातन धर्म संपूर्ण जगत का जीवन है। सूर्य में प्रकाश, अग्नि में दाहक शक्ति, चंद्रमा में शैतल्य, अमृत में अमृत्व, पृथ्वी में क्षमा, मानव में मानवता समेत विभिन्न धर्मों के रूप में यही एक सनातन धर्म अवस्थित है। यही सनातन धर्म सार्वभौम विश्व धर्म या आत्मधर्म है, जो आत्म कल्याणकारी होने के साथ साथ सर्वभूत हितमय है। विचारणीय बात यह है कि जीव पशु-पक्षी कीट-पतंगे तथा तिर्यक आदि 84 लाख योनि में भटकता हुआ भगवत्कृपा से मानव शरीर प्राप्त करता है। इस योनि में उसे कर्म करने का सामर्थ्य प्राप्त होता है, पर इस सामर्थ्य का वह कितना प्रयोग करता है, यह उस पर निर्भर है।

मानव जीवन स्वेच्छाचारिता पूर्वक भोग विलास में जीवन बिता दिया और शास्त्र रूपी भगवदाज्ञा के अनुसार जीवन चर्या नहीं चलाई तो पुनः समस्त तिर्यक योनि में दुख रूपी जीवन व्यतीत करना पड़ेगा। मनुष्य आज पशुओं से भी निकृष्ट जीवन यापन कर रहा है। पशुओं को अपने धर्म का आहार आदि का बोध है, पर मनुष्य को नहीं । आप और कुछ बने न बनें, किंतु आप मानव बन गए तो आप धर्म शास्त्र पथ से भ्रष्ट नहीं होंगे। वास्तव में धर्म वह है जिसके परिणाम में अपना और दूसरों का हित होता है। अधर्म वह जिसमें अपना और दूसरों का अहित होता है।

परहित सरिस धर्म नहि भाई। पर पीड़ा सम नहि अघमाई।।

सत्य, सदाचार और परहित धर्म का मूल है। माता-पिता, पुत्र और पत्नी के धर्म अलग अलग है, पर सभी एक दूसरे का हित और परस्पर सुख पहुंचाने वाले ही होंगे।

।।निःस्वार्थता ही धर्म की कसौटी है।।

जो जितना निस्वार्थी है वो उतना ही आध्यात्मिक और धार्मिक है। आज संसार में अनैतिक आचार व्यवहार स्वार्थ की पराकाष्ठा है। धार्मिक संस्कार लुप्तप्राय हो रहे है। जिसमें सर्वत्र ही काम क्रोध लोभ मोह मद गर्व अभिमान, द्वेष, ईर्ष्या, हिंसा परोत्कर्ष पीड़ा दलबंदिया अधर्म युद्ध आदि सभी अधर्म के विभिन्न स्वरूपों का तांडव नृत्य हो रहा है। तो पता नहीं पतन कितना गहरा होगा। अतः मनुष्य धर्म शास्त्रों का आलंबन लेकर पाप पुण्य नीति अनीति की पहचान की सामर्थ्य प्राप्त कर सके तथा देव पितृ गुरु आदि के प्रति अपना कर्तव्य समझ सके यही धर्म का वास्तविक मर्म है।

लेखक
चन्द्रेश जी महाराज
(चंद्रदास)

सप्ताह के व्रत और पर्व

- **3 सितंबर :** बुधवार – पार्श्व एकादशी
- **4 सितंबर :** गुरुवार – वामन जयंती, शुक्र प्रदोष व्रत

- 5 सितम्बर, शुक्रवार – गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी पर्व
- 6 सितम्बर, शनिवार – भाद्रपद पूर्णिमा व्रत, चंद्र ग्रहण
- **7 सितंबर, रविवार– प्रतिपदा श्राद्ध**
- **7 सितम्बर 2025** – रविवार – पितृ पक्ष आरंभ, प्रतिपदा श्राद्ध

अनंत सूत्र की 14 गांठें, 14 लोकों की प्रतीक

- अनंत चतुर्दशी पर्व भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। इस दिन उनके अनंत रूपों की पूजा की जाती है। पूजा में चौदह गांठों वाला खास धागा, जिसे अनंत सूत्र कहते हैं, प्रयोग किया जाता है। ये धागा भगवान विष्णु के चौदह लोकों भूर्लोक, भुवर्लोक, स्वर्लोक, महर्लोक, जनलोक, तपोलोक, ब्रह्मलोक, अतल, वितल, सुतल, रसातल, तलातल, महातल और पाताल लोक का प्रतीक है। अनंत सूत्र को पुरुष दाएं और महिलाएं बाएं हाथ पर बांधती हैं। मान्यता है कि इस रक्षा सूत्र को बांधने से सभी प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

जनकपुर के बिना अधूरी है अयोध्या

अयोध्या जितना ही धार्मिक महत्व नेपाल के जनकपुर धाम का भी है। पूर्वी नेपाल में बिहार बार्डर के समीप स्थित जनकपुर माता सीता का मायका है। इसे बिहार का मिथिलांचल भी कहते हैं। मिथिलांचल के लोग स्वयं को भगवान राम के ससुराल से जुड़ा महसूस करते हैं। यहां के लोगों का मानना है कि बिना जनकपुर के अयोध्या अधूरी है। जनकपुर धाम में हर रोज भजन-कीर्तन होने से पूरा इलाका भक्तिमय बना रहता है। पूरे कस्बे में हर घर पर राम पताका फहराती है। सड़क के किनारे हर हिंदू के घर का मुख्य हिस्सा भगवा रंग में रंगा है।

जनकपुर भगवान राम का ससुराल है। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के दिन मिथिला संस्कृति के अनुसार जनकपुर से माता सीता के ससुराल अयोध्या दो ट्रकों में भरकर सौगात भेजी गई थी। मान्यता है कि जब बेटी अपने ससुराल के नए घर में प्रवेश करती है, तो उसके मायके से कुछ सगुन भेजे जाते हैं।

राजा जनक के नाम पर हुआ नामकरण

अंग्रेजों के शासन के वक्त एक समझौते में नेपाल को मेची नदी के पूर्व और महाकाली नदी के पश्चिम के बीच का तराई क्षेत्र दिया गया था। इस तरह मिथिला का एक बड़ा भूभाग नेपाल में शामिल कर दिया गया, जनकपुर भी इसी क्षेत्र का हिस्सा था। राजा जनक के नाम पर इस शहर का नाम जनकपुर रखा गया था। राजा जनक की पुत्री सीता जिन्हें जानकी भी कहते हैं, उनके नाम पर इस मंदिर का नामकरण हुआ था। मंदिर में मां सीता की मूर्ति सन 1657 के आसपास की बताई जाती है।

कभी भारत का हिस्सा था जनकपुर

- जनकपुर धाम प्राचीन काल में विदेह राज्य की राजधानी थी। जनकपुर मंदिर साल 1911 में बनकर तैयार हुआ था। 4860 वर्ग फीट में फैले इस मंदिर का निर्माण टीकमगढ़ की महारानी कुमारी वृषभानु ने करवाया था। उनके कोई संतान नहीं था। यहां पूजा के दौरान उन्होंने मन्नत मांगी थी कि अगर उन्हें संतान होती है, तो यहां मंदिर बनवाएंगी। संतान की प्राप्ति के बाद महारानी वहां लौटीं और साल 1895 में मंदिर का निर्माण शुरू हुआ जो 16 साल में पूरा हुआ। उस समय मंदिर के निर्माण पर नौ लाख रुपये खर्च हुए थे, इसलिए इस मंदिर को नौलखा मंदिर भी कहते हैं। 1967 से इस मंदिर में 12 महीने अखंड कीर्तन चलता रहता है। 24 घंटे सीता-राम नाम का जाप लोग करते हैं।

अयोध्या से जनकपुर तक रामायण सर्किट

- अयोध्या और जनकपुर को जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण सर्किट का शुभारंभ किया है। जनकपुर धाम तक भारत से ट्रेन भी चलाई गई है। इसके लिए भारत से नेपाल का रेल समझौता हुआ है। कोंकण रेलवे कारपोरेशन, महाराष्ट्र ने 84 करोड़ 65 लाख रुपये कीमत की चार बोगी और इंजन समेत दो डीएमयू सवारी गाड़ी नेपाल को उपलब्ध कराई हैं।

लेखक
यशोदा श्रीवास्तव

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 2 सितंबर 2025
www.amritvichar.com

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,364.49	24,625.05
बढ़त	554.84	198.20
प्रतिशत में	0.70	0.81

सोना- 1,07,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,24,200 प्रति किलो

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2570, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2190, रविन्द्रा 2630, फॉर्चुन 13 किग्रा 1920, जय जवान 1930, सचिन 2020, सूरज 1930, अवसर 1845, उजाला 1890, गृहणी 13 किग्रा 1835, क्लासिक (किग्रा) 2050, मोर 2120, चक्र टिन 2315, ब्लू 2065, आशीर्वाद मस्टर्ड 2470, स्वास्तिक 2510

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000–17000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 7000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400–600, मखाना 900–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1–5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800–13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7550–8900, मलका छोटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 9000–11100, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000–11000, चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7000, डबरा 7200–9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800–10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 4200, बासमती- 9000, परमल- 3400

दाल दलहन : काला चना- 7500, साबुत चना दाल- 7200, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12200–14200, दाल उड़द- 9200, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 7000, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10300, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9100

तीन दिन बाद सेंसेक्स 555 अंक उछला

आर्थिक वृद्धि के मजबूत आंकड़ों से घरेलू बाजार उत्साहित, आईटी-वाहन एवं बैंकों के शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई, एजेंसी

आर्थिक वृद्धि के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन दिनों की गिरावट से उबरते हुए सोमवार को चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स ने 555 अंकों की छलांग लगाई जबकि निफ्टी में 198 अंक की बढ़त रही। विश्लेषकों ने कहा कि अनुकूल निवेशक धारणा के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), वाहन एवं बैंकों के शेयरों में हुई खरीदारी से बाजार को तेजी मिली।

बीएसई का सेंसेक्स 554.84 अंक की बढ़त के साथ 80,364.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 597.19 अंक चढ़ा था। एनएसई का निफ्टी 198.20 अंक की बढ़त के साथ 24,625.05 अंक पर बंद हुआ। इस तरह घरेलू शेयर बाजार पिछले तीन सत्रों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। इन तीन सत्रों में सेंसेक्स में 1,826.26 अंक यानी 2.23 प्रतिशत और निफ्टी में 540.9 अंक यानी 2.16 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सोमवार को सेंसेक्स में शामिल 23 कंपनियां बढ़त के साथ बंद हुईं। इनमें से महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, इटर्नल, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि सन फार्मा, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाइटन के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

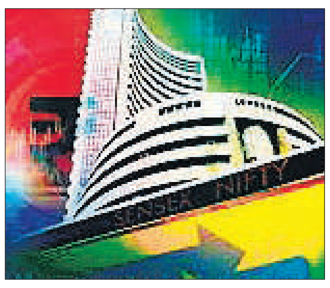

● सेंसेक्स में शामिल 30 में से 23 कंपनियां बढ़त के साथ हुईं बंद

शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 7.8% की दर से बढ़ी जो पांच तिमाहियों में सर्वाधिक है। हालांकि अमेरिका की तरफ से भारतीय उत्पादों पर शुल्क बढ़ाकर 50% कर देने से कपड़ा, चमड़ा एवं रत्न-आभूषण जैसे प्रमुख निर्यातों पर खतरा मंडरा रहा है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारत की पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर अनुमान से अधिक 7.8 प्रतिशत रही है, जिसने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था के जुझारूपन में निवेशकों के भरोसे को मजबूती दी है। नायर ने कहा कि जीएसटी परिषद की आगामी बैठक में कर प्रणाली को युक्तिसंगत बनाए जाने की उम्मीदें निवेशक धारणा को मजबूत कर रही है और सोच-समझकर खपत करने को बढ़ावा दे रही हैं। यह आशावाद खासकर वाहन एवं टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों को लाभ पहुंचा रहा है।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार ने कारोबारी सप्ताह की सकारात्मक शुरुआत की जिसमें जून तिमाही के बेहतर जीडीपी आंकड़ों की अहम भूमिका रही। सत्र के दूसरे हिस्से में चुनिंदा दिग्गज कंपनियों में खरीदारी आने से सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुआ।

मिड और स्मॉलकैप बढ़त के साथ हुए बंद

व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई का मिडकैप सूचकांक 1.64 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 1.49 प्रतिशत की तेजी रही। वाहन खंड में सर्वाधिक 2.68 प्रतिशत की बढ़त रही जबकि टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 2.07 प्रतिशत, विवेकाधीन उपभोक्ता खंड में दो प्रतिशत और पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.93 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,796 शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,391 शेयरों में गिरावट रही और 193 अन्य अपरिवर्तित रहे।

विदेशी बाजार में दिखा मिलाजुला असर

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार अधिकतर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत बढ़कर 68.10 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,312.66 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 11,487.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। शुक्रवार को सेंसेक्स 270.92 अंक गिरकर 79,809.65 अंक और निफ्टी 74.05 अंक की गिरावट के साथ 24,426.85 अंक पर बंद हुआ था।

घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण जीएसटी संग्रह 6.5% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण अगस्त में सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आगामी त्योहारों के कारण राजस्व में वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अगस्त 2024 में 1.75 लाख करोड़ रुपये था। पिछले महीने संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये था। इस साल अगस्त में सकल घरेलू राजस्व 9.6 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर 1.2 प्रतिशत घटकर 49,354 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घटकर 19,359 करोड़ रुपये रह गया। शुद्ध जीएसटी राजस्व अगस्त 2025 में 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि है। ये आंकड़े केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद की बैठक से ठीक दो दिन पहले जारी किए गए।

इस बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने और कर स्लैब की संख्या कम करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। ईवाई के कर भागीदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि निर्यात रिफंड में उल्लेखनीय गिरावट से वैश्विक शुल्क के कारण निर्यात क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का पता चलता है। अग्रवाल ने कहा कि प्रतिकूल वैश्विक हालात और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत अब तक स्थिर बनी हुई है। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर एमएस मणि ने कहा कि संग्रह में वृद्धि साझा किए जीडीपी आंकड़ों के अनुरूप है और नीति निर्माताओं को इससे जीएसटी सुधारों को आगे बढ़ाने का भरोसा मिलेगा।

● 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक का हुआ राजस्व एकत्र

आयात पर आईजीएसटी में कमी हैरान करने वाली

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जुलाई 2025 में वस्तुओं के आयात में तेज वृद्धि (अगस्त 2025 के आंकड़े के अनुसार) को देखते हुए आयात पर आईजीएसटी में कमी हैरान करने वाली है। टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी सर्विसेज एलएलपी के भागीदार विवेक जालान ने कहा कि जीएसटी में 10.7% की वृद्धि घरेलू और आयात दोनों में जीएसटी रिफंड में 20% की गिरावट के कारण हुई है।

नियमों की अनदेखी पर कोल इंडिया पर लगा करीब 11 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

● स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने पर बीएसई-एनएसई ने की कार्रवाई

कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने सोमवार को कहा कि बीएसई और एनएसई ने उस पर 10.72 लाख का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के चलते लगाया गया।

बीएसई और एनएसई, दोनों ने कोयला क्षेत्र की इस कंपनी पर अलग-अलग 5.36-5.36 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सीआईएल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में एनएसई-बीएसई से नोटिस मिला है। इस तरह के गैर-अनुपालन के लिए प्रत्येक ने 5,36,900 रुपये का जुर्माना लगाया है। कोल इंडिया घरेलू कोयला उत्पादन में 80% से अधिक का योगदान देती है। कंपनी ने कहा कि यह गैर-अनुपालन उसकी किसी लापरवाही या चूक से नहीं था और अनुपालन जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयास भी किए गए थे। निदेशक मंडल के सभी सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

कम मुद्रास्फीति, निर्यात बढ़ने से 7.8% की जीडीपी वृद्धि : नोमुरा

मुंबई। जापानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि जून तिमाही में 7.8% की उच्च आर्थिक वृद्धि से नीतिगत स्तर पर आत्मसंतुष्टि नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह महंगाई में नरमी और ट्रंप प्रशासन के शुल्क युद्ध के बाद निर्यात बढ़ने से हुई है।

कंपनी ने कहा कि निर्यातकों का समर्थन करने और घरेलू मांग को बढ़ावा देने को नीतिगत कदम जरूरी है। इसके तहत 2025 के अंत तक रेपो दर में आधा प्रतिशत की कटौती करके इसे 5% करना, निर्यात में विविधता लाना, प्रभावित निर्यातकों को राजकोषीय और ऋण सहायता देना और सुधार प्रोत्साहन शामिल हैं। आर्थिक चक्र को लेकर हमारा नजरिया बदला नहीं है, लेकिन 2025-26 की पहली तिमाही की उच्च जीडीपी वृद्धि को देखते हुए, हम सांख्यिकीय रूप से वित्त वर्ष 2025-26 के अपने जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6% से संशोधित कर 6.6%कर रहे हैं।

यूपीआई लेनदेन की संख्या 20 अरब के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन की संख्या अगस्त महीने में 20 अरब को पार कर गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी।

इस दौरान मूल्य के लिहाज से 24.85 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। यह आंकड़ा जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये था। मूल्य के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मात्रा के लिहाज से जुलाई में सबसे अधिक 19.47 अरब लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई के अनुसार यूपीआई लेनदेन की राशि 21 प्रतिशत बढ़कर 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 20.60 लाख करोड़ रुपये था। एनपीसीआई ने बताया कि मात्रा के लिहाज से लेनदेन अगस्त 2024 के 14.9 अरब से 34 प्रतिशत बढ़कर अगस्त 2025 में 20.01 अरब हो गया। इस साल अगस्त के दौरान औसत दैनिक लेनदेन राशि 80,177 करोड़ थी, जबकि इस दौरान औसत दैनिक लेनदेन की संख्या 64.5 करोड़ थी।

● जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये का यूपीआई से हुआ लेनदेन

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत

स्पाइस मनी के सीईओ दिलीप मोदी ने कहा कि अगस्त 2025 में 20.01 अरब यूपीआई लेनदेन का आंकड़ा पार करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इससे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की गहराई और मजबूती का पता चलता है।

राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाए अहम फैसले

20% इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के खिलाफ याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका को रद्द कर दिया, जिसमें 20% इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) की बिक्री को चुनौती दी गई थी। याचिका में आरोप था कि वाहन चालक ऐसे ईंधन का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिसे उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं किया गया है।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा द्वारा याचिका में उठाए तर्कों से सहमत नहीं हुई। याचिका में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सभी ईंधन स्टेशनों या पेट्रोल पंप पर इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि ई20 ईंधन गन्ना किसानों के लिए फायदेमंद है। याचिकाकर्ता मल्होत्रा के तो नाम का इस्तेमाल हो रहा है। इसके पीछे एक लॉबी है। सरकार ने प्रत्येक चीज पर विचार किया है। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शादान फरासत ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर अब केवल ईबीपी-20 ही उपलब्ध होता प्रतीत हो रहा है, वह भी बिना किसी सूचना के। ईबीपी-20 इसके अनुरूप निर्मित वाहनों के लिए समस्या नहीं है। लेकिन वाहनों का निर्माण इसके अनुरूप नहीं हुआ है। याचिका में अधिकारियों को पेट्रोल पंपों और वितरण इकाइयों पर इथेनॉल की मात्रा का लेबल अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी, ताकि यह उपभोक्ताओं को दिखाई दे और यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए कि ईंधन वितरण के समय उपभोक्ताओं को अपने वाहनों की इथेनॉल अनुकूलता के बारे में सूचित किया जाए। अधिकारियों को 'गैर-अनुपालन वाले वाहनों में 20% उपयोग की सीमा तक इथेनॉल मिश्रित ईंधन से यांत्रिक क्षरण व दक्षता हानि पर एक राष्ट्रव्यापी प्रभाव अध्ययन' करने का निर्देश दिया गया था।

ट्रांसजेंडर-समावेशी स्कूली पाठ्यपुस्तक संबंधी याचिका पर केंद्र को सुप्रीम नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, एनसीईआरटी और महाराष्ट्र समेत छह राज्यों से उस जनहित याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें स्कूली पाठ्यक्रम में ट्रांसजेंडर-समावेशी व्यापक यौन शिक्षा (सीएसई) को शामिल करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया और प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर आठ हफ्तों में जवाब मांगा। केंद्र और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के अलावा, याचिकाकर्ता काव्या मुखर्जी साहा ने याचिका में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक को पक्षकार बनाया।

नए यात्री जेटी के निर्माण के खिलाफ याचिका रद्द

दक्षिण मुंबई में ऐतिहासिक 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर नए यात्री जेटी और टर्मिनल का निर्माण जारी रहेगा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस परियोजना को मंजूरी देने वाले मुंबई हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका सोमवार को रद्द कर दी। हाईकोर्ट ने 15 जुलाई को गेटवे ऑफ इंडिया के पास महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा प्रस्तावित 229 करोड़ की लागत वाली यात्री जेटी और टर्मिनल सुविधा के निर्माण को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया था। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लॉरा डी सूजा द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए कहा कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है।

'सनातन धर्म' टिप्पणी: 2026 में उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की उस याचिका पर 2026 में सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने 2023 में सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी अपने बयान पर दर्ज सभी प्राथमिकियों और शिकायतों को एक साथ संलग्न करने एवं मामलों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। स्टालिन की याचिका पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता (स्टालिन) के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि स्टालिन के खिलाफ कई प्राथमिकी और शिकायतें दर्ज हैं। इस न्यायालय ने पहले भी कई मामलों में दो काम किए हैं।

जम्मू में बाढ़ क्षेत्र पहुंचे शाह, पीड़ितों को राहत का दिया आश्वासन

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित जम्मू का दौरा किया और कुछ पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें राहत एवं पुनर्वास मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी थे और उन्हें जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी दी। शाह बाढ़ और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुंचे थे। राजभवन में आगंतुकों से मिलने के बाद वह स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए जम्मू हवाई अड्डे के पास स्थित एवं बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित गांवों में से एक मांगूचक के लिए रवाना हुए।

वोट चोरी के एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम आने वाला है : राहुल

पटना, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी से जुड़े अपने खुलासे का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम आने वाला है।

उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा के समापन पर यह दावा किया कि वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी जनता को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। राहुल ने कहा कि वोट चोरी का मतलब अधिकार, आरक्षण, रोज़गार, शिक्षा और युवाओं के भविष्य की चोरी है। गांधी ने दावा किया कि वोट चोरी के बाद लोगों के राशन कार्ड और जमीन छीन ली जाएगी। हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। कांग्रेस नेता ने यह दावा फिर किया कि पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव चोरी किया गया था। भाजपा के लोगों, तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। आपकी वोट की चोरी पूरे देश को पता लगने जा रही है। इससे पहले राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने गांधी मैदान से डाक बंगला चौराहे तक मार्च निकाला।

पटना में वोट अधिकार यात्रा को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

पुलिस ने रोका मार्च

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने सोमवार को मार्च निकाला, जिसे पुलिस ने बीच रास्ते में ही डाक बंगला चौराहे के निकट रोक लिया। गांधी मैदान से शुरू मार्च को आंबेडकर पार्क तक जाना था।

भाजपा नीतीश को वहां फेंकेगी जहां कचरा फेंकते हैं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भाजपा और आरएसएस की झोली में गिरने तथा विचारधारा से समझौता करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा-आरएसएस उन्हें वहीं फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है। उन्होंने दावा किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद डबल इंजन सरकार नहीं होगी और महागठबंधन की सरकार बनेगी जो गरीबों, महिलाओं, दलितों और पिछड़ों की सरकार होगी।

बिहार एसआईआर मामला

दावे, आपत्तियां 1 सितंबर के बाद भी होंगी दाखिल : ईसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान तैयार मतदाता सूची के मसौदे में दावे, आपत्तियां और सुधार एक सितंबर के बाद भी दाखिल हो सकेंगे लेकिन सूची को अंतिम रूप देने के बाद उन पर विचार होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं जे. बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग (ईसी) की इस दलील पर गौर किया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि तक दावे और आपत्तियां दाखिल हो सकेंगे। शीर्ष अदालत ने एसआईआर पर भ्रम की स्थिति को विश्वास का मुद्दा करार देते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त की सूची पर मतदाताओं की सहायता के लिए अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे।

सेना ने हटाया टीएमसी का प्रदर्शन मंच

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय सेना ने सोमवार को गांधी प्रतिमा के पास टीएमसी के मंच को हटाना शुरू कर दिया। यह मंच अन्य राज्यों में पश्चिम बंगाल के बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए बनाया गया था।

रक्षा अधिकारी ने बताया कि भारतीय सेना (स्थानीय सैन्य प्राधिकार, कोलकाता) उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार मैदान क्षेत्र में दो दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रमों की अनुमति देती है। तीन दिन से अधिक के कार्यक्रमों के लिए रक्षा मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। दो दिन की अनुमति दी गई थी। हालांकि, मंच एक महीने से लगा हुआ है। अस्थायी ढांचे को लेकर आयोजकों को कई बार सूचित किया गया, लेकिन इसे नहीं हटाया गया। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया और सेना द्वारा मंच को हटाया जा रहा है। मैदान थाने के अधिकारी के अनुसार सेना ने कहा कि हर सप्ताह के अंत में होने वाले प्रदर्शनों के बाद मंच को हटाना पड़ता है।

टीएमसी का प्रदर्शन मंच हटाते सेना के जवान। एजेंसी

केंद्र ने किया सेना का दुरुपयोग : ममता

प. बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर अत्याचार के विरोध में बनाए मंच को हटाने के लिए सेना के दुरुपयोग का आरोप लगाया। मौके पर पहुंची ममता बनर्जी ने कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, इसके पीछे भाजपा का प्रतिशोध है। यह अनैतिक और अलोकतांत्रिक है। सेना को मंच हटाने से पहले कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। वे मुझे बुला सकते थे और मैं कुछ ही मिनटों में मंच हटवा देती।

जरांगे का आंदोलन शांतिपूर्ण नहीं, सड़कें खाली कराएं

मुंबई, एजेंसी

बंबई हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण आंदोलन से पूरा शहर ठहर गया है और यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है तथा इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया है।

हाईकोर्ट ने मुंबई में सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया और जरांगे तथा उनके समर्थकों को हालात सुधारने तथा मंगलवार दोपहर तक सभी सड़कें खाली करने का अवसर दिया। जरांगे 29 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वह मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत 10% आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने सोमवार से पानी पीना भी बंद कर दिया है।

लोगों ने किया यातायात बाधित

मराठा आरक्षण को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में चार दिन से अनशन पर बैठे मनोज जरांगे ने सोमवार से पानी पीना बंद कर दिया और डॉक्टरों ने उनके सेहत की जांच की। मराठा समुदाय के सदस्य आरक्षण की मांग को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और दक्षिण मुंबई के अन्य हिस्सों में जमा हो गए, जिससे यातायात बाधित हुआ और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: हेलिकॉप्टर गिरा, पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो पायलट सहित चालक दल के कम से कम पांच सदस्यों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक ने एक बयान बताया कि हेलिकॉप्टर डायमर जिले के चिलास क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा, हमारा एक हेलीकॉप्टर चिलास के थोर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। उन्होंने बताया कि विमान प्लोवदिव हवाई पायलट और तीन तकनीकी कर्मचारी शामिल थे।

मिसाइल कारखाने को देखने पहुंचे किम जोंग

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसके नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया, जो मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की उनकी योजना को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह दौरा चीन में एक बड़े सैन्य परेड में शामिल होने से पहले किया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने यह नहीं बताया कि किम ने रविवार को जिस कारखाने का निरीक्षण किया, वह कहां स्थित है लेकिन ऐसा अनुमान है कि यह जांगांग प्रांत में हो सकता है, जो चीन से सटा हुआ देश का प्रमुख शस्त्र उद्योग केंद्र है।

इजराइल ने हमास से समझौता किया खारिज

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को एक बार फिर बंधकों की चरणबद्ध रिहाई से इन्कार कर दिया और कहा कि आंशिक युद्धविराम और बंधक-रिहाई समझौता मेज पर नहीं है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम पर अपने रुख को दोहराया। उनका यह बयान युद्ध कैबिनेट के छह घंटे लंबे सत्र के बाद आया। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री ने समझौते के लिए किसी भी आंशिक रूपरेखा को स्वीकार करने के खिलाफ आधिकारिक वोट के लिए दबाव डाला।

हेलिकॉप्टर से संपर्क टूटा, आठ लोग लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के उष्णकटिबंधीय द्वीप बोर्नियो पर एक हेलीकॉप्टर का उड़ान भरने के आठ मिनट बाद संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर में आठ व्यक्ति सवार थे। 'ईस्टइंडो एयर' के स्वामित्व वाला 'एयरबस बीके117 डी-3' हेलीकॉप्टर इंडोनेशिया के दक्षिण कालीमंटन प्रांत के कोटाबारू जिले में एक हवाई अड्डे से सोमवार सुबह 8:46 बजे मध्य पलंगकराया शहर के लिए रवाना हुआ था। हेलीकॉप्टर को सुबह 10:15 बजे पलंगकराया पहुंचना था और हवाई यातायात नियंत्रण से इसका अंतिम संपर्क सुबह 8:54 बजे हुआ था।

शक: रूस ने ईयू अध्यक्ष को ले जा रहे विमान का जीपीएस किया जाम

ब्रसेल्स, एजेंसी

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को ले जा रहे विमान का जीपीएस बुल्गारिया के ऊपर जाम हो गया। संदेह है कि रूसी अभियान में यह जीपीएस जाम हुआ। यूरोपीय आयोग की प्रवक्ता एरियाना पोडेस्टा ने बताया कि विमान प्लोवदिव हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

उन्होंने कहा कि वॉन डेर लेयेन रूस और बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों की अपनी यात्रा जारी रखेंगी। पोडेस्टा ने कहा, हम निश्चित रूप से पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जाम हो गया था। हमें बुल्गारिया के अधिकारियों से जानकारी मिली। अधिकारियों ने संदेह जताया कि रूस की कार्रवाई के कारण ऐसा हुआ।

- पुतिन की कट्टर आलोचक हैं उर्सुला वॉन डेर लेयन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन में युद्ध की कटु आलोचक वॉन डेर लेयेन, रूस और उसके सहयोगी बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों के चार दिवसीय दौरे पर हैं। पोडेस्टा ने कहा, यह घटना वास्तव में उस मिशन की तात्कालिकता को रेखांकित करती है, जिसे राष्ट्रपति अग्रिम पंक्ति के सदस्य देशों में अंजाम दे रहे हैं।

एशिया में बदलते आर्थिक समीकरणों का नया अध्याय

इससे पहले अमेरिका के एशिया के साथ व्यापारिक संबंध काफी हद तक मुक्त और वैश्विक नियमों पर आधारित थे लेकिन अब आपूर्ति श्रृंखलाएं बदल गई हैं। वैश्विक आर्थिक समीकरण प्रभावित होने के बाद अमेरिका के सामने उत्पाद लागत बढ़ने, घरेलू उद्योगों पर दबाव आने और विदेशी निवेश में कमी जैसे जोखिम पैदा हुए हैं। इस बदलाव से वियतनाम, मैक्सिको जैसे देशों को फायदा हुआ है, जबकि चीन को नुकसान हुआ है। वैश्विक उथलपुथल के इसी दौर में भारत ने चीन के साथ नजदीकी बढ़ाई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के हित टकराते हैं जिसकी वजह से यह सहयोग ज्यादा लंबा खिंचना मुश्किल है। भारत के लिए जोखिम भरा भी है। आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकी के मामले में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर भी भारत के सामने अभी कोई स्पष्ट विकल्प नहीं है।

अमेरिका बनाम एशिया

टैरिफ वार और वैश्विक असर

- अमेरिका का एशिया के साथ व्यापारिक संबंध डब्ल्यूटीओ के तहत एक खुली, पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण प्रणाली पर आधारित था।
- चीन 2001 के बाद यूएस का प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग सप्लायर बना। इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, फर्नीचर, टेक्सटाइल चीन सबसे आगे था।
- टैरिफ वार ने इन समीकरणों को बिगाड़ दिया, चीन से आयात में कमी आई है और अमेरिका से उसने व्यापार को कम कर दिया है।
- अमेरिकी उपभोक्ताओं पर लागत का दबाव पड़ने से कंपनियां

अमेरिका के लिए चुनौतियां

- चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़ने की आशंका थी लेकिन टैरिफ के बावजूद व्यापार घाटा लगभग अपरिवर्तित रहा है।
- आयातित कच्चे माल पर टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ने का अंदेशा, इससे प्रतिस्पर्धी क्षमता पर असर।

लगातार बढ़ते जोखिम

- ट्रंप के टैरिफ वार ने दुनिया के तमाम देशों को अपनी अर्थव्यवस्था की सेहत ठीक रखने के लिए विकल्प खोजने को विवश होना पड़ा है।
- दुनिया में बढ़ता व्यापारिक तनाव देशों के बीच संबंधों में बदलाव ला रहा है, चीन-अमेरिका के पीछे ध्रुवीकरण की स्थिति पैदा हुई है।
- टैरिफ वार शुरू होने के बाद घरेलू और विदेशी निवेश भी प्रभावित होने की आशंका है जो अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम है।
- अमेरिका का व्यापार संरक्षणवाद वैश्विक आर्थिक विकास पर अपेक्षाकृत मामूली लेकिन महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

इन देशों की लॉटरी

अमेरिका के टैरिफ वार से वियतनाम, मैक्सिको समेत कई उभरते हुए कई देशों को लाभ मिला है क्योंकि कंपनियां

भारत के लिए सीमित विकल्प

- भारत के लिए अमेरिकी बाजार के प्रत्यक्ष या ठोस विकल्प काफी सीमित है, खासकर विशिष्ट औद्योगिक क्षेत्रों में।
- भारत सेवाओं के निर्यात में मजबूत वृद्धि देख रहा है, जो महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सेवाओं का आयात 2024 में 15.4% बढ़ा है।

चीन और भारत

- कई विशेषज्ञों का दावा है कि भारत के लिए चीन की नजदीकी कई तरह के खतरों से भरी है।
- सीमा विवाद और विश्वास की कमी प्रमुख है जो एलएसी पर लगातार घटनाओं से पैदा हुई है।
- दोनों देशों में व्यापार असंतुलन। भारत को चीन से बड़ा व्यापार घाटा होता है। मार्केट एक्सेस और एनटीबी संबंधी काफी शिकायतें हैं।

पुतिन से मिले मोदी, कहा- संकट में हमेशा एक-दूसरे का साथ दिया है भारत-रूस ने

रूसी राष्ट्रपति का जल्द यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने का आह्वान, बोले- ये मानवता की मांग

तियानजिन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि भारत और रूस हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। मोदी की पुतिन की मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब भारत एवं अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक के संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं।

मोदी और पुतिन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर बैठक की, जिसमें आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। आधिकारिक वार्ता से पहले, दोनों नेताओं ने एससीओ शिखर सम्मेलन में अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद एक ही कार में बैठक स्थल तक एक साथ यात्रा करते हुए 40 मिनट से अधिक समय तक अनौपचारिक बातचीत की। मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए हाल ही में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष को यथाशीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा, हम यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर नियमित रूप से चर्चा करते रहे हैं। हम शांति स्थापित करने की दिशा में हाल में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। इस संघर्ष को समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता अवश्य निकाला जाना चाहिए। यह संपूर्ण मानवता की आकांक्षा है। समझा जाता है कि भारतीय पक्ष ने पुतिन को शनिवार को मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी। मोदी से बात करने के बाद, जेलेंस्की ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए आवश्यक प्रयास करने और रूस को उपयुक्त संकेत देने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण और विश्वास-आधारित संबंध बनाए रखे हैं, और यह संबंधों के भविष्य के विकास की नींव है। उन्होंने कहा, ये संबंध पूरी तरह से दलगत राजनीति से ऊपर हैं और इन्हें हमारे अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त है।

तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन के साथ मोदी।

पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया

तियानजिन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास यूक्रेन के साथ संघर्ष के मुख्य कारणों में से एक हैं। पुतिन ने दावा किया कि यह संकट मुख्यतः 2014 में यूक्रेन में हुए तख्तापलट के कारण उत्पन्न हुआ, जिसे पश्चिम के देशों ने उकसाया था। उन्होंने कहा, संकट का दूसरा कारण यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास हैं। जैसा कि हम बार-बार जोर देते रहे हैं कि यह रूस की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। फरवरी 2014 में यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रदर्शनकारियों और सरकारी बलों के बीच घातक झड़पों के परिणामस्वरूप तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को पद से हटा दिया गया था।

जिनपिंग का संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूटीओ व्यवस्था को मजबूत करने का आह्वान

तियानजिन/नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एससीओ के सदस्य देशों से संयुक्तराष्ट्र पर केंद्रित विश्व व्यवस्था की रक्षा करने का आह्वान किया है। जिनपिंग ने तियानजिन एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में बोलते हुए कहा, हमें न्याय और निष्पक्षता को बनाए रखना चाहिए, द्वितीय विश्व युद्ध के इतिहास के बारे में सही दृष्टिकोण को बढ़ावा देना चाहिए, युद्ध की मानसिकता, गुटों के टकराव और धौंस-धमकी का विरोध करना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका वाली अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करने और विश्व व्यापार संगठन को केंद्र में रखते हुए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का समर्थन करने का भी आह्वान किया। उन्होंने इस वर्ष एससीओ सदस्य देशों के लिए दो अरब युआन (लगभग 28.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के अनुदान की घोषणा की, साथ ही एससीओ इंटरबैंक कंसोर्टियम के माध्यम से अगले तीन वर्षों में 10 अरब युआन के अतिरिक्त ऋण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि अन्य एससीओ सदस्य देशों में चीन का संचयी निवेश पहले ही 84 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है, जबकि वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है।

अब नवारो बोले- भारतीय जनता कृपया समझिए, आपके साथ क्या हो रहा है

न्यूयॉर्क, एजेंसी

रूस से तेल की खरीद को लेकर भारत पर एक बार फिर निशाना साधते हुए 'व्हाइट हाउस' के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि 'ब्राह्मण' भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं और इसे रोकने की जरूरत है।

नवारो ने 'फॉक्स न्यूज संडे' से एक साक्षात्कार में कहा, देखिए मोदी एक महान नेता हैं। उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि भारतीय नेता किस तरह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ सहयोग कर रहे हैं। नवारो ने कहा, मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा, भारतीय जनता कृपया समझिए कि यहां क्या हो रहा है। आपके पास ब्राह्मण हैं जो भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं। हमें इसे रोकने की जरूरत है। इस बीच, कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक टिप्पणी में कहा, अमेरिका में 'बोस्टन ब्राह्मिन' एक जुमला है जो आम बोलचाल में समाज के संभ्रांत लोगों के लिए इस्तेमाल होता है।

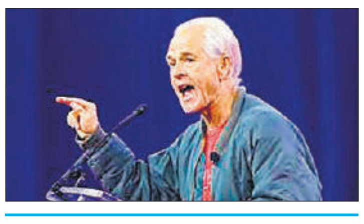

- ट्रंप के व्यापार सलाहकार ने कहा- भारतीय जनता की कीमत पर 'ब्राह्मण' कर रहे हैं तेल के कारोबार से मुनाफाखोरी

भारत के साथ साझेदारी नई ऊंचाइयां छू रही है: अमेरिका

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों और आयात शुल्क को लेकर उत्पन्न तनातनी के बीच यहां अमेरिकी दूतावास ने कहा दोनों देशों की साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। दूतावास ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो के इस आशय के एक बयान वाले पोस्टर के साथ एक्स पर कहा कि भारत-अमेरिका संबंध 21वीं सदी की एक निर्णायक भागीदारी है। यह बयान ऐसे समय आया है जब मोदी ने तियानजिन में आयोजित एससीओ सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकें की हैं।

ट्रंप का दावा: भारत ने की है टैरिफ निल करने की पेशकश लेकिन अब देर हो चुकी, ऐसा पहले करना चाहिए था

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क घटा कर 'नगण्य' करने की पेशकश की है, लेकिन अब देर हो चुकी है। ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत ने लंबे समय से अमेरिकी उत्पादों पर दुनिया में सबसे अधिक कर लगाता आ रहा है और इस कारण दोनों देशों के बीच व्यापार एकतरफा है। उन्होंने इसे एकतरफा विनाश बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, भारत ने अब आयात शुल्क घटाकर नगण्य करने की पेशकश की है, लेकिन अब देर हो चुकी है। उन्हें बहुत पहले ऐसा करना चाहिए था। ट्रंप ने कहा कि काफी कम लोग यह समझते हैं कि अमेरिका भारत से काफी कम व्यापार करता है, जबकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारत उसे बड़ी मात्रा में सामान बेचता है जबकि वह अमेरिका से बहुत कम खरीदता है। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से एकतरफा विनाश था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर रूस से तेल खरीदने के लिए भारत की आलोचना की।

वेनेजुएला की चुनौती, अमेरिका के किसी भी हमले के लिए तैयार

कराकस, एजेंसी

वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने रविवार को कहा कि उनका देश, अमेरिका के किसी भी हमले के लिए तैयार है। श्री लोपेज ने अमेरिकी सरकार को मीडिया के जरिए चेतावनी देते हुए कहा, अगर आपने वेनेजुएला में एक भी कदम रखने की कोशिश की तो हम इसका जवाब देंगे।

रक्षा प्रमुख ने कहा कि वेनेजुएला को एक ऐसी घेराबंदी में है जिसका उद्देश्य आंतरिक अराजकता को भड़काना और देश के राजनीतिक नेतृत्व को

- रक्षा प्रमुख ने कहा- देश में एक भी कदम रखा तो कड़ा जवाब देंगे

कमजोर करना है। उन्होंने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा कि कैरेबियाई जलक्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिकों की तैनाती की घोषणा शक्ति प्रदर्शन के अलावा और कुछ नहीं है। यह क्षेत्र को चिह्नित करने का एक तरीका है, ताकि अन्य शक्तियां कैरिबियाई सागर पर नियंत्रण न कर सकें। पैड्रिनो लोपेज ने कहा कि सेना के 15000 जवान वेनेजुएला के पश्चिमी क्षेत्र में तैनात कर दिए गए हैं।

फलस्तीनी वीजा पर लगी पाबंदियों को अमेरिका ने बढ़ाया

वाशिंगटन। अमेरिका ने फलस्तीनी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा पाबंदियों को बढ़ाते हुए वीजा की लगभग सभी श्रेणियों के अनुमोदन पर रोक लगा दी है। न्यूयार्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वीजा पाबंदी में चिकित्सा, विश्वविद्यालय अध्ययन, व्यावसायिक यात्रा, और मित्रों या परिवार से मिलने की श्रेणी के आवेदन भी शामिल हैं। ये नियम केवल गाजा के निवासियों पर लागू होते थे पर अब नई नीति पश्चिमी तट और पूरे प्रवासी समुदाय में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों पर लागू हो जाएगी।

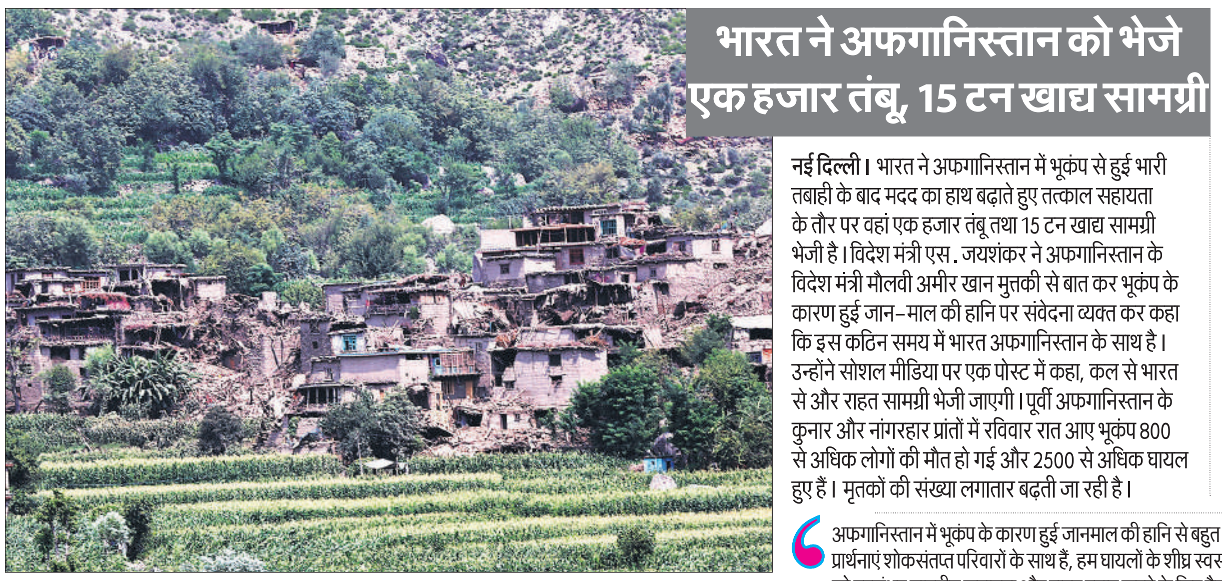

विनाशकारी भूकंप से अफगानिस्तान के कुनार और नागरहार सूबे में कई गांव पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजे एक हजार तंबू, 15 टन खाद्य सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान में भूकंप से हुई भारी तबाही के बाद मदद का हाथ बढ़ाते हुए तत्काल सहायता के तौर पर वहां एक हजार तंबू तथा 15 टन खाद्य सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्तकी से बात कर भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त कर कहा कि इस कठिन समय में भारत अफगानिस्तान के साथ है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कल से भारत से और राहत सामग्री भेजी जाएगी। पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार और नांगरहार प्रांतों में रविवार रात आए भूकंप 800 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 2500 से अधिक घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

वैश्विक संस्थाओं ने भी बढ़ाए मदद के लिए हाथ

काबुल। अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप के बाद अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं सहायता पहुंचाने एवं राहत-बचाव कार्यों में तेजी ला रही हैं। तालिबान अधिकारियों ने कहा कि इस विनाशकारी भूकंप में कुनार और नांगरहार क्षेत्रों में अधिकतर गांव पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। बचाव अभियान जारी है और चिकित्सा दल भेजे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि करते हुए कहा है कि उसके कर्मचारी प्रभावित प्रांतों में स्थानीय सहायता कर्मियों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान में मदद कर रहे हैं। भारत समेत कई देशों ने भी प्रभावित इलाकों के लिए मदद भेजी है।

> अफगानिस्तान में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं, हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हरसंभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है। - 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 2 सितंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 3 सितंबर 03.53 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

(कुंडली: मं. 6, बु. 4, शु. 3, के. सू. 5, गु., 7, 8, 2, 11 रा., 1, चं. 9, 10, श. 12)

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद। चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन। ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-मूल 21.51 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष: आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी परेशानियां लगी रहेंगी। दोपहर के बाद काफी सारी परिस्थितियां आप अनुकूल कर लेंगे। दूसरों की सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष: आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यापारियों को ग्राहकों के साथ अपने संबंध अच्छे रखने चाहिए। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। गलत कार्यप्रणाली से आपको बचना चाहिए। आप शुभ कार्यों में धन खर्च कर सकते हैं।

मिथुन: आज छोटी दूरी की यात्रा करने का विचार बनाएंगे। गले में संक्रमण जैसी समस्या हो सकती है। विवाहेतर संबंधों के कारण परेशानियां उत्पन्न होंगी। विरोधी आपको उपहास कर सकते हैं। मन में अस्थिरता और तनाव की स्थिति रहेगी।

कर्क: आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। मांगलिक कार्य में आप सम्मिलित हो सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के प्रति एकाग्र रहेंगे। अचानक धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। भविष्य के लिए आप बड़ी योजना बना सकते हैं।

सिंह: आज वैवाहिक जीवन की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी बातों से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे। समाज में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। मौसम में अचानक बदलाव के कारण आपको समस्या हो सकती है। बच्चों को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कन्या: आज दूसरों की भावनाओं पर अधिक विश्वास न करें। विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। एलर्जी और खांसी जैसी समस्या हो सकती है। जिद्दीपन वाले व्यवहार से आपको बचना चाहिए। थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।

तुला: आज आपको अच्छे संपर्कों का लाभ अवश्य मिलेगा। भाई बहनों की उन्नति से आप प्रसन्न होंगे। अप्रत्याशित लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। मार्केटिंग संबंधी कार्यों के लिए दिन अनुकूल है। सहकर्मियों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक: आज दिन प्रसन्नता और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। जीवनसाथी के साथ अपने मन की बातें कर सकते हैं।

धनु: आज परिवार के सदस्यों के बीच अच्छा तालमेल रहेगा। सभी आवश्यक कार्य बिना बाधा के पूर्ण हो जाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। संतान के रवैये से आप संतुष्ट रहेंगे। कानूनी मामलों में विजय मिल सकती है।

मकर: आज यदि यात्रा कर रहे हैं, तो सामान के प्रति विशेष सावधानी रखें। अनावश्यक कार्यों के लिए अपना समय व्यर्थ न करें। युवा नौकरी को लेकर परेशान हो सकते हैं। महत्वपूर्ण सामान चोरी हो सकता है। संयम से काम लेंगे तो सफलता मिलेगी।

कुंभ: आज रिश्तेदारों पर अधिक विश्वास करना उचित नहीं है। प्रेमीजन के साथ समय बिताएंगे। आकस्मिक यात्रा की संभावना बन सकती है। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। शाम के समय किसी सहकर्मी से मनमुटाव हो सकता है।

मीन: आज लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिसके सार्थक परिणाम भी आपको शीघ्र प्राप्त होंगे। परिजनों के साथ आनंद का समय बिताएंगे। आपकी निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। विरोधी आपके मित्र बन सकते हैं।

सुडोकू-87

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9		2	6				5	
					3		8	
1			4					6
	7		2		6			
		1		7				
4		3		8		5		
	2				9			3
	4		1					
	6				5	2		1

सुडोकू - 86 का हल

5	3	4	6	1	7	2	8	9
1	6	2	8	9	5	4	3	7
8	9	7	2	3	4	1	6	5
4	2	8	9	7	3	6	5	1
6	1	3	5	8	2	7	9	4
9	7	5	4	6	1	8	2	3
3	8	1	7	2	9	5	4	6
2	4	9	1	5	6	3	7	8
7	5	6	3	4	8	9	1	2

सांसद खेल महोत्सव 21 से 25 दिसंबर तक उत्तर मुंबई में किया जाएगा। हम खेल को हर घर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य लगभग एक लाख खिलाड़ियों को जोड़ने और भारत में खेले जाने वाले खेलों को प्रोत्साहन देने का है।

-पीयुष गोयल

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अहलावत संयुक्त 33वें स्थान पर

क्रांस मोंटाना (स्विट्जरलैंड) : भारत के वीर अहलावत यहां अंतिम दौर में दो अंडर 68 के स्कोर से यूरोपीय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर रहे। डीपी विश्व टूर पर पैर जमाने की कोशिश कर रहे अहलावत का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने चार दौर में 69, 64, 70 और 68 के स्कोर बनाए। अहलावत ने लगातार चौथी बार कट हासिल किया। वह अभी डीपी विश्व टूर तालिका में 129वें स्थान पर हैं और अगर कुछ और टूर्नामेंट में अच्छे नतीजे हासिल करते हैं तो टूर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं।

नीतिश राणा ने दिलाया डीपीएल खिताब

नई दिल्ली : कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान नीतिश राणा ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का नमूना पेश करते हुए 49 गेंद में नाबाद 79 रन बनाकर पश्चिम दिल्ली लायंस को सेंट्रल दिल्ली लायंस पर छह विकेट से जीत दिलाकर दिल्ली प्रीमियर लीग खिताब 2025 दिलाया। जीत के लिये 174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लायंस को शुरूआती झटके लगे जब सेंट्रल दिल्ली के गेंदबाजों सिमरजीत सिंह और अरूण पुंडीर ने लगातार विकेट लेकर पांचवें ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 48 रन कर दिया। इसके बाद कप्तान राणा ने मयंक गुसाई के साथ 42 रन की साझेदारी की। उसके बा रितिक शोकीन (27 गेंद में नाबाद 42) के रूप में उन्हें अच्छा जोड़ीदार मिल गया। राणा ने अपनी पारी में छह छक्के लगाए।

टेनिस प्रीमियर लीग अहमदाबाद में

मुंबई : अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां सीजन नौ से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय टेनिस स्टेडियम आयोजित होगा। महाराष्ट्र के बाहर पहली बार आयोजित होने वाले टीपीएल के सातवें सीजन में लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति, रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे जैसे दिग्गजों द्वारा समर्थित आठ-फ्रैंचाइजी प्रतियोगिता में एटीपी रैंकिंग में 30 से 50 के बीच रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारे, दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना सहित भारत के शीर्ष खिलाड़ी शामिल होंगे।

ओवर्टन ने लाल गेंद की क्रिकेट से ब्रेक लिया

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवर्टन ने सोमवार को लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की क्योंकि अब वह सभी प्रारूपों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं हो पा रहे हैं। सिर्फ दो टेस्ट खेलने वाले 31 वर्षीय ओवर्टन ने पिछला टेस्ट भारत के खिलाफ ओवल में पांच मैच की घरेलू सीरीज के दौरान खेला था जो 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई थी। ओवर्टन ने एक्स पर कहा काफी सोच-विचार के बाद मैंने लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है।

महिला विश्व कप चैंपियन की पुरस्कार राशि में बंपर बढ़ोतरी

दुबई, एजेंसी

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला वनडे विश्व कप में विजेता टीम को 44.80 लाख डॉलर (लगभग 39.55 करोड रुपये) की पुरस्कार राशि मिलेगी। ये इस टूर्नामेंट में अभी तक की सबसे बड़ी इनामी राशि होगी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को घोषणा की कि विजेता टीम के लिए पुरस्कार राशि में 13.20 (लगभग 11.65 करोड रुपये) की बढ़ोतरी की गई है। महिला वनडे विश्व कप में आठ टीम भाग लेंगी और इसकी कुल पुरस्कार राशि में लगभग चार गुना वृद्धि की गई है। आईसीसी ने इस प्रतियोगिता के लिए कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) घोषित की है। आईसीसी ने एक बयान में कहा आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपए थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार

राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ग्रुप चरण जीत दर्ज करने पर

40 करोड़ रुपये अब मिलेंगे, ये इनामी राशि अब तक की सबसे अधिक है।

टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफ़र में एक मील का पत्थर साबित होगी। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के लिए हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है, महिला क्रिकेटरों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे इस खेल को पेशेवर रूप से चुनेंगी तो उनके साथ पुरुषों के समान व्यवहार किया जाएगा।

बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करें

कोलकाता : भारत के पूर्व क्रिकेटर अरुण लाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के तहत साइ के क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फोन पर स्क्रीन टाइम के चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे युवा खेल के मैदान से दूर रहे हैं। ग्रासरूट्स टू ग्लोबल पोडियम्स: इंडियाज रोड टू 2036 विषय पर आयोजित सत्र में अरुण ने भारत की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर के खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने रविवार को आयोजित सत्र में कहा बच्चों को फोन की जगह खेल के मैदान को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहए।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका। एजेंसी

सबालेंका, अल्काराज और जोकोविच क्वार्टर फाइनल में

यूएस ओपन के मुकाबले पहुंचे रोमांचक मोड़ पर, नोवाक ने फेडरर को पीछे छोड़ा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में एकल वर्ग के मुकाबले में सबालेंका ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अपने शुरुआती तीन राउंड में कड़ी परीक्षा दे चुकी गत चैंपियन को फ्लशिंग मीडोज में विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी को हराने और लगातार पांचवीं बार अंतिम-आठ में जगह बनाने में केवल 73 मिनट लगे। सबालेंका का अगले दौर में मुकाबला कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना और चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात नोवाक जोकोविक ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को हराकर एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वहीं अल्काराज ने ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की उपलब्धि हासिल की। एक घंटे 49 मिनट तक चले मुकाबले 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर के 14वें यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

कार्लोस अल्काराज।

नोवाक जोकोविक।

जोकोविक का अगला मुकाबला अमेरिकी नंबर 4 सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने इससे पहले चेक गणराज्य के टॉमस मचाक को सीधे सेटों में हराया था।

मैच के बाद साक्षात्कार में जोकोविक ने कहा अगर आप अच्छी सर्विस करते हैं तो यह निश्चित रूप से मददगार होता है। मुझे लगता है कि पिछले राउंड में और आज भी मेरी सर्विस बहुत अच्छी रही। शायद मुझे उतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है। अपने करियर के ज्यादातर समय मैं बेसलाइन से दौड़ता, फिसलता और घिसटता रहा हूं। इस जीत के साथ जोकोविक ने रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी को भी पीछे छोड़ दिया। ओपन एरा रिकॉर्ड बुक में अब वह केवल कॉनर्स से पीछे हैं, जो 17 क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में स्पेन के सनसनीखेज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने दर्शकों को एक बार फिर चकित कर करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को सीधे सेटों में हराकर 2025 यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने अल्काराज ने रिंडरकनेच पर 7-6(3), 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। अल्काराज ने 19 साल की उम्र में यूएस ओपन जीतकर सबसे कम उम्र के विश्व नंबर वन खिलाड़ी बनकर 2022 में न्यूयॉर्क में इतिहास रचा था, अब अंतिम आठ में चेक गणराज्य के 20वें वरीय लेहेका से मुकाबला करेंगे। लेहेका ने फ्रांस के एड्रियन को 7-6, 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।

सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफी होटल से चोरी

न्यूयॉर्क : टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने कहा है कि हाल ही में एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। सोराना एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं।

उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है, कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है लेकिन भावनात्मक कीमत है। रोमानिया की 35 वर्ष की क्रिस्टी ने इस महीने क्लीवलैंड में अपने कैरियर का तीसरा एकल खिताब जीता था।

माया राजेश्वरन दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क : भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती ने चीन की झांग कियान वेइ को अमेरिकी ओपन जूनियर लड़कियों के एकल वर्ग में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली, लेकिन हितेश चौहान सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गए। कोयंबटूर की रहने वाली 16 वर्ष की माया ने 7-6, 6-3 से जीत दर्ज की। माया स्पेन के मालोरका में रफेल नडाल अकादमी की छात्रा हैं। अब वह ब्रिटेन की हन्नाह क्लगमैन से खेलेंगी, जिन्होंने एस्पेन शूमैन को 6-0, 6-2 से हराया।

लॉन बॉल खिलाड़ी मनु पाल का विश्व कप के लिए चयन

संवाददाता, छिबरामऊ (कन्नौज)

अमृत विचार। आगामी विश्वकप व हांगकांग क्लासिक की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए लॉन बॉल खिलाड़ियों का तीन दिवसीय ट्रायल में चयन हुआ है। इसमें कन्नौज की मनु पाल भी शामिल हैं।

न्यू सराफान मोहल्ले के रहने वाले रामनरायन पाल की बेटी मनु कई सालों से लॉन बॉल के विदेशों में होने वाले आयोजन का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। आगामी विश्वकप व हांगकांग क्लासिक प्रतियोगिता के लिए महिला व पुरुष खिलाड़ियों का तीन दिवसीय ट्रायल आर के पुरम दिल्ली में 28 अगस्त से 31 अगस्त में आयोजित हुआ। महिला वर्ग में मनु पाल के चयनित होने की खबर मिलते ही जिले के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। फोन पर मनु ने बताया कि महिला व पुरूष वर्ग से 4-4 खिलाडियों को चयनित किया गया। नवंबर में होने वाली हांगकांग व मलेशिया की प्रतियोगिता में देश की ओर से प्रतिभाग करेंगी।

साथी खिलाड़ियों के साथ कन्नौज की मनु पाल (मध्य में)। एजेंसी

अगली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप भारत में

पेरिस, एजेंसी

- विश्व बैडमिंटन महासंघ ने की घोषणा
- नई दिल्ली में होगा प्रतियोगिता का आयोजन

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के अगस्त 2026 में होने वाले अगले आयोजन के लिए नई दिल्ली को मेजबान शहर के तौर पर चुना गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने सोमवार को इसकी घोषणा की। यह दूसरी बार होगा जब भारत इस विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा।

इससे पहले 2009 में हैदराबाद ने इसकी मेजबानी की थी। यह घोषणा पेरिस में 2025 चैंपियनशिप के समापन समारोह के दौरान की गई। इस मैके पर बीडब्ल्यूएफ अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वदत्रकुल, 'फेडरेशन फ्रैंकेसे डी बैडमिंटन' के प्रमुख फ्रैंक लॉरेंट और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा के बीच एक हस्तांतरण हुआ। उन्होंने पेरिस की तरह उत्कृष्टता और भव्यता को आगे बढ़ाने का वादा किया बीएआई से जारी विज्ञप्ति में मिश्रा ने कहा हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि पेरिस ने जो उत्कृष्टता और भव्यता दिखाई है भारत उन मानकों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए अपना शत प्रतिशत प्रयास करेगा। हम वैश्विक बैडमिंटन परिवार का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। दिल्ली की मेजबानी से टूर्नामेंट की आठ साल के बाद एशिया में वापसी होगी। चीन के नानजिंग ने 2018 सत्र की मेजबानी की थी।

भारत के लिए, दोबारा चैंपियनशिप की मेजबानी करना इस खेल की बड़ी ताकत और वैश्विक बैडमिंटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थल के रूप में मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

मलेशिया और कोरिया पूल बी से सुपर चार में पहुंचे

हॉकी एशिया कप

राजगीर (बिहार), एजेंसी

मलेशिया और कोरिया ने सोमवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल बी के अपने-अपने मैच आसानी से जीत कर सुपर चार चरण में अपनी जगह सुरक्षित की। मलेशिया ने चीनी ताइपे को 15-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि कोरिया ने बांग्लादेश को 5-1 से हराया। मलेशिया तीन मैचों में जीत के साथ नौ अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर रहा, जबकि कोरिया छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

बांग्लादेश तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा, जबकि चीनी ताइपे एक भी मैच नहीं जीत पाया। दिन के दूसरे मैच में मलेशिया की तरफ से अशरन हमसानी (आठवें, 15वें, 32वें, 54वें मिनट), अखीमुल्लाह अनुआर (10वें, 20वें, 29वें, 45वें, 56वें), नोर्सयाफिक सुमांत्री (20वें, 40वें, 60वें), अबू कमाल अजराई (22वें), एंडीवालफियन एफ्रिनस (24वें) और ऐमान रोजेमी (32वें) ने गोल किए।

दिन के पहले मैच में कोरिया की तरफ से डैन सोन (नौवें, 11वें) ने दो, जबकि सेउंगवू ली (16वें), सेयोंग ओह (22वें) और जिहुन यांग (60वें) ने एक-एक गोल किया। बांग्लादेश की तरफ से गोल सोहनुर सोबुज ने किया।

चीनी ताइपे के खिलाफ गोल करते हुए मलेशिया के खिलाड़ी। एजेंसी

अश्विन ने किया आईएलटी20 आयोजकों से संपर्क

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा ले चुके दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पुष्टि की है कि वह दो दिसंबर से चार जनवरी 2026 तक यूएई में होने वाले आईएलटी 20 के अगले सत्र की नीलामी का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। अगले कुछ दिनों में 39 वर्ष के होने जा रहे अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास लिया है जिसके बाद वह दूसरे देशों में टी20 लीग खेल सकते हैं।

भारत के लिए 287 मैचों में 765 विकेट ले चुके अश्विन के हवाले से क्रिकबज ने कहा मैं आयोजकों के संपर्क में हूं। उम्मीद है कि नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराने पर मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा। नीलामी 30 सितंबर को दुबई में होगी और रजिस्ट्रेशन दस सितंबर तक पूरे हो जायेंगे। पहली बार आईएलटी20 में नीलामी हो रही है जबकि अब तक खिलाड़ी चुनने के लिये ड्राफ्ट व्यवस्था थी।

सफलता का राज | मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने बताया अपना मूल मंत्र

खेल और खिलाड़ियों को समझना महत्वपूर्ण

राजगीर (बिहार), एजेंसी

दुनिया के मशहूर मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने अपने शानदार करियर के दौरान विभिन्न खेलों में काम किया है, लेकिन खेल कोई भी हो उनका मूल मंत्र एक ही है, खेल और खिलाड़ियों की जरूरत को समझना।

अपटन भारत की 2011 क्रिकेट वन डे विश्व कप जीत के दौरान मुख्य कोच गैरी कर्स्टन के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा थे और वह वर्तमान में यहां चल रहे एशिया कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।

वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम तथा पिछले वर्ष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और 2022 एशियाई खेलों की विजयी टीमों का भी हिस्सा थे। अपटन ने पीटीआई से कहा, टीमवर्क के सिद्धांत लगभग एक जैसे हैं। हॉकी में एक अलग प्रकार का टीमवर्क होता है, जिसमें कई खिलाड़ियों को जुड़ना पड़ता है। क्रिकेट में भी टीमवर्क होता है, लेकिन यह अधिक व्यक्तिगत होता है। इस 55 वर्षीय कोच ने कहा लेकिन ध्यान केंद्रित रखने के सिद्धांत, ध्यान भटकाने वाली चीजों का प्रबंधन करने के सिद्धांत जैसे स्कोरबोर्ड, प्रशंसक, विरोधी टीम, गलती करने का पछतावा, ये सब एक जैसे ही हैं। अपटन का करियर मुख्य रूप से क्रिकेट के इर्द-गिर्द घूमता रहा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी टीम और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स सहित दुनिया भर की कई टी-20 फ्रेंचाइजी के साथ काम किया है। उन्होंने हालांकि रग्बी और हाल ही में हॉकी जैसे अन्य खेलों में भी काम किया है।

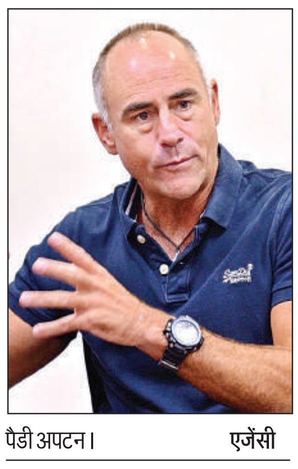

पैडी अपटन। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के रहने वाले अपटन ने कहा मुझे हॉकी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं भारत का रहने वाला नहीं हूं और अब भी मैं यहां एक मेहमान हूं, इसलिए मेरा दृष्टिकोण वास्तव में सुनने, माहौल को समझने, खेल को समझने और प्रत्येक व्यक्ति को समझने पर ध्यान देने का है। जब मैं चीजों को समझ जाऊंगा तभी किसी तरह की मदद कर सकता हूं।

खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से भी करते हैं संपर्क

भारतीय हॉकी टीम के साथ काम करने के तरीके के बारे में पूछे जाने पर अपटन ने कहा यह खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और टीम सत्र दोनों तरह से होता है। हम टीम के साथ कार्यशालाएं आयोजित करते हैं और खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से भी संपर्क करते हैं। यह आखिरकार कोच और कप्तान पर निर्भर करता है कि वे क्या चाहते हैं। अपटन ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम का ध्यान फिलहाल अगले साल होने वाले विश्व कप, एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक पर है। उन्होंने कहा भारतीय टीम के साथ मेरा पिछला अनुभव ओलंपिक से पहले का है।